@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरूवार, 23 जुलाई 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 259 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

सोनम वांगचुक अनशन खत्म करने के लिए तैयार

• सरकार के सामने रखी शर्त

'करीब 65 सांसदों ने उन्हें पत्र लिखकर अनशन समाप्त करने की अपील की'

एजेंसी

नई दिल्ली। शिक्षा व्यवस्था में सुधार, परीक्षा पेपर लीक मामलों में जवाबदेही और छात्रों के हितों को लेकर अनिश्चितकालीन अनशन कर रहे सोनम वांगचुक ने केंद्र सरकार से आंदोलन में शामिल युवाओं के खिलाफ किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का स्पष्ट लिखित आश्वासन मांगा है। उन्होंने कहा कि ऐसा आश्वासन मिलने पर ही वह अनशन समाप्त करने पर विचार करेंगे। सोनम वांगचुक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक खुला पत्र साझा किया, जिसे उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी. नड्डा और केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह के नाम संबोधित किया गया है। उन्होंने पत्र में बताया कि दोनों मंत्री अस्पताल में उनसे मिलने पहुंचे थे और उन्होंने अनशन समाप्त करने का आग्रह किया था। वांगचुक ने लिखा कि मुलाकात के दौरान मंत्रियों ने उन्हें भरोसा दिलाया कि सरकार उनकी प्रमुख मांगों पर सकारात्मक रूप से विचार करेगी। इनमें परीक्षा पेपर लीक की घटनाओं के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को उचित मुआवजा देने

और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर संसद में सार्थक चर्चा सुनिश्चित करने जैसी मांगें शामिल हैं।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि चर्चा के दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर भी विचार किए जाने की बात सामने आई। अपने पत्र में वांगचुक ने 20 जुलाई को आयोजित 'चलो संसद' मार्च का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पुलिस की कथित सख्ती और बल प्रयोग के बावजूद यह मार्च पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा। देश और दुनिया ने देखा कि युवाओं ने लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखी और संयम का परिचय दिया। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस आंदोलन में भाग लेने वाले छात्रों और युवाओं के खिलाफ किसी भी प्रकार की प्रतिशोधात्मक या कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी।

वांगचुक ने बताया कि केंद्रीय मंत्रियों की मुलाकात के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के करीब 65 सांसदों ने उन्हें पत्र लिखकर अनशन समाप्त करने की अपील की है। कुछ सांसद व्यक्तिगत रूप से उनसे मिलने भी पहुंचे हैं, जबकि अन्य के मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि सभी सांसदों ने उन्हें याद दिलाया कि देश और शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान अभी बाकी है।

युवाओं को राजनीतिक औजार बना रहा विपक्ष, छात्र आकांक्षाओं को लेकर सरकार प्रतिबद्ध : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली में जारी विरोध-प्रदर्शनों को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश के छात्रों और युवाओं को कुछ लोग अपने राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए औजार के रूप में इस्तेमाल करने का प्रयास कर रहे हैं। संसद सत्र के दौरान सड़क पर समाधान खोजने का प्रयास अनुचित है। राजनाथ सिंह ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार विद्यार्थियों और युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने और उनके कल्याण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। छात्रों की हर चिंता को सुनना और उसका समाधान करना सरकार की जिम्मेदारी है। भारत के जागरूक और विवेकशील युवा ऐसे भ्रामक प्रयासों को समझते हैं और प्रगति, विकास तथा राष्ट्र निर्माण के मार्ग को ही चुनेंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष के कुछ नेताओं द्वारा 'बनावटी गुस्से का माहौल' केवल जनता, विशेषकर बच्चों और युवाओं को भ्रमित करने का असफल प्रयास है।

छात्रों के प्रदर्शन पर अनुपम खेर ने तोड़ी चुप्पी, कहा- 'आपकी लड़ाई आपकी ही रहनी चाहिए, किसी और का एजेंडा मत बनने दीजिए'

मुंबई (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर हो रहे छात्रों के प्रदर्शन और उससे जुड़ी तस्वीरों ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इस मुद्दे पर कई फिल्मी सितारे अपनी-अपनी राय रख चुके हैं। अब अभिनेता अनुपम खेर ने भी छात्रों के समर्थन में खुलकर बात की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा कि इस आंदोलन को बाहरी लोगों के एजेंडे का हिस्सा नहीं बनने देना चाहिए। अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो की शुरुआत छात्रों को संबोधित करते हुए की। उन्होंने कहा, 'मेरे प्यारे छात्रों, नमस्ते। एक-दो दिन पहले आपके प्रदर्शन की तस्वीरें देखकर मन व्याकुल भी हुआ और दुखी भी।

नीट मामला: राहुल गांधी ने रखीं तीन मांगें

• 'शिक्षा मंत्री का इस्तीफा, जिम्मेदारों पर कार्रवाई और सरकार से माफी की अपील'

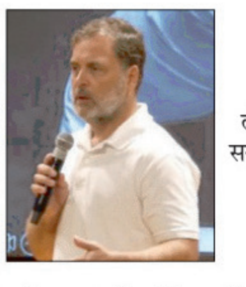

एजेंसी

नई दिल्ली। नीट परीक्षा में पेपर लीक और छात्रों के विरोध प्रदर्शन को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार के सामने तीन प्रमुख मांगें रखीं। राहुल गांधी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि परीक्षा प्रणाली में हुई गड़बड़ियों के लिए जिम्मेदार सभी लोगों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि पूरे घटनाक्रम को लेकर प्रधानमंत्री को देश के छात्रों से माफी मांगनी चाहिए। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मौजूदा शिक्षा व्यवस्था ने गरीब और मध्यम वर्ग के छात्रों का भरोसा तोड़ा है और सरकार उनकी आवाज सुनने के बजाय उन्हें दबाने की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अपने दायित्वों का निर्वहन करने में विफल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार पेपर लीक की घटनाओं के बावजूद शिक्षा मंत्रालय प्रभावी कदम नहीं उठा सका। राहुल ने कहा कि ऐसे में शिक्षा मंत्री को पद छोड़ देना चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि नीट परीक्षा में हुई गड़बड़ियों और छात्रों के खिलाफ कथित बल प्रयोग के लिए जिम्मेदार सभी लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल निचले स्तर पर नहीं, बल्कि आदेश देने वाले और पूरे तंत्र के लिए जिम्मेदार लोगों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए। राहुल गांधी ने कहा कि पूरे मामले की अंतिम जवाबदेही सरकार के शीर्ष नेतृत्व की है। उन्होंने मांग की कि प्रधानमंत्री छात्रों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें और स्वीकार करें कि परीक्षा प्रणाली में गंभीर खामियां रही हैं।

धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें, फिर होगी सांसद में चर्चा: अधीर रंजन का केंद्र सरकार पर हमला

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी के निलंबन, नीट और छात्रों से जुड़े मुद्दों पर संसद में चर्चा, प्रधानमंत्री आवास के बाहर राहुल गांधी के प्रदर्शन को लेकर कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने केंद्र सरकार और भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग दोहराते हुए कहा कि मंत्री के पद पर रहते हुए निष्पक्ष चर्चा संभव नहीं है। तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी के कथित आपत्तिजनक शब्दों और उनके निलंबन पर अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि ऐसा हो सकता है क्योंकि पहले भी इस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने इसे टीएमसी का आंतरिक मामला बताते हुए कहा कि पार्टी के भीतर का विवाद अब सड़क से संसद तक पहुंच गया है।

जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान घायल हुई छात्रा को वेंटिलेटर से हटाया गया: आरएमएल अस्पताल

नई दिल्ली। आरएमएल अस्पताल की ओर से बुधवार को बताया गया कि राजधानी दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन से जुड़ी एक घटना में गंभीर रूप से घायल हुई 21 वर्षीय महिला का डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में इलाज चल रहा था। उसकी हालत में काफी सुधार होने के बाद उसे वेंटिलेटर सपोर्ट से हटा दिया गया है। अस्पताल ने एक बयान में कहा कि मरीज को सफलतापूर्वक वेंटिलेटर से हटा दिया गया है। बयान में कहा गया, 'उन्हें सफलतापूर्वक वेंटिलेटर से हटा दिया गया है और अब वह खुद से सांस ले रही हैं। वह होश में हैं और निर्देशों का सही जवाब दे रही हैं। उनके दिमाग और रीढ़ की हड्डी का एमआरआई नॉर्मल है। अस्पताल के अनुसार, उनकी हालत में उत्साहजनक सुधार के बाद वेंटिलेटर सपोर्ट हटाने का फैसला लिया गया।

बयान में कहा गया कि इलाज शुरू होने के बाद से उनकी क्लिनिकल हालत में लगातार सुधार हो रहा है और इलाज करने वाली टीम की कड़ी निगरानी में उन्हें पूरी मेडिकल देखभाल मिल रही है। अस्पताल ने कहा कि महिला को जरूरी इलाज और लगातार निगरानी दी जा रही है।

दिल्ली मेट्रो के बंद किए सभी स्टेशन खोले गए

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन के बाद बंद किए गए सभी 16 मेट्रो स्टेशन खोल दिए हैं। यह निर्णय राजधानी में कानून व्यवस्था बनाए रखने और भीड़ को नियंत्रित करने के उद्देश्य से लिया गया था। सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए मेट्रो प्रशासन ने यह कदम उठाया था। यात्रियों के लिए बंद कर दिया था। यह कदम अगले निर्देशों तक प्रभावी था। मेट्रो प्रशासन ने यात्रियों से सहयोग की अपील की थी। यात्रियों को इन मार्गों से यात्रा करने से बचने की सलाह भी दी गई थी। दिए गए थे। यह निर्णय विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लिया गया था। इसका उद्देश्य राजधानी में कानून व्यवस्था बनाए रखना था। साथ ही, भीड़ को नियंत्रित करना भी एक प्रमुख लक्ष्य था।

उद्धव ठाकरे से मिले अरविंद केजरीवाल, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे से सांसद संजय राउत के आवास पर मुलाकात की। साथ ही उन्होंने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। बैठक के बाद आयोजित संयुक्त पत्रकार वार्ता में अरविंद केजरीवाल ने परीक्षा प्रणाली, नीट पेपर लीक और युवाओं के आंदोलन को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने उद्धव ठाकरे के साथ देश के मौजूदा मुद्दों, युवाओं के राष्ट्रव्यापी आंदोलन पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर पर देशभर से आए युवा अपने भविष्य को लेकर चिंतित, नाराज और निराश हैं। उन्होंने बताया कि वह मंगलवार को जंतर-मंतर गए थे और बाद में उद्धव ठाकरे ने भी प्रदर्शनकारियों और उनके प्रतिनिधियों से मुलाकात की।

सीएम चंद्रबाबू नायडू ने पीएम नरेंद्र मोदी से की मुलाकात

भोगापुरम एयरपोर्ट के उद्घाटन के लिए दिया न्योता

एजेंसी

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री को भोगापुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया। नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू और टीडीपी संसदीय दल के नेता लावू श्रीकृष्ण देवरायलु के साथ मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। चंद्रबाबू नायडू ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मुझे उन्हें आंध्र प्रदेश के भोगापुरम स्थित अल्लूरी सीताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन के लिए आमंत्रित करने का अवसर मिला।'

> • 'पीएम नरेंद मोदी नेतृत्व में भारत 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि महान स्वतंत्रता सेनानी अल्लूरी सीताराम राजू के नाम पर बने इस हवाई अड्डे के जरिए उनके साहस, त्याग और देशभक्ति को सम्मान दिया गया है। टीडीपी अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी और सुधारों पर आधारित नेतृत्व में भारत के

नागरिक उड्डयन क्षेत्र में बड़ा बदलाव आया है। चंद्रबाबू नायडू ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी का हवाई यात्रा को आसान और सस्ता बनाने का विजन लाखों लोगों का हवाई सफर करने का सपना पूरा कर रहा है। भोगापुरम हवाई अड्डे के शुरू होने से उत्तर आंध्र के विकास को नई रफ्तार मिलेगी।

नड्डा बोले-राहुल बताएं कांग्रेस सरकारों में पेपर लीक क्यों हुए: सदन में चर्चा के लिए तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने बुधवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए राहुल के आरोपों का जवाब दिया। नड्डा ने कहा- राहुल बताएं जब कांग्रेस सरकारों में पेपर लीक होते हैं तब वे सवाल क्यों नहीं उठाते। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा बुधवार को मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि पेपर लीक जैसे मुद्दों और छात्रों के आंदोलन का राजनीतिकरण न हो। जेपी नड्डा ने राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पेपर लीक का मुद्दा जांच का विषय है। जेपी नड्डा ने कहा, 'विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारतीय संसद में एक प्रस्तुति दी, जिसमें उन्होंने लगभग 150 दस्तावेज लीक का जिक्र किया। यह जांच का विषय है। एक जिम्मेदार सरकार होने के नाते, निश्चित रूप से इसकी जांच करेगी और जनता और राष्ट्र के सामने सच्चाई पेश करेगी।' उन्होंने बताया कि जम्मू-कश्मीर में सर्विस सेलेक्शन बोर्ड की परीक्षा में पेपर लीक हुआ, जहां पर नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस की सरकार है। इसी तरह से हिमाचल प्रदेश में राज्य के स्कूल एग्जामिनेशन बोर्ड में पेपर लीक हुआ, जहां कांग्रेस की सरकार है। झारखंड में जेएसी में हिंदी और विज्ञान के पेपर लीक हुए, वहां झारखंड मुक्ति मोर्चा-कांग्रेस की सरकार है। तेलंगाना में इंटरमीडिएट के लैंग्वेज और एसएससी में लैंग्वेज के पेपर लीक हुए, वहां पर कांग्रेस और सीपीआई के समर्थन वाली सरकार है। जेपी नड्डा ने कहा, 'हम हमेशा से चाहते थे कि इस (पेपर लीक) मामले पर संसद में चर्चा हो। चाहे अल्पकालिक चर्चा हो या दीर्घकालिक, कार्य सलाहकार समिति में, आप तय करें कि कितना समय लेना है। आप 12 घंटे ले सकते हैं, आप 18 घंटे ले सकते हैं। राज्यसभा में सदन के नेता के रूप में, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि विपक्ष जितने घंटे की चर्चा चाहे, हम उसके लिए तैयार हैं।'

राज्यसभा में हंगामा, सरकार बोली- हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान मंगलवार को राज्यसभा में नीट पेपर लीक को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। बुधवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही हंगामा शुरू हो गया। दोपहर बाद कार्यवाही शुरू होने पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार शुरू से ही नीट पेपर लीक सहित हरेक मुद्दे पर संसद में चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरकार चर्चा के लिए तैयार है तो विपक्ष नारेबाजी कर सदन की कार्यवाही क्यों बाधित कर रहा है।

राम मंदिर ट्रस्ट सख्त: एसबीआई पर उठाए सवाल, प्रवक्ता नियुक्त होगा

• सीईओ चयन को मिला एक माह का और समय

एजेंसी

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट की बुधवार को हुई न्यासी मंडल की बैठक में चढ़ावा राशि की गणना में सामने आई अनियमितताओं, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की भूमिका, मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के चयन, मंदिर प्रबंधन और श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को लेकर कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। ट्रस्ट ने एसबीआई की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए वित्त समिति को बैंक के साथ संबंधों और मानक प्रक्रियाओं की समीक्षा के निर्देश दिए। वहीं, समाज के साथ नियमित संवाद के लिए प्रवक्ता नियुक्त करने और पूजा-अर्चना की शुचिता बनाए रखने के लिए धार्मिक समिति के पुनर्गठन का भी निर्णय लिया गया। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री कृष्ण मोहन की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, आषाढ़ शुक्ल नवमी के अवसर पर अयोध्या में आयोजित न्यासी मंडल की बैठक में श्रावण मास के दौरान श्रद्धालुओं की संभावित बढ़ती संख्या को देखते हुए व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। बैठक में चढ़ावा राशि की गणना, न्यासी मंडल के रिक्त पदों की पूर्ति, सीईओ की नियुक्ति प्रक्रिया और मंदिर प्रशासन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। ट्रस्ट ने बताया कि चढ़ावा

राशि की गणना में कथित अनियमितताओं की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) की अंतिम रिपोर्ट अभी प्राप्त नहीं हुई है। इसी कारण इस मुद्दे पर अंतिम निर्णय नहीं लिया जा सका। साथ ही, इस मामले में उच्चतम न्यायालय में लंबित याचिकाओं और न्यायालय के आदेशों का भी संज्ञान लिया गया। बैठक में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ चढ़ावा राशि की गणना के लिए हुए एमओयू की समीक्षा की गई। ट्रस्ट ने कहा कि बैंक की जिम्मेदारियों के निर्वहन में सामने आई त्रुटियों और अनियमितताओं के उजागर होने के बाद बैंक की प्रतिक्रिया अपेक्षित गंभीरता वाली नहीं रही। इस पर न्यासी मंडल ने निराशा व्यक्त करते हुए ट्रस्ट की वित्त समिति को एसबीआई के साथ भविष्य के संबंधों और पूरी कार्यप्रणाली की समीक्षा कर आवश्यक निर्णय लेने के निर्देश दिए। न्यासियों ने मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की सुरक्षा व्यवस्था की भी समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि चढ़ावा राशि की गणना कक्ष सहित सभी कैमरों की निगरानी तक सुरक्षा अधिकारियों की पहुंच पहले से सुनिश्चित है, जिस पर न्यासी मंडल ने संतोष व्यक्त किया। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि भारतीय रिजर्व बैंक के सहायक संस्थान की टकसाल (मिंट) के साथ स्वर्ण एवं रजत चढ़ावे की मात्रा और शुद्धता की जांच की व्यवस्था लगातार जारी रहेगी, ताकि पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनी रहे। मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के चयन के लिए गठित समिति ने बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त होने का हवाला देते हुए चयन प्रक्रिया पूरी करने के लिए एक माह का अतिरिक्त समय मांगा।

अनंतनाग आतंकी हमले के बाद कश्मीर में 1,000 से ज्यादा ओजीडब्लू हिरासत में लिए गए

हेड कॉन्स्टेबल की अनंतनाग में आतंकवादी ने गोली मारकर हत्या कर दी

एजेंसी

अनंतनाग। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग ज़िले में बुधवार को आतंकी हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत के बाद सुरक्षाबलों ने कश्मीर घाटी भर से 1,000 से ज़्यादा ओवर ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्लू) को हिरासत में लिया है। अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन की आज दोपहर करीब 12:30 बजे अनंतनाग के लाल चौक पर एक आतंकवादी ने गोली मारकर हत्या कर दी। हमले के बाद सुरक्षाबलों ने हमलावर का पता लगाने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया और पूरे अनंतनाग शहर की घेराबंदी कर दी। हमले के बाद सुरक्षाबलों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर पूरी घाटी में छापेमारी शुरू की। उन्होंने कहा कि छापेमारी के दौरान 1,000 से ज़्यादा ओजीडब्लू (आतंकी सहयोगी) को हिरासत में लिया गया है। साथ ही अनंतनाग ज़िले सहित कई जगहों पर तलाशी अभियान तेज़ कर दिए गए हैं।

> उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने हमले की निंदा करते हुए इसे कायरतापूर्ण हरकत बताया और पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

पंजाब में ई-चालान को चुनौती दे सकेंगे चालक: परिवहन मंत्री चीमा

कौमी पत्रिका

चण्डीगढ़। ई-चालान संबंधी विवादों के जल्द निपटान के लिए पंजाब के सभी जिलों में जिला शिकायत निवारण सेल स्थापित किए जा रहे हैं। यदि किसी नागरिक को लगता है कि उसका ई-चालान गलत तरीके से जारी किया गया है, तो वह 45 दिनों के भीतर इसे चुनौती दे सकता है। वाहन स्वामी अपने दावे के समर्थन में डैशकैम फुटेज, फोटो, वीडियो क्लिप, गवाहों के बयान व अन्य आवश्यक साक्ष्य जिला शिकायत निवारण सेल के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। यह घोषणा पंजाब के वित्त एवं परिवहन मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने की। मंत्री ने बताया कि नए दिशा-निर्देशों के तहत जहां नागरिकों को गलत ई-चालानों को चुनौती देने के लिए एक पारदर्शी व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है। वहीं, खतरनाक ड्राइविंग, नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने तथा वाहन संबंधी रिकॉर्ड समय पर अपडेट न करने पर भी सख्त दंड का प्रावधान किया गया है। वाहन पंजीकरण संबंधी रिकॉर्ड को अपडेट रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए चीमा ने कहा कि वाहन स्वामियों द्वारा स्वामित्व व पते में परिवर्तन की जानकारी समय पर दर्ज न कराने पर अब सख्त जुर्माना लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि मोटर वाहन अधिनियम के अनुसार पता बदलने की स्थिति में 30 दिनों के भीतर पंजीकरण प्राधिकरण को सूचित करना अनिवार्य है। परिवहन मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने खतरनाक ड्राइविंग को आधिकारिक रूप से गैर-समझौता योग्य (नॉन-कंपाउंडेबल) अपराध घोषित कर दिया है।

शेष पृष्ठ 3 पर

मुंबई में आतंकी साजिश का हुआ खुलासा

-यूपी एटीएस की जांच में आईएसआई कनेक्शन के संकेत

बलरामपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने मुंबई में संभावित आतंकी साजिश का खुलासा करते हुए दावा किया है कि बलरामपुर निवासी शहरोज पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और पाकिस्तानी गैंगस्टरों के संपर्क में था। एटीएस के अनुसार, आरोपी मुंबई में अपना नेटवर्क तैयार कर हिंदूवादी नेताओं और संगठनों को निशाना बनाने की योजना पर काम कर रहा था, जिससे सांप्रदायिक तनाव फैलाया जा सके। जांच एजेंसी का दावा है कि शहरोज को पाकिस्तान के गैंगस्टर शहजाद भट्टी और कथित आईएसआई एजेंट जसवीर चौधरी से निर्देश मिल रहे थे। उसे राजस्थान के श्रीगंगानगर जाकर ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से भेजे जाने वाले हथियार और विस्फोटक प्राप्त करने को कहा गया था। हथियार हासिल करने के बाद उसे मुंबई लौटकर आगे के निर्देश मिलने थे। एटीएस के मुताबिक, आरोपी अभी नेटवर्क के शुरुआती परीक्षण चरण में था, जहां उसकी गोपनीयता और निर्देशों के पालन की क्षमता परखी जा रही थी। जांच एजेंसी अब उसके मोबाइल, सोशल मीडिया अकाउंट, कॉल डिटेल, बैंकिंग रिकॉर्ड, डिजिटल लेनदेन और विदेशी संपर्कों की फोरेंसिक जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि उसे विदेश से आर्थिक सहायता मिल रही थी या नहीं। पूरे मामले की जांच जारी है।

राहुल गांधी से जुड़े आय से अधिक संपत्ति मामले में हाईकोर्ट सख्त

-सीबीआई के हलफनामे पर जताई नाराजगी, विस्तृत प्रगति रिपोर्ट तलब

लखनऊ (एजेंसी)। ,(ईएमएस)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के आरोपों की जांच से जुड़े मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के हलफनामे पर नाराजगी जताई है। अदालत ने कहा कि हलफनामा पूर्व आदेश के अनुरूप नहीं है और इससे जांच की वास्तविक स्थिति स्पष्ट नहीं होती। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति आर.एस. चौहान और न्यायमूर्ति बी.आर. सिंह की पीठ कर्नाटक निवासी एस. विग्नेश शिशिर की याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जांच कराने की मांग की गई है। अदालत ने सीबीआई मुख्यालय के संयुक्त निदेशक अथवा संबंधित जोन प्रमुख को स्वयं शपथपत्र दाखिल कर अगली सुनवाई तक विस्तृत प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। वहीं, ईडी के हलफनामे पर अदालत ने संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि एजेंसी ने आवश्यक प्रारंभिक कार्रवाई की है। अदालत ने कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, वित्त मंत्रालय, कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय और एसएफआईओ को भी चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 20 अगस्त को होगी।

भारी बारिश से उत्तराखंड में 142 सड़कें प्रभावित, कई जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी

देहरादून (एजेंसी)। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने उत्तराखंड के कई जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग ने राज्य के कई अन्य हिस्सों में आंधी-तूफान, बिजली गिरने और भारी बारिश का भी अनुमान लगाया है। आईएमडी के मुताबिक मौजूदा मौसम की स्थिति 25 जुलाई तक बनी रहने की उम्मीद है। बुधवार को राज्य के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, नैनीताल, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। वहीं, राज्य के सभी जिलों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ बिजली चमकने और तीव्र से अति तीव्र बारिश का अनुमान है। विभाग ने आशंका जताई है कि संवेदनशील इलाकों में हल्के से मध्यम भूस्खलन और चट्टान गिरने की घटनाएं हो सकती हैं। इसके अलावा, पहाड़ी क्षेत्रों में कहीं-कहीं सड़कों और राजमार्गों में अवरोध हो सकता है। कहीं-कहीं नालों और नदियों का अतिप्रवाह भी हो सकता है। पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश से देहरादून में तापमान में काफी गिरावट आई है। तेज बारिश के कारण नाले उफान पर आ गए, जिससे कई सड़कों पर जलभराव हो गया, जबकि कई इलाकों में घरों में पानी घुस गया। सड़कों पर पानी भरने और खराब ड्राइविंग स्थितियों के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश का असर उत्तराखंड के अन्य इलाकों में भी देखा गया, जहां मौसम संबंधी दिक्कतों के कारण मंगलवार को 142 सड़कें बंद कर दी गई थीं। शाम तक अधिकारी इनमें से 54 सड़कों पर यातायात बहाल करने में सफल रहे।

यमुना में 5 किलोमीटर तक हजारों मृत मछलियां, कानपुर देहात में दहशत

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर देहात में यमुना नदी के करीब पाँच किलोमीटर लंबे हिस्से में हजारों मृत मछलियां मिलने से हड़कंप मच गया। नयापुरवा से मनकी पक्के घाट और क्योंटरा तक नदी किनारे बिछी मछलियों को देखकर ग्रामीणों में दहशत फैल गई। यह घटना पानी की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने पहले इतनी बड़ी संख्या में मछलियों को मरते नहीं देखा। कुछ मछलियां पानी में तड़पती भी दिखाई दीं। हालांकि, कुछ ग्रामीण मृत मछलियों को अपने घरों में भी ले गए, जिस पर विशेषज्ञों ने स्वास्थ्य जोखिम की चेतावनी दी है। प्रदूषित या रसायनयुक्त पानी से मरी मछलियों का सेवन गंभीर विषाक्तता का कारण बन सकता है। प्रारंभिक जांच में आशंका है कि ऊपरी क्षेत्रों से आए प्रदूषित या रसायनयुक्त पानी और नदी में बीओडी (बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड) के स्तर में वृद्धि इसकी मुख्य वजह है। जिला कार्यकारी अधिकारी (मत्स्य) रमाकांत निरंजन ने बताया कि बीओडी बढ़ने से घुलित ऑक्सीजन की मात्रा कम हो जाती है, जिससे मछलियों को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती और उनकी मौत हो जाती है। क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी मनोज चौरसिया ने इसकी पुष्टि की कि बारिश के दौरान नदी में सिल्ट और अपशिष्ट पदार्थ बहकर आते हैं, जो जलीय जीवों को प्रभावित करते हैं। उन्होंने बताया कि घटनास्थल के आसपास कोई औद्योगिक इकाई नहीं है, इसलिए प्रदूषित पानी ऊपरी क्षेत्रों से ही आया होगा। नदी के किनारों पर कम जलस्तर और पानी के ठहराव से हानिकारक तत्वों का प्रभाव बढ़ गया हो सकता है। पानी के नमूनों को जांच के लिए भेजा गया है और रिपोर्ट आने के बाद ही मछलियों की मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट हो पाएगा।

नमाज के लिए जगह भोजशाला से 2 किमी दूर क्यों? सुप्रीम कोर्ट ने मांगा जवाब

–मामले को लेकर मुस्लिम पक्ष की याचिका पर शुक्रवार को होगी सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की उस याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करने पर सहमति जताई, जिसमें कहा गया था कि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा नमाज़ पढ़ने के लिए चुनी गई वैकल्पिक जगह, धार में विवादित भोजशाला परिसर से बहुत दूर है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी मोहना की बेंच ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि वे राज्य सरकार से इस बारे में निर्देश लें कि क्या विवादित परिसर के पास नमाज पढ़ने के लिए कोई वैकल्पिक जगह दी जा सकती है। मुस्लिम पक्ष की ओर से पेश हुए सीनियर वकील हुज़ैफा अहमदी ने कोर्ट को बताया कि कोर्ट ने पहले राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वह भोजशाला के पास नमाज के लिए खुली जगह उपलब्ध कराए। हालांकि उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने जो जमीन चुनी है, वह लगभग 2 किलोमीटर दूर है। वकील अहमदी ने कहा कि आदेश यह था कि जमीन भोजशाला साइट के पास होनी चाहिए। शुक्रवार की नमाज के लिए जो जमीन दी गई है, वह 2 किलोमीटर दूर है। हम पहले ही शुक्रवार की नमाज नहीं पढ़ पाए हैं। मध्य प्रदेश सरकार की ओर से पेश होते हुए वकील ने कहा कि वैकल्पिक जगह विवादित परिसर से करीब 900 मीटर दूर थी। हालांकि, उन्होंने बेंच को भरोसा दिलाया कि वह खुद इस मामले की जांच करेंगे और जरूरत पड़ने पर उचित कदम उठाएंगे। जस्टिस बागची ने कहा कि कोर्ट के पिछले आदेश का अक्षरशः और उसकी भावना के अनुरूप पालन किया जाना चाहिए। इसके बाद पीठ ने मामले की सुनवाई शुक्रवार को तय की और सॉलिसिटर जनरल को नमाज अदा करने के लिए निकटवर्ती स्थल उपलब्ध कराने के संबंध में राज्य सरकार से निर्देश लेने को कहा। बता दें 14 जुलाई को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के उस फैसले के विरुद्ध मुस्लिम पक्ष की अपीलों की सुनवाई करते हुए, जिसमें विवादित भोजशाला परिसर को देवी सरस्वती का मंदिर घोषित किया गया था, पीठ ने राज्य सरकार को मामले के अंतिम निर्णय तक विवादित स्थल के निकट शुक्रवार की नमाज दोपहर 1 बजे से 3 बजे के बीच अदा करने के लिए एक अलग खुला स्थान उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। अब इस मामले की सुनवाई शुक्रवार को वैकल्पिक प्रार्थना स्थल के मुद्दे पर होगी।

विपक्ष की आवाज दवा सरकार संसद में चर्चा से बच रही : रामगोपाल यादव

-सपा सांसद ने सदन के गतिरोध और राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव ने संसद में जारी गतिरोध को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सरकार किसी भी महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा कराने की इच्छुक नहीं है। उन्होंने कहा कि जैसे ही कोई विपक्षी सांसद अपनी बात रखने के लिए खड़ा होता है, कुछ ही मिनटों में सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी जाती है, जिससे लोकतांत्रिक संवाद प्रभावित हो रहा है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान सपा सांसद रामगोपाल यादव ने कहा कि यदि सरकार चर्चा के लिए तैयार होती तो संसद में बार-बार हंगामे की नौबत नहीं आती। उनका आरोप था कि सुबह से शाम तक सदन की कार्यवाही बार-बार स्थगित किए जाने से यह स्पष्ट हो जाता है कि सरकार विपक्ष की बात सुनने से बच रही है। उन्होंने कहा कि पूरा विपक्ष इस मुद्दे पर एकजुट है और लोकतांत्रिक परंपराओं की रक्षा के लिए अपनी आवाज उठाता रहेगा।

रामगोपाल यादव ने राम मंदिर चढ़ावा विवाद पर भी सवाल उठाते हुए दान राशि के प्रबंधन में पूरी पारदर्शिता की मांग की। उन्होंने कहा कि राम मंदिर आंदोलन के दौरान देशभर के लोगों ने श्रद्धापूर्वक योगदान दिया था। उनके अनुसार, महिलाओं ने अपने गहने तक दान किए और विभिन्न समुदायों के लोगों ने मंदिर निर्माण के लिए आर्थिक सहयोग दिया। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट होना चाहिए कि चंदे में मिली राशि कब और किस प्रकार बैंकों में जमा हुई तथा उसका पूरा लेखा-जोखा सार्वजनिक किया जाए।

मंदिरों की दान प्रक्रिया पारदर्शी हो

उन्होंने तिरुपति मंदिर की व्यवस्था का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां दान प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है और रसीदें जारी की जाती हैं। उनका मानना है कि राम मंदिर से जुड़े चंदे के मामले में भी ऐसी ही व्यवस्था अपनाई जानी चाहिए।

दादा, भले ही आज आप मेरे साथ नहीं हैं, मेरी जिंदगी के साथी को सलाम

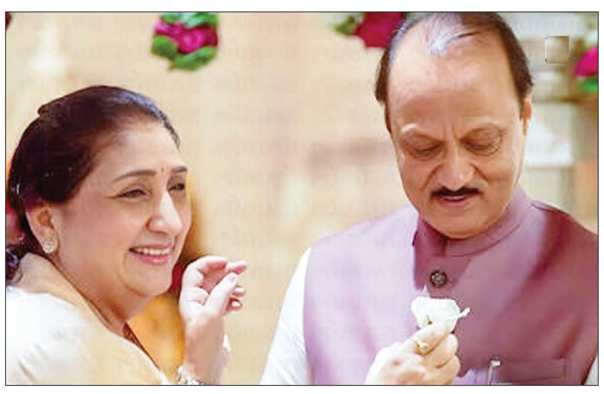

-अजित पवार की जयंती पर पत्नी सुनेत्रा पवार ने किया भावुक पोस्ट

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की जयंती पर उनकी पत्नी और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट किया। सुनेत्रा पवार ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- दादा, कई सालों से मैंने आपका जन्मदिन इतनी खुशी, जोश और गर्व के साथ मनाया। घर और परिवार खुशियों से भर जाता, चारों ओर दुआओं की बारिश होती लेकिन आज आपकी जयंती मनाते हुए मेरा दिल पूरी तरह टूट रहा है। आज भी मेरा दिल इस कड़वी सच्चाई को मानने से इनकार करता है।

सुनेत्रा ने आगे लिखा- दादा, मेरी जिंदगी के हर मोड़ पर आप मेरी सबसे बड़ी ताकत बनकर मेरे साथ खड़े रहे। आपका वह मजबूत सहारा, मुश्किल समय में पीठ थपथपाना और आपका साथ, आज यह सब अचानक गायब हो गया है। सब कुछ एकदम खाली सा लग रहा है, मुझे यकीन ही नहीं हो रहा। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि समय मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा सहारा इतनी जल्दी छीन लेगा। उन्होंने लिखा- आज, जब मैं आपका यह जन्मदिन मना रही हूं, तो मेरा दिल दर्द से भर गया है; मेरी आंखों के आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे। दादा, भले ही आज आप मेरे साथ नहीं हैं लेकिन आपकी सोच, आपकी यादें, लोगों के प्रति आपकी सेवा की भावना, आपका अनुशासन और आपका दिया हुआ प्यार हमेशा मेरी हर सांस में, मेरे होने के हर रेशे में जिंदा रहेगा। मेरी जिंदगी के साथी को, आपकी पवित्र यादों को, दिल से और इज्जत से सलाम!

बता दें महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजीत पवार और जय अजीत दादा पवार ने दिवंगत नेता अजीत पवार की जयंती के मौके पर आधी रात को बारामती के विद्या प्रतिष्ठान कैंपस में उनके मेमोरियल पर फूल चढ़ाए। उन्होंने महाराष्ट्र के विकास में उनके योगदान, उनकी समाजसेवा और लोगों की भलाई के लिए उनके समर्पण को याद किया। उन्होंने कहा कि अजीतदादा पवार की दृष्टि, विकास पर फोकस करने वाला नेतृत्व और समाजसेवा की विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

काले कपड़े पहन संसद पहुंचे सांसदों ने किया जोरदार प्रदर्शन

–पेपर लीक और शिक्षा की बदहाली को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर अड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर निकाले गए संसद तक मार्च में छात्रों के साथ की गई बर्बरता के विरोध में बुधवार सुबह प्रमुख विपक्ष के सांसद काले लिवास पहन संसद पहुंचे। संसद परिसर में विपक्षी सांसदों ने काले कपड़े में जोरदार प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी और प्रियंका गांधी समेत अखिलेश यादव व अन्य विपक्षी सांसद नारे लगाते नजर आए।

संसद के मानसून सत्र के पहले दिन से ही पेपर लीक और शिक्षा मंत्री का इस्तीफा वाला मुद्दा गूंज रहा है। विपक्ष ने संसद तक मार्च के दौरान युवाओं पर की गई पुलिस कार्रवाई को लेकर सरकार को घेरा है। मंगलवार को पीएम आवास के करीब कांग्रेस के धरने के दौरान राहुल गांधी समेत अन्य नेताओं को हिरासत में लिया गया और कुछ समय बाद उन्हें छोड़ दिया गया। इसके बाद यह प्रदर्शन दिल्ली के साथ-साथ अन्य राज्यों तक पहुंच गया है। जगह-जगह लोग प्रदर्शन कर गिरफ्तारियां दे रहे हैं। इसे देखते हुए बुधवार सुबह सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के तौर पर अनेक सांसद काले लिवास में संसद पहुंचे हैं और प्रदर्शन किया है।

संसद के मानसून सत्र में यह मुद्दा लगातार गूंजा है। विपक्ष पेपर लीक के साथ ही देश की बिगड़ी शिक्षा व्यवस्था को लेकर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अड़ा है। इसके अलावा अब प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस की बर्बर कार्रवाई को लेकर सरकार को घेर रहा है। बताया जा रहा है कि इस कारण दिल्ली के बाहर भी प्रदर्शन तेज हो गए हैं। अनेक प्रमुख शहरों से प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिए आने की सुचनाएं आ रही हैं।

अच्छी बारिश के लिए कराई गधों की शादी, बैंड-बाजों से निकाली बारात

-आंध्र प्रदेश के कई इलाकों में मानसून की धीमी रफ्तार से किसान चिंतित

अनंतपुर (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के कई इलाकों में मानसून की धीमी रफ्तार ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में नमी की कमी और समय पर बारिश न होने से फसलों पर संकट गहराने लगा है। ऐसे हालात में अनंतपुर जिले के कुर्लापल्ली गांव के लोगों ने अच्छी बारिश की कामना के लिए एक अनोखी परंपरा निभाई, जिसने सोशल मीडिया पर भी लोगों का ध्यान खींचा। गांव वालों ने पूरे रीति-रिवाज और पारंपरिक रस्मों के साथ दो गधों का विवाह कराया। गांव वालों का मानना है कि सालों से चली आ रही इस लोक परंपरा को निभाने से प्रकृति मेहरबान होती है और अच्छी बारिश का आशीर्वाद मिलता है। उनके लिए यह केवल एक रस्म नहीं, बल्कि कठिन समय में उम्मीद और आस्था का प्रतीक है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वायरल वीडियो में दोनों गधों को दूल्हा-दुल्हन की तरह रंग-बिरंगे कपड़ों, फूलों की मालाओं से सजाया। इसके बाद ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच पूरे गांव में उनकी बारात निकाली। रास्ते में लोग बारात का स्वागत करते नजर आए। कई घरों के सामने महिलाओं ने पानी अर्पित कर अच्छी बारिश और भरपूर फसल की कामना की है। गांव के मंदिरों में भी विशेष पूजा-अर्चना की गई ताकि जल्द बारिश हो और सूखे की स्थिति से राहत मिल सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि पीढ़ियों से किसान सूखे जैसे हालात में इस तरह के धार्मिक और सांस्कृतिक अनुष्ठान करते आए हैं।

इस साल दक्षिण-पश्चिम मानसून की कमजोर प्रगति ने आंध्र प्रदेश के कई जिलों में खेती को प्रभावित किया है। मौसम विभाग के मुताबिक अनंतपुर सहित कुछ क्षेत्रों में सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई है। इसका असर खरीफ की बुवाई और फसलों की बढ़वार पर भी देखने को मिल रहा है। पर्याप्त बारिश न होने के कारण किसानों को उत्पादन घटने और आर्थिक नुकसान की चिंता सता रही है। यह खबर वायरल वीडियो पर आधारित है। ऐसे समय में यह अनोखा आयोजन सिर्फ एक परंपरा नहीं, बल्कि उन किसानों की भावनाओं और उम्मीदों की झलक भी है, जिनकी आजीविका पूरी तरह बारिश पर निर्भर करती है।

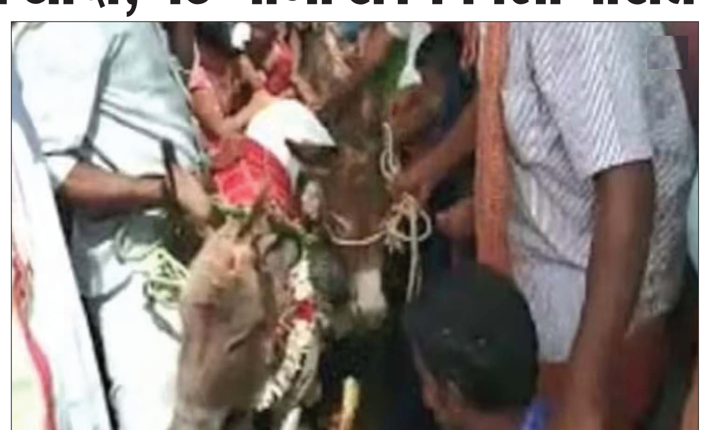

सीएम थलपति ने कहा- नीट परीक्षा पूरी तरह खत्म करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में धांधली और पेपर लीक के आरोपों को लेकर विरोध का माहौल बना हुआ है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक महीने से जारी प्रदर्शनों के बीच तमिलनाडु में तमिल सिनेमा के दिग्गज अभिनेता थलपति विजय की राजनीतिक पार्टी तमिझगा वेत्री कज़गम (टीवीके) ने नीट परीक्षा पर बेहद कड़ा रुख अपनाया है। पार्टी ने मांग की है कि केवल परीक्षा में धांधली रोकना ही काफी नहीं है, बल्कि नीट प्रवेश परीक्षा को हमेशा के लिए पूरी तरह समाप्त कर दिया जाना चाहिए।

छात्रों के भविष्य और राज्यों के संवैधानिक अधिकारों की वकालत करते हुए टीवीके ने शिक्षा नीति में बड़े बदलाव का प्रस्ताव रखा है। पार्टी का मानना है कि इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए शिक्षा को संविधान की समवर्ती सूची से हटाकर राज्य सूची में हस्तांतरित किया जाना चाहिए। पार्टी नेताओं ने स्पष्ट किया कि यदि इसमें कोई कानूनी बाधा आती है, तो एक अंतरिम उपाय के तहत विशेष समवर्ती सूची बनाई जानी चाहिए, ताकि राज्य सरकारों को अपनी मेडिकल शिक्षा और प्रवेश प्रक्रिया पर पूर्ण नियंत्रण मिल सके। पार्टी के अनुसार, यह दृष्टिकोण उनके नेता विजय द्वारा पहले ही रेखांकित किया जा चुका है।

इस राजनीतिक हलचल के बीच टीवीके ने राज्य की सत्ताधारी पार्टी डीएमके पर भी निशाना साधा। पार्टी ने आरोप लगाया कि वे चुनावों के दौरान नीट को रद्द करने के झूठे वादे करके जनता और छात्रों के साथ धोखे की राजनीति नहीं करते। गौरतलब है कि 2021 के विधानसभा चुनावों में डीएमके ने सत्ता में आने पर राज्य में नीट समाप्त करने का आश्वासन दिया था।

इसके अलावा, थलपति विजय ने नीट के विरोध में प्रदर्शन करने वाले प्रसिद्ध रैपर थेरुकुरल अरिवु से भी मुलाकात की। अरिवु ने नीट परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर राज्य सचिवालय के बाहर धरना दिया था। शुरुआत में पुलिस द्वारा हटाए जाने के बाद, मुख्यमंत्री के निर्देश पर अरिवु को सचिवालय के भीतर लाया गया, जहां विजय ने उनसे भेंट की। इस मुलाकात के दौरान अरिवु ने राष्ट्रीय स्तर की इस परीक्षा को लेकर अपनी गंभीर चिंताएं व्यक्त कीं। तमिलनाडु सरकार लंबे समय से मांग करती रही है कि राज्य के मेडिकल कॉलेजों में दाखिला 12वीं कक्षा के अंकों के आधार पर ही होना चाहिए।

असम में बाढ़ से 21 लोगों की मौत, कई गांव डूबे, 5.64 लाख लोग प्रभावित

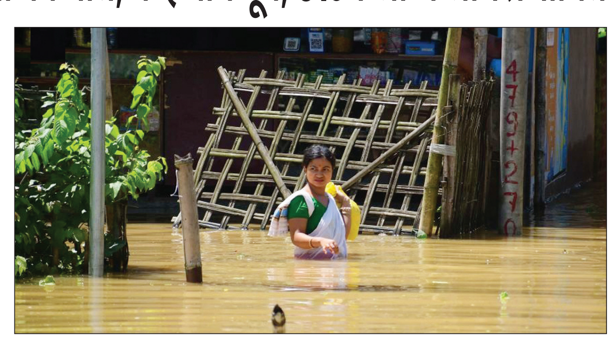

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में बाढ़ से पिछले 24 घंटों में 21 और लोगों की मौत हो गई, जबकि राज्य के 16 जिलों में 5.64 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। यह जानकारी एएसडीएमए ने देर रात जारी बुलेटिन में दी। बुलेटिन के मुताबिक सबसे ज्यादा प्रभावित शिवसागर जिले में 13 लोगों की मौत हुई है। चराइदेव में पांच, गोलाघाट में दो और जोरहाट में एक व्यक्ति की जान गई। इसके साथ ही इस साल राज्य में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 31 हो गई है। सीएम हिमंत विश्वा सरमा ने कहा कि वह बुधवार से बाढ़ प्रभावित जिलों का दौरा कर राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट में एएसडीएमए के हवाले से बताया गया है कि बाढ़ से गोलाघाट, कामरूप, होजाई, डिब्रूगढ़, बिश्वनाथ, धेमाजी, सोनितपुर, उदालगुड़ी, नगांव, चराइदेव, कामरूप (मेट्रो), जोरहाट, तिनसुकिया, कार्बी आंगलोंग, लखीमपुर और शिवसागर सहित 16 जिलों में 5,64,600 से अधिक लोग प्रभावित हैं। सोमवार को 15 जिलों में प्रभावित लोगों की संख्या 3.63 लाख से ज्यादा थी। बुलेटिन के मुताबिक 44 राजस्व मंडलों के 872 गांव अब भी जलमग्न हैं। सबसे ज्यादा 3,59,535 लोग शिवसागर जिले में प्रभावित हैं। इसके बाद जोरहाट में 87,662 और चराइदेव में 72,646 लोग बाढ़ से प्रभावित हैं. राज्य में फिलहाल 71 राहत शिविर संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें 12,284 विस्थापित लोगों को ठहराया है। इसके अलावा 202 राहत वितरण केंद्र भी संचालित किए जा रहे हैं।

सिंधु जल समझौते पर भारत का रुख और सख्त: बहाली से इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिंधु जल समझौते को लेकर भारत ने अपना रुख और कड़ा कर लिया है। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि यह समझौता अब अपने मौजूदा स्वरूप में लागू नहीं रहेगा। सीमा पार आतंकवाद को पाकिस्तान द्वारा लगातार दिए जा रहे समर्थन के विरोध में भारत ने साफ कर दिया है कि पुरानी शर्तों और व्यवस्था के तहत अब कोई बातचीत या समझौता संभव नहीं है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, यद्यपि भारत फिलहाल विश्व बैंक की मध्यस्थता से 1960 में हुई इस संधि से पूरी तरह बाहर निकलने पर तुरंत विचार नहीं कर रहा है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में इसे जारी रखना अपने राष्ट्रीय हित में नहीं मानता।

पिछले साल पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने इस समझौते को स्थगित कर दिया था। अब भारत का कहना है कि भविष्य में यदि नदियों के जल बंटवारे पर कोई व्यवस्था बनती भी है, तो वह बिल्कुल नए ढांचे और नई शर्तों के तहत होगी। यद्यपि सिंधु जल समझौते में बाहर निकलने का कोई सीधा एग्जिट क्लॉज नहीं है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय प्रथागत कानूनों के तहत यदि कोई एक पक्ष समझौते या सुरक्षा माहौल का गंभीर उल्लंघन करता है, तो दूसरा देश संधि को आंशिक या पूर्ण रूप से निलंबित कर सकता है। पाकिस्तान का सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देना भारत के लिए एक गंभीर उल्लंघन है। भारत का स्पष्ट मानना है कि एक संप्रभु राष्ट्र होने के नाते उसे ऐसी किसी संधि में बने रहने के लिए विवश नहीं किया जा सकता, जो देश के हितों के खिलाफ हो।

दूसरी ओर, पाकिस्तान इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाकर खुद को पीड़ित के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान का आरोप है कि भारत के इस फैसले से उसके नागरिकों की जल सुरक्षा पर संकट खड़ा हो गया है। हालांकि, भारतीय अधिकारियों का मानना है कि पाकिस्तान की असल समस्या पानी की उपलब्धता नहीं, बल्कि उसका खराब जल प्रबंधन और बुनियादी ढांचे में निवेश न करना है। संधि निलंबित होने के बावजूद भारत मानवीय आधार पर पाकिस्तान को बाढ़ से जुड़ी चेतावनियां और डेटा साझा कर रहा है। नई दिल्ली ने साफ कर दिया है कि संधि का निलंबन तब तक जारी रहेगा जब तक कि पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद पर पूरी तरह और भरोसेमंद तरीके से रोक नहीं लगा देता।

पंजाब में ई-चालान को चुनौती दे सकेंगे चालक: परिवहन मंत्री चीमा

प्रथम पृष्ठ का शेष

ऐसे मामलों का निपटारा मौके पर केवल जुर्माना भरकर नहीं किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि मोटर वाहन अधिनियम की धारा 184 के अंतर्गत आने वाले अपराध, जैसे लालबत्ती पार करना, स्टॉप साइन की अनदेखी करना, यातायात की निर्धारित दिशा के विपरीत वाहन चलाना व शराब या नशीले पदार्थों के प्रभाव में वाहन चलाना, अब सख्त कानूनी कार्रवाई के दायरे में आएंगे। मंत्री के अनुसार, ऐसे मामलों में किसी प्रकार की रियायत या समझौते की कोई गुंजाइश नहीं होगी। उन्होंने कहा, यदि कोई नाबालिग वाहन चलाते हुए अपराध करता है तो उसके माता-पिता, अभिभावक अथवा वाहन मालिक को उत्तरदायी माना जाएगा। ऐसे मामलों में भारी जुर्माना लगाया जाएगा, वाहन का पंजीकरण तत्काल निरस्त किया जा सकता है। संबंधित नाबालिग को 25 वर्ष की आयु तक ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने के लिए अयोग्य घोषित किया जाएगा। सड़क अनुशासन को मजबूत बनाने और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए वित्त एवं परिवहन मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि इन नई अधिसूचित व्यवस्थाओं का उद्देश्य पूरे राज्य में यातायात कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे सड़क पर चलते समय यातायात नियमों और कानूनी प्रावधानों का पूरी जिम्मेदारी और ईमानदारी से पालन करें।

बरामदे में सो रही महिला से जेठ ने किया दुष्कर्म

फर्रुखाबाद। कायमगंज कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की महिला ने अपने जेठ पर तमंचे से धमकाकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया। महिला ने कोर्ट के आदेश पर जेठ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। क्षेत्र के एक गांव की महिला ने न्यायालय में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसके पति की छह वर्ष पहले मृत्यु हो चुकी है। जेठ की पत्नी की भी करीब एक वर्ष पहले मौत हो गई थी। इसके बाद जेठ उस पर साथ रहने का दबाव बनाने लगे। 27 अप्रैल की रात वह घर के बरामदे में सो रही थी, तभी जेठ तमंचा लेकर पहुंचा और उसे दबोचकर दुष्कर्म किया। विरोध करने पर डंडे से मारपीट की और चिल्लाने पर जान से मारने की धमकी दी।

टेनफ़ा: एक मौन होती आवाज पर बोलती फिल्म

-चन्द्रकान्त पाराशर, कला-समीक्षक

एक लंबे अंतराल के बाद मात्र 30 मिनट अवधि की एक आंचलिक लघु-फिल्म टेनफ़ादेखने का अवसर मिला। एक लोक गीत को आधार बना कर फिल्म भारत के राज्य हिमाचल प्रदेश के जनजातीय क्षेत्र में बसे किन्नौर जिले की आंचलिकता व उस में वर्षों से रचे-बसे जीवन-यापन, उसकी पद्धतियों पर दस्तक देती हुई प्रतीत होती है। टेनफ़ा का मतलब है औषधीय पौधे के रूप में दिया या लिया गया उपहार । फिल्म में दाई माँ डोलमा कंदार नामक गाँव जाती है ताकि वहाँ 10 साल बाद होने वाले पहले बच्चे के जन्म में मदद कर सके। जब बच्चे के जन्म में जटिलताएँ आती हैं और कोई मेडिकल सुविधा उपलब्ध नहीं होती, तो नई माँ की जान बचाने के लिए डोलमा के पास एकमात्र उम्मीद एक दुर्लभ स्थानीय जड़ी-बूटी को खोजना रह जाता है, जिसके बारे में आम विश्वास है कि वह ठीक करने की शक्ति रखती है। इस पौधे की पहचान करने वाली एक बुजुर्ग दादी हैं जो अपनी पोती को पाल रही हैं। ये तीनों महिलाएँ उस जड़ी-बूटी की तलाश में अपनी पुश्तैनी पहाड़ी ज़मीन का दौरा करती हैं; इस कार्य में उनका एकमात्र गाइड एक लोकगीत है जो ऐसी भाषा में है जिसे डोलमा भूल चुकी हैं और उनकी पोती ने कभी सीखा ही नहीं। इस लघु फिल्म के लोकगीत में बताया गया है कि पौराणिक काल में देवी जी और राक्षसों के बीच ल?ाई हुई थी जिसमें देवी जी ?ख्मी हुई थी तो इलाज इस फूल के ज? से हुआ था हालांकि दादी इस गाने को पूरी तरह से नहीं समझ पा रही थी (क्योंकि यह गीत किन्नौर-क्षेत्र की ही किसी और बोली में था, यहाँ कई बोलियाँ बोली जाती हैं) जिसकी वजह से वह चिकित्सकीय-फूल ढूँढना मुश्किल हो रहा था। इत्ति ने इस गाने को ऑनलाइन ब्रॉडकास्ट करके इस गाने को समझने में दूसरे लोगो की मदद ली । गाने में आगे बताया गया है कि यह फूल किसी गुफा में है और देवी जी की हालत देख कर माउण्टेन स्पिरिट्स (साउने) देवी जी की मदद करती हैं।

अंत में दादी फूल को पहचान लेती हैं और पर्वतीय-जंगल से की पंजेनुमा ज? लेकर वो लोग वापिस आते हैं और दवाई बना कर सविता को पिला देते हैं और वो ठीक हो जाती है। विलुप्त होती लिपि-रहित किन्नौरी, शमसेहो, चितकुली (जांग्राम), सूनम, और जंगशुंग (थेबोर) बोलियों

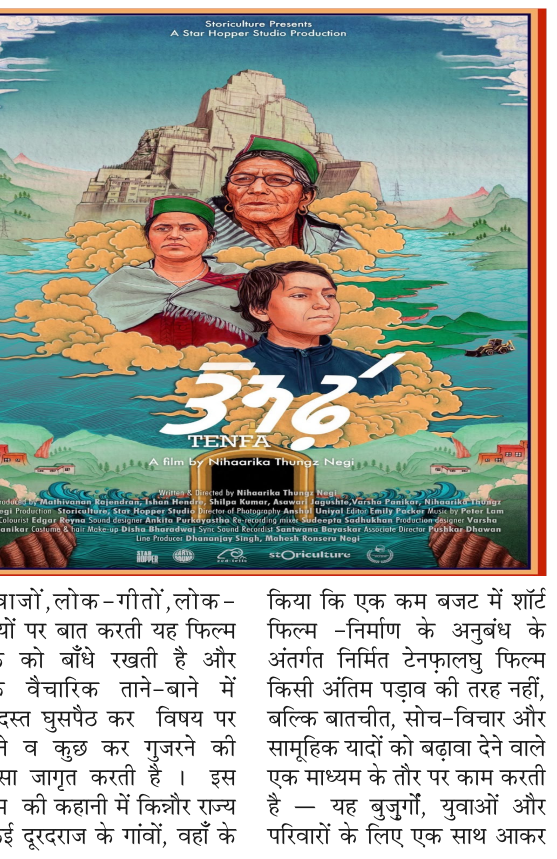

,आवाजों,लोक-गीतों,लोक-उक्तियों पर बात करती यह फिल्म दर्शक को बाँधे रखती है और उसके वैचारिक ताने-बाने में जबरदस्त घुसपैठ कर विषय पर सोचने व कुछ कर गुजरने की लालसा जागृत करती है । इस फिल्म की कहानी में किन्नौर राज्य के कई दूरदराज के गांवों, वहाँ के निवासियों की दिन-दैनिक जरूरतों को रेखांकित करते हुए फिल्म की निर्देशिका ने बातचीत में खुलासा किया कि एक कम बजट में शॉर्ट फिल्म -निर्माण के अनुबंध के अंतर्गत निर्मित टेनफ़ालघु फिल्म किसी अंतिम पड़ाव की तरह नहीं, बल्कि बातचीत, सोच-विचार और सामूहिक यादों को बढ़ावा देने वाले एक माध्यम के तौर पर काम करती है — यह बुजुर्गों, युवाओं और परिवारों के लिए एक साथ आकर किन्नौर के लोक-जीवन, लोक-गीतों,की जीवंत सांस्कृतिक विरासत,,का जश्न मनाने का मौका देती चलती है, फिल्म द्वारा किन्नौर की बोली, संस्कृति को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने का एक सतुत्य प्रयास भी किया गया है । हमारे एक प्रश्न पर उनका उत्तर था, फिल्म की कास्ट और क्रू किन्नौरी समुदाय के लोगों से बनी है, जिनमें से ज़्यादातर ने पहली बार किसी फिल्म पर काम किया है। छह-सात दशक पहले यायावर पंडित राहुल सांकृत्यायन ने अपनी प्रसिद्ध 'किन्नर देश में पुस्तक में किन्नौर के पारंपरिक लोक-चिकित्सा, जड़ी-बूटियों और देवी-देवताओं से जुड़े गीतों का संकलन किया है। इन गीतों में बौद्ध लामाओं द्वारा नाड़ी-विज्ञान के माध्यम से चिकित्सा, हिमालय की दुर्लभ औषधियों के गुण और महामारी के समय देवताओं से रक्षा की प्रार्थना का वर्णन मिलता है।उनके द्वारा वर्षों पूर्व किया गया यह संकलन स्थानीय पारंपरिक ज्ञान और उस समय की चिकित्सीय लाचारी को भी रेखांकित करता है। अत:देश काल व आधुनिकता-जनित परिस्थितियों में विलुप्त होती आवाजों,लोक-गीतों,लोक-उक्तियों पर बात करती यह फिल्म दर्शक खासकर नौजवान पीढ़ी को बाँधे रखती है और उसके वैचारिक ताने-बाने में जबरदस्त घुसपैठ कर विषय पर सोचने व कुछ कर गुजरने की लालसा जागृत करती है । बहुत धीमी गति से बढ़ती हुई इस लघु फिल्म में किन्नौर की लोक संस्कृति के अनुरूप कलाकारों की भेषभूषा, बोली बहुत जीवंत है। हाँ! किन्नौर की बोली से अपरिचित दर्शक अवश्य ही कहानी के साथ सामंजस्य बिठा पाने में प्रारंभिक असहजता को इंग्लिश-सबटाइटल्स ज़रूर कुछ दूर तक दूर कर देते हैं।वॉइस ओवर को और भी हल्की आवाज में कर्ण प्रिय बनाया जा सकता था । सारांशत: फिर भी कई मायनों में यह लघु फिल्म बहुत सफल प्रतीत होती है।यह भी बहुत सच्च है कि पहा?ों में हर बीमारी का इलाज संभव रहा है ; फिल्म की पूरी कहानी को किन्नौर की पौराणिक संस्कृति आदि को एक लोकगीत द्वारा ही स्पष्ट किया गया है; साथ ही एक संदेश कि विलुप्त हो रही किन्नौर की बोली के बारे में जिसकी कोई लिपि नहीं है ,उसे अगली पी?ी को सिखाना ?रूरी है ताकि लोक गीतों व पौराणिक संस्कृति को ि?दा रखा जा सके।

पेट और आंतों में जख्म दे रहा मिलावटी खाद्य तेल, 172 नमूनों में से 66 फेल

बरेली। बरेली जिले में खाद्य तेल में बड़े पैमाने पर मिलावट का कारोबार चल रहा है। खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच में पिछले 15 माह में लिए गए 172 नमूनों में से 66 फेल पाए गए। इन नमूनों को मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भी बताया गया है। स्थानीय स्तर पर छोटी-छोटी फर्मों और गोदामों से करोड़ों रुपये का मिलावटी तेल बेचा जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार ऐसे मिलावटी तेल का सबसे अधिक दुष्प्रभाव पेट और आंतों पर पड़ रहा है, जबकि लंबे समय तक सेवन करने पर लीवर और किडनी भी प्रभावित हो सकती हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच में पिछले 15 माह में कुल 172 नमूने लिए गए, जिनमें 66 फेल या हानिकारक मिले। इन मामलों में न्यायालय में सुनवाई हुई। अब तक 38 मामलों का निस्तारण हो चुका है। दोषियों पर 22.84 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। जांच में सामने आया कि फेल होने वाले अधिकांश नमूने स्थानीय स्तर पर तैयार किए जा रहे ब्रांडों के हैं। इनमें ऐसे तत्व मिले हैं जो मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 में 138 नमूने लिए गए थे। इनमें से 58 नमूने फेल और चार नमूने मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक पाए गए। वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक 35 नमूने लिए गए हैं, जिनमें से 27 की रिपोर्ट आ चुकी है। इन 27 नमूनों में से तीन फेल और एक हानिकारक पाया गया है। फेल हुए ब्रांडों में तिल ऑयल किंग तिल प्योर, राजहंस सोया हेल्थ, समृद्धि, न्यूट्रीप्लस, चक्र, क्लासिक, खिलौना ब्रांड, पंकीजा गोल्ड, माउंटेन गोल्ड और साथिया ब्रांड शामिल हैं। जिला चिकित्सालय के फिजीशियन डॉ. एमएल अग्रवाल ने बताया कि मिलावटी खाद्य पदार्थों के लगातार सेवन से पेट और आंतों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा लीवर और किडनी संबंधी गंभीर बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। उन्होंने सलाह दी कि यदि संभव हो तो सरसों खरीदकर पेरवाकर ही उसका तेल उपयोग करें। सरसों के तेल में हाइड्रोक्लोरिक एसिड नीचे साफ दिखता है और इसमें किसी भी तरह का रंग नहीं बदलता है तो ये शुद्ध तेल है, अगर मिलावटी तेल होगा तो इससे हाइड्रोक्लारिक एसिड के रंग में परिवर्तन दिखाई देगा। सहायक आयुक्त खाद्य राहुल सिंह ने बताया कि विभाग नियमित अभियान चलाकर खाद्य पदार्थों के नमूने लेता है। सबसे अधिक दूध से बने उत्पाद और खाद्य तेल के नमूने फेल होते हैं। जांच में कई स्थानीय ब्रांडों के तेल मानक पर खरे नहीं उतरे और कुछ नमूने स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भी पाए गए।

भीखर देवी मंदिर के गर्भगृह से अष्टधातु की देवी प्रतिमा चोरी, श्रद्धालुओं में आक्रोश

बांदा। थानाक्षेत्र जसपुरा के गांव रामपुर स्थित भीखर देवी मंदिर से चोर अष्टधातु की प्राचीन प्रतिमा चोरी कर ले गए। रविवार सुबह नियमित पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे पुजारी को गर्भगृह से प्रतिमा गायब मिली। इसकी जानकारी पर गांव में हड़कंप मच गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और आक्रोश जताया। ग्रामीणों के अनुसार प्रतिमा की कीमत करीब एक लाख रुपये से अधिक आंकी जा रही है। मां भीखर देवी सेवा ट्रस्ट के संरक्षक भजन सिंह ने बताया कि शनिवार-रविवार की रात चोर मंदिर के गर्भगृह में घुसकर अष्टधातु की प्रतिमा उठा ले गए। सुबह करीब चार बजे पुजारी नरेंद्र पांडे पूजा करने पहुंचे तो प्रतिमा गायब देखकर उन्होंने ग्रामीणों को सूचना दी। इसके बाद मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों का कहना है कि मां भीखर देवी मंदिर क्षेत्र की प्राचीन धार्मिक धरोहर है, जहां प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। बताया कि कुछ समय पहले भी प्रतिमा चोरी का प्रयास किया गया था, लेकिन चोर सफल नहीं हो सके थे। इसके बावजूद मंदिर की सुरक्षा को लेकर कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई। सूचना मिलने पर थानाप्रभारी ऋषिदेव मौके पर पहुंचे और निरीक्षण किया। पुलिस ने साक्ष्य जुटाकर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

PUBLIC NOTICE

General public is informed that my client MOHD NAKI Son of Mohd Yaqub, Resident of 2707, Gali Badliyan, Sarak Prem Narain, Chooriwalan, Delhi-110006, has severed all relationship with his son namely MOHD ARISH due to his mis-behaviour and here by Debar and Disown him from all his moveable and immoveable properties absolutely and forever. Anybody dealing with him shall do so at his own cost and risk.

ABHINAY GUPTA Advocate
Ch. No. C&D, Chandrika Hotel, 4/9, Asaf All Road, New Delhi

PUBLIC NOTICE

My clients Ramesh S/O Shri Pratap And Anita Devi W/o Shri Ramesh Both R/O H-179, Gali No.16, Sangam Vihar, New Delhi-110080, has disowned/debarred their son Umesh Singh And His Wife Nandini Singh, from all his/her moveable/immovable properties/ assets and severed all their relations with them due to their misbehavior/misconduct towards my clients. If anybody dealing with her son and his wife in any manner will do so at his/her/their own risk and responsibility. My clients shall not responsible for any kind of acts done by his son and his wife.

MUKESH KUMAR Advocate
Ch. No. 80, Saket Court Complex
New Delhi-110017

NAME CHANGE

I MOHAMMAD SARAFAT S/O RASHEED AHMAD R/O H NO-36/284 BLOCK NO-36 TRILOK PURI EAST DELHI 110091 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD SHARAFAT.

NAME CHANGE

I, K. VINOD DASS S/O A. M DASS residing at H NO-462, FIRST FLOOR, INDRA VIHAR, DR. MUKERJEE NAGAR, DELHI-110009. have changed my name to KAMAL VINOD DASS S/O ALFARD MANGAL DASS belong to the both are same person.

NAME CHANGE

I, MOU IKRAM S/O A SALAM residing at PANDAV ROAD, NEAR MARKAJ WALI MASJID, MOHALLA GHOSHIYAN, BAGHPAT, UTTAR PRADESH-250609 have changed my name to MOHAMMAD IKRAM for all future purposes.

NAME CHANGE

I, JC-782948N Rank-NB SUB Name-HEMANTHA KUMARA N R legal father of MANASA HEMANTHA residing at-2ND BLOCK, NAGAVALLI, TUMAKURU, KARNATAKA-572118, have changed my minor daughter's name from MANASA HEMANTHA to MANASA HEMANTH for all future purposes vide affidavit dated 22/07/2026 Before EXECUTIVE MAGISTRATE, Delhi.

NAME CHANGE

I, Mohd Nafis S/O Haji Mohd Shafiq R/O 337 First Floor Katra Budhan Rai Delhi Gate Darya Ganj Delhi-110002 Have Changed My Name To Mohammad Nafis Permanently

NAME CHANGE

I, KARTIKEY SINGH REDHU S/O ISHWAR SINGH, R/O A-319, 3RD FLOOR, SUSHANT LOK-2, SECTOR-55, GURGAON,vHARYANA-122002, HAVE CHANGED MY NAME TO KARTIKEY SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, hitherto known as kallu Shekh alias Siddiqui S/O Shekh ILAHI R/O E-102, Agar Nagar, Prem Nagar -3, Kirari Suleman Nagar, PO: Sultanpuri C Block, DIST: North West Delhi, Delhi-110086, have changed my name and shall hereafter be known as Kallu Shekh.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Asma D/O Yasin, R/O POLE NO-7-D-58 G/F, JAITPUR PART-2, NEAR POLICE CHOWKI, KHADDA COLONY, Badarpur, PO: Badarpur, DIST: South Delhi, Delhi-110044, declare that name of mine, my father and my Mother have been wrongly written as Asman ,Yaseen Khan and Zubaida ,in my 10th class and name of mine and my father have been wrongly written as Asman and yaseen khan in my 12th class educational documents, The actual name of mine , my father and my Mother are ASMA, YASIN and ZUBEDA, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I MOHAMMAD MUSTAQEEM S/O ABDUL RAHIM R/O H NO- R-218 GALI NO 9 RAMESH PARK LAXMI NAGAR EAST DELHI 110092 HAVE CHANGED MY NAME TO MUSTAQEEM.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Ram Bati W/O Ramchandra Sharma, R/O VTC Banwari Bara, PO: Kishore Pur, District: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh, : 203155, have changed my name and shall hereafter be known as AJUDAYA DEVI.

NAME CHANGE

It is for general information that I, Abhishek Sharma S/o Harendra Singh R/o Krishna Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001 declare that name of my father has been wrongly written as Radhey Shyam Sharma in my Pan Card No-QLHPS3568F. The actual name of my father is Harendra Singh.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE

I, NAGARGOJE PRASHANT BHAGWAT residing at VILL-CHARATHA, PO- CHARATHA, DIST- BEED, MAHARASHTRA-431122, have changed my mother's name from NAGARGOJE VIJUBAI to NAGARGOJE VIJUBAI BHAGWAT for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 05/07/1965 instead of her correct date of birth as 01/01/1967, vide Affidavit dated 22/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Aarif S/O Ahmadshaid R/O H No 101, Eetmadsaray-2, Asfabad, Chandpura, Bulandshahr, Uttar Pradesh 245408 I, Have Changed My Name To Mohd Aarif Khan

NAME CHANGE

I, Mukesh Kumar, S/O Ram Kishan Sharma, R/O AG- 435, Second Floor, Shalimar Bagh, North West Delhi, Delhi- 110088 have changed my name to Mukesh Kumar Sharma for all future purposes.

Public Notice

I, hitherto known as SINTU DEVI W/O DHIRAJ KUMAR SINGH residing at Hno F- 28 Chhuriya Mohalla, Tugalakabad Village , Badarpur south delhi DELHI-110044, Permanent Address- ward no 05, Dumri, Lakhisarai, Bihar - 811302, have change my name and shall hereafter be known as AMRITA PRITAM.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client **Mrs. Raj Kumari** in respect of **Built Up Third Floor with roof rights Portion of Property No. B-8, area measuring 50 Sq. yds., out of Khasra No. 579, 580, 581, Khewat No. 23, Khatauni f No. 49, situated in the area of Village Naraina, in Abadi of Ram Pura, Hari Nagar New Delhi.**, claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to sell the property in which **SMFG India Home Finance Company Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

I, SUNITA DEVI W/O SH. SURENDER SINGH R/o 82, POCHANPUR VILLAGE, SOUTH WEST DELHI-110077, do hereby solemnly affirm and declare, That I am citizen of India.That my Aadhaar card no. is 2842 9245 0288.That disowned and debarred my son Mr. RAHUL S/O SURENDER SINGH R/o 82, POCHANPUR VILLAGE, SOUTH WEST DELHI-110077 with his wife DEEPTI D/O GOVERDHAN and W/o SH. from moveable and unmovable properties due to their misbehavior, misconduct and disobedient attitude and severed all relations with all of them.If in future if anybody deals with them shall do at his/her own risk and I shall not be responsible in any manner for their any kind of act and deeds.

SUNITA DEVI
W/O SH. SURENDER SINGH

सार्वजनिक सूचना

श्री कन्हैया गर्ग ने एचडीबी फाइनेंशियल सर्विस लिमिटेड से वाणिज्यिक दुकान (नगर समिति संख्या 54/8, क्षेत्रफल 40.5 वर्ग गज, वार्ड संख्या 13, तहसील सोहना, जिला गुरुग्राम, हरियाणा) के लिए ऋण लिया था; जिसे आगे उक्त संपत्ति कहा गया है। श्री कन्हैया गर्ग ने हमें बताया है कि उन्होंने श्रीमती सविता रानी के पक्ष में दिनांक 29.10.2009 को हस्ताक्षरित विक्रय विलेख संख्या 3495, में एल आर संख्या 132270892600481) के तहत कहीं पर खो दिया है या गुम कर दिया है, जो न तो मिल रहा है और न ही प्राप्त हो पा रहा है। अब, श्री कन्हैया गर्ग दिनांक 29.12.2015 के हस्तांतरण विलेख संख्या 2847 के माध्यम से उक्त संपत्ति के एकमात्र और पूर्ण स्वामी हैं। यदि किसी व्यक्ति का उपरोक्त दस्तावेजों पर कानूनी वारिसों, गिरवी, उपहार, पट्टा, उत्तराधिकार, ग्रहणाधिकार या किसी अन्य रूप से कोई दावा है या कोई आपत्ति है, तो उसे उपरोक्त दस्तावेजों के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए दिल्ली कार्यालय के पते पर लिखित रूप में इसकी सूचना देनी होगी। ऐसे दावों को अमान्य घोषित कर दिया जाएगा और यदि कोई दावा है तो उसे माफ कर दिया जाएगा। ऐसा न करने पर, उक्त संपत्ति के संबंध में किसी तीसरे पक्ष के दावे/आपत्तियां/विवाद न होने की स्थिति में उपरोक्त मालिकों के साथ बिक्री लेनदेन को पूरा किया जाएगा और उसके बाद किसी भी दावे/आपत्तियां/विवाद पर विचार नहीं किया जाएगा।

मेसर्स पास एंड एसोसिएट्स , एलएलपी
बी-132, मालवीय नगर,
नई दिल्ली-110017
मोबाइल नंबर - 9991116006

NAME CHANGE

I, No-15167406F Rank-HAV Name-SHIVKUMAR residing at VILL-NANGLA HARARU, DIST- MEERUT, UTTAR PRADESH-250401, have changed my mother's name from SHAKUNTALA to SHAKUNTLA DEVI for all future purposes, in my service records, my mother's date of birth is wrongly mentioned as 02/09/2003, instead of her correct date of birth as 01/01/1974, vide Affidavit dated 22/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I BHAGIRATHI legally mother of Army No - 2805083N Rank - HAV, Name - RAWOOL SANTOSH SHIVA, Presently Residing At - VERLE Post-VERLE Teh - SAWANTWADI, Dist - SINDHUDURG, State- MH Pin - 416531 have changed my name from BHAGIRATHI to BHAGIRTHI SHIVA RAWOOL for all future purposes, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 25/07/1957 instead of my correct date of birth as 01/04/1943, Vide affidavit dated 22/07/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-442602H Rank-SUB Name-GANESH PYLA legal father of PYLA JANISHA residing at-H NO-6/46/16/5, VPO-JANATHA COLONY, TEHSIL-GOPALAPATNAM, DIST-VISHAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH-530029, have changed my minor daughter's name from PYLA JANISHA to PYLA JENISHA for all future purposes vide affidavit dated 22/07/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE

I, TARANI MOHANTY father of JC-393852X Rank-NB SUB Name-SUBRATA KUMAR MOHANTY R/o VILL-PATHARESWAR, PO-FULBANI, TEHSIL-BHOGRAI, DIST-BALASORE, ODISHA-756037, have changed my name from TARANI MOHANTY to TARANI KANTA MOHANTY for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly written as 01/07/1957 instead of my correct date of birth as 01/06/1959, vide Affidavit dated 22/07/2026, before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, MINATI MOHANTY mother of JC-393852X Rank-NB SUB Name-SUBRATA KUMAR MOHANTY R/o VILL-PATHARESWAR, PO-FULBANI, TEHSIL-BHOGRAI, DIST-BALASORE, ODISHA-756037, in my son's service record my date of birth wrongly written as 01/07/1959 instead of my correct date of birth as 01/08/1964, vide Affidavit dated 22/07/2026, before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Sh. Niraj Kumar Verma is the owner and in possession of a Freehold Residential Part of Plot No. 56, admeasuring 25 sq. yds. out of Khasra No. 432, Situated at Karan Vihar, in Village Khora Colony, Pragana Loni, Tehsil and Distt. Ghaziabad, U.P. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 17.02.2026, vide Doc No. 1969, in Book No. I, Vol No. 22877, on Pages No. 121 to 144, on this dated 17.02.2026, SR- Sadar I Ghaziabad,, in the chain documents below mentioned document not available i.e., Death Certificate & SMC of Late Sh. Nihal Singh & Probate Order of Notary WILL dated 05.01.2023 Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. and the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch Yamuna Vihar Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, AMAR BAHADUR S/o Ram Lot Gupta R/o C-1/9, Gali No.1, 2 pusta, Sonia Vihar, have changed my name from AMAR BAHADUR to AMAR BAHADUR GUPTA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, BANDANA SINGH W/o Shailendra Kumar Singh R/o Flat No.A-304, BPTP The Resort , Sector-75, Faridabad-121006, Haryana, have changed my name to VANDANA SINGH permanently.

NAME CHANGE

I, SHREYANKI SURENDRA YADAV D/o Surendra Yadav R/o Ghar No.1742, Yadav Bhawan, Teka Naka, Kamptee Road, Uppalwadi, Nagpur City-440026, Maharashtra, have changed my name to SHREYANKI YADAV permanently.

NAME CHANGE

I, ARTI KUMARI D/O RAMJEE SINGH R/O S-494 G.FLOOR SCHOOL BLOCK SHAKARPUR EAST DELHI 110092, CHANGED MY NAME TO AARTI SINGH.

NAME CHANGE

I MOHAMMED WASEEM S/O ABDUL HAKEEM R/O 3150 GALI AZIZUDDIN VAKIL KUCHA PANDIT DELHI-110006 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHAMMAD WASEEM AKHTAR

Public Notice

I SUNNY PATRICK S/O PATRICK R / O H. NO E-44 G/F Siddarth, Basti, Ashram, South Delhi, Jungpura, Delhi, 110014, do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced ISLAM and renounced CHRISTIANITY with effect from 21-07-2026. have changed my name and shall hereafter be known as MOHD JAVED.

NAME CHANGE

I MOHAMMAD ABID S/O DEEN MOHD R/O H.NO A2, GALI NO 4, BABU NAGAR MUSTFBAD SABA PUR DELHI -110094 have changed my name to ABID MALIK Permanently for all future purposes

NAME CHANGE

I, USHA W/O ARUN KUMAR R/O C-363/15, BHAJANPURA, DELHI-110053. HAVE CHANGED MY NAME TO USHA RANI.

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Sajida Khatun W/o Mohammad Wali is the owner and in possession of a Freehold Residential Property i.d. no. 3B34T121 area measuring 93 Sq. Yards, i.e. 837 Sq. Ft., out of Khewat No. 736//640/3, Khatoni No. 899, Mu. Killa No. 35//13 (8-0), 8/2/2 (0-10), out of Khewat No. 736/1, Khatoni No. 899/1, Mu. Killa No. 35//12/2 (2-11), 18//2/1 (4-10), out of Khewat No. 737/3, Khatoni No. 900/1, Mu. Killa No. 35//20 (7-11) & Khewat no. 738/1, Khatoni no. 901/1, Mu Killa no. 34//16(6-16) out of Khewat/Khata no. 739//640/3 Khatoni no. 902 Mu no. 35//19/1 (6-18) situated at Mauza Parnala Wakya Chhotu Ram Nagar, Line Par Under Nagar Palika Bahadurgarh, District Jhajjar, Haryana., Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 30.01.2026 as Doc. No. 9389, in Book No. 1, on this dated 30.01.2026, SR-Bahadurgarh., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. Original Sale Deed dated 04.03.2021 executed by Mr. Manjit S/o Mr. Ishwar Singh in favour of Mrs. Satyawati W/o Mr. Virpal Singh as Doc. No. 6322, in Book No. 1, on this dated 04.03.2021, SR- Bahadurgarh., Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. And same property sold to be Mrs. Bandana Singh and the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch Bahadurgarh Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I Anu Dutta W/o Raman Dutta R/o H. No.-62- C, Pocket-E, LIG Flats, GTB Enclave, Delhi PO Mandoli Saboli, North East Delhi, Delhi-110093 have changed my name to Anupama Dutta for all future purposes.

NAME CHANGE

I, No-14865740A Rank-SEP Name-SARVAIYA MANISHBHAI BHOLABHAI legal father of DHVANI residing at-VILL-MENDHA, PO & TEH-PALITANA, DIST-BHAVNAGAR, GUJARAT-364140, have changed my minor daughter's name from DHVANI to DHVANI MANISHBHAI SARVAIYA for all future purposes vide affidavit dated 22/07/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, HALEEMA W/o Naim R/o Pattiwala Kanth, Chhajlel, Moradabad, Uttar Pradesh-244501, have changed my name to AYASHA permanently

NAME CHANGE

I, SANTOSH GUPTA S/o Vindhayachal Lakshman Gupta R/o Patel Nagar, Near BSM School, Bahadurgarh Jhajjar, Haryana-124507, have changed my name to SANTOSH VINDHYACHAL GUPTA permanently

NAME CHANGE

I, LAEEQ AHMAD S/o Islamuddin R/o C-209/11, Gali No.2, Near Salim Masjid, Chauhan Bangar, Seelampur, Delhi-110053, have changed my name to LAIK AHMAD permanently.

NAME CHANGE

I, ANKUR S/o Amar Bahadur Gupta R/o C-1/9, Gali No.1, 2 pusta, Sonia Vihar, have changed my name from ANKUR to ANKUR GUPTA for all future purposes.

NAME CHANGE

I, USHA mother of No-2619312P, Rank-NK, Name-VISHNU R PILLAI residing at VILL-PALLICKAL, PO-PAZHAKULAM, TEHSIL-ADOOR, DIST-PATHANAMTHITTA, KERALA-691523, have changed my name from USHA to USHA RAVINDRAN for all future purposes vide Affidavit dated 22/07/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

I hitherto known as SARFRAZ ALAM S/O MD SHAMIM AHMAD R/O R-11/106, Near Iskcon Temple, Raj Nagar, VTC-Ghaziabad, PO-New Raj Nagar, Dist-Ghaziabad, Uttar Pradesh-201002, do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced HINDUISM and renounced ISLAM with effect from 21-07-2026.

PUBLIC NOTICE

I hitherto known as SARFRAZ ALAM S/O MD SHAMIM AHMAD R/O R-11/106, Near Iskcon Temple, Raj Nagar, VTC- Ghaziabad, PO-New Raj Nagar, Dist-Ghaziabad, Uttar Pradesh-201002, have changed my name and shall hereafter be known as MANOHAR DAS.

PUBLIC NOTICE

I, Poonam Rajput W/o Rajesh Karan R/o E-261, 1st Floor, Sector 22, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh, 201301, have changed the name of my minor Son Harshaditya aged 10 years and he shall hereafter be known as Harshaditya Rajput. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that, I Bal Kishan S/o Chinta Ram R/o House no. 175, Arun Vihar, Sector-37, Noida, Gautam Buddha Nagar, U.P. 201303, declare that name of my minor daughter has been wrongly written as Roshni in my minor daughter namely Roshni Arya aged 14 years in her School record. The actual name of my minor daughter is Roshni Arya. which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

सार्वजनिक सूचना

यह संपत्ति Flat No. 106, Pocket-B-6, Sector-4, Rohini, Delhi-85 विवादित है तथा वर्तमान में न्यायालयों में विचाराधीन (Sub Judice) है। अतः कोई भी व्यक्ति इस संपत्ति में किसी भी प्रकार का अधिकार, हित, लेन-देन या तृतीय पक्ष हित (Third Party Interest) उत्पन्न न करे।
श्री रविन्द्र कुमार गुप्ता इस संपत्ति के संबंध में अन्य व्यक्तियों के पक्ष में किसी प्रकार का हित या अधिकार उत्पन्न करने का प्रयास कर सकते हैं। यदि कोई व्यक्ति इस संपत्ति में किसी भी प्रकार का हित या अधिकार प्राप्त करता है, तो वह ऐसा पूर्णतः अपने स्वयं के जोखिम एवं जिम्मेदारी पर करेगा।

दिनांक: 23-7-26
Deepali Aggarwal
C/O Flat no.121, Vasudha Apartment, Sector-9, Rohini,Delhi-85

NAME CHANGE

I, Anirudh Maken Tanwar S/O Ashok Tanwar R/O Flat No 6, Ground floor, 5-A, Shanti Kunj, block A, Vasant kunj, South Delhi 110070 Have changed my name to Anirudh Lalit for all future purposes.

NAME CHANGE

I, RAM CHANDER S/o RAM KUMAR R/o PLOT NO-B-11B, F/F, SIS RAM PARK, UTTAM NAGAR, WEST DELHI, DELHI-110059 have changed my name from RAM CHANDER SHARMA to RAM CHANDER for all future purposes vide Affidavit dated 22/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I ZAFARUDDIN S/0 MOHD JABARDDIN R/0 6342 4TH FLOOR GALI KHATTA WALI QURESH NAGAR SADAR BAZAR DELHI 11006 CHANGED MY NAME TO MOHD ZAFARUDDIN

NAME CHANGE

I ALAINA D/0 MOHD ISHAR SOLANKI R/0 H.NO IX/5594 GALI NO 11.OLD SEELAMPUR DELHI 110031 CHANGED MY NAME TO ALAINA SOLANKI

NAME CHANGE

I PRADEEP KUMAR & PRADEEP KUMAR POPLI S/O NARINDER KUMAR R/O C 194/12 JEEVAN PARK UTTAM NAGAR DELHI - 110059 have changed my name to PARDEEP KUMAR POPLI Permanently for all future purpose

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती किरण देवी, पत्नी प्रमोद कुमार, जो खेवट खाता संख्या 507/511 मुस्तिल और किला संख्या 71/24/2, 7-19 में स्थित 17 मरला भूमि/संपत्ति की मालिक हैं, 07 कनाल 19 मरला का हिस्सा, 34/318 यानी 17 मरला, जो वाका मोजा रकबा पटौदी, तहसील पटौदी, जिला गुरुग्राम, हरियाणा में स्थित है। (संपार्श्विक का विवरण दस्तावेज़ के अनुसार है, जिसे आगे कहा जाएगा) श्री तेजबीर पुत्र चंद सिंह और श्री नरेंद्र पुत्र श्री रणजीत द्वारा श्रीमती किरण देवी पत्नी प्रमोद कुमार के पक्ष में निष्पादित विक्रय विलेख के माध्यम से उक्त संपत्ति का हस्तांतरण किया गया। संपत्ति का स्वामित्व प्रारंभ में हस्तांतरणकर्ता के पास था। श्री रणजीत पुत्र श्री सिहा द्वारा 17.07.2017 को निष्पादित विलेख संख्या 1026, श्री नरेंद्र पुत्र श्री रणजीत के पक्ष में, कुल क्षेत्रफल 8 मरला 5 सरसाई तथा श्री चंद द्वारा 17.07.2017 को निष्पादित हस्तांतरण विलेख संख्या 1024 श्री सिंह पुत्र श्री सिहा द्वारा श्री तेजबीर पुत्र चंद सिंह के पक्ष में, कुल क्षेत्रफल 8 मरला 5 सरसा, और उक्त विलेख हस्तांतरण विलेख संख्या 1026 दिनांक 17.07.2017 और हस्तांतरण विलेख संख्या 1024 दिनांक 17.07.2017 हैं। गुम हो गई है, जिसके लिए हरियाणा पुलिस नागरिक सेवा में आवेदन संख्या 132270812601107 दिनांक को शिकायत दर्ज कराई गई थी। दिनांक 10.07.2026 को यह स्वीकार किया गया कि श्रीमती किरण देवी, पत्नी प्रमोद कुमार, उक्त संपत्ति की वास्तविक और वैध स्वामी हैं। ग्राहक ट्रूहोम फाइनेंस लिमिटेड, गुरुग्राम शाखा से ऋण सुविधा का लाभ उठा रहा है। उक्त संपत्ति के विरुद्ध और ऋणदाता सुविधा को सुरक्षित करने के लिए उक्त संपत्ति पर अपना प्रभार बनाएगा। कोई भी व्यक्ति जिसके पास कोई भी उक्त संपत्ति के विरुद्ध किसी भी अधिकार, आपत्ति या दावे पर प्रकाशन जारी होने की तिथि से 7 दिनों के भीतर आपत्ति उठाई जा सकती है। सूचना। इसके बाद किसी भी प्रकार का कोई दावा स्वीकार नहीं किया जाएगा।
कृपया नीचे दिए गए पते पर संपर्क करें।

नामः दीपक मलिक (एडवोकेट)
मोबाइल नंबर - 9540419009
पता-दुकान नंबर 2, कटारिया कॉम्प्लेक्स, दयानंद कॉलोनी, गुड़गांव

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

चुनावी रंजिश में फायरिंग, एक कि मौत

एजेंसी

नूंह। नूंह जिले के गांव निजामपुर क्षेत्र में पुरानी चुनावी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच हुए खूनी संघर्ष में एक युवक की गोली लगने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर थाना आकेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची तथा हालात को नियंत्रित करने का प्रयास किया। घटना के बाद गांव में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है और पुलिस बल तैनात कर निगरानी की जा रही है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शाम करीब 7:30 बजे गांव निजामपुर में दो पक्षों के बीच पुरानी चुनावी रंजिश के चलते विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों के बीच झगड़ा हुआ और आरोप है कि इस दौरान दोनों ओर से फायरिंग की गई। फायरिंग के दौरान साजिद निवासी निजामपुर के सिर में गोली लग गई, जिससे उसकी मौत हो गई। घायल को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक का शव फिलहाल नल्हड़ मेडिकल कॉलेज अस्पताल में रखा गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला पुरानी चुनावी रंजिश से जुड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है और घटना में शामिल लोगों की पहचान तथा कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है।

तय समय में केस निपटारे के निर्देश देना न उचित और न जरूरी : हाई कोर्ट

चंडीगढ़। पंजाब-हरियाणा उच्च न्यायालय ने गुरुग्राम के एक केस में कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा है कि तय समय-सीमा में निपटारे के लिए निर्देश जारी करना न तो उचित है और न ही जरूरी है क्योंकि देश भर की अदालतों पर बड़ी संख्या में मामलों का बोझ है। कोर्ट ने कहा कि हर अदालत का यह कर्तव्य है कि वह जरूरी मामलों को जल्द से जल्द निपटाए। ये टिप्पणियां तब आई जब जस्टिस विक्रम अग्रवाल ने एक ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिया कि वह किसी मामले की सुनवाई को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए ठोस प्रयास करे। उच्च न्यायालय की बेंच गुरुग्राम सदर पुलिस स्टेशन में 21 अप्रैल, 2017 को धोखाधड़ी और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66(बी) और आईपीसी की धारा 420 के तहत दर्ज एफआईआर को रद्द करने की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ता के वकील ने सुनवाई के दौरान कहा कि एफआईआर 2017 में दर्ज की गई थी और अंतिम रिपोर्ट 2020 में दाखिल की गई थी। वकील ने कहा कि मामले की सुनवाई कई बार टाली गई, इसलिए सुनवाई को तय समय-सीमा में पूरा करने के लिए निर्देश की आवश्यकता थी।

हरियाणा में हेली एम्बुलेंस सेवाओं के विस्तार के निर्देश

चंडीगढ। हरियाणा के नागरिक उड्डयन मंत्री एवं हरियाणा एयरपोर्ट्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष विपुल गोयल ने राज्य में हेली एम्बुलेंस (मेडिकल, पर्यटन एवं सार्वजनिक परिवहन) सेवाओं के विस्तार के निर्देश जारी किए हैं।विपुल गोयल ने चंडीगढ़ में हरियाणा एयरपोर्ट्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की आठवीं बैठक की। बैठक में नागरिक उड्डयन अवसंरचना के विकास, एयर एम्बुलेंस सेवाओं के विस्तार, वित्तीय प्रबंधन तथा प्रशासनिक प्रक्रियाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने से संबंधित विभिन्न एजेंडा बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई। विपुल गोयल ने स्वास्थ्य विभाग एवं विभिन्न अस्पतालों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए फरीदाबाद, करनाल, सोनीपत, गुरुग्राम और रोहतक स्थित मेडिकल कॉलेजों के निकट बने हेलीपैडों के उन्नयन की योजनाओं की समीक्षा की। बैठक के दौरान गोयल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य में चल रही सभी उड्डयन परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर और उच्च गुणवत्ता मानकों के साथ पूरा किया जाए, ताकि प्रदेश में व्यापार, पर्यटन और रोजगार के नए अवसरों का सृजन हो सके।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए हर पात्र नागरिक अपना वोट अवश्य बनवाए: नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदाता सूची में नाम दर्ज होना जरूरी है और सभी को अपना वोट अवश्य बनवाना चाहिए। उन्होंने पिंजौर के मानकपुर गांव में आयोजित भाजपा की टिफिन बैठक में बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) और पदाधिकारियों से मतदाता सूची से जुड़े कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। भाजपा की ओर से प्रदेशभर में शक्ति केंद्रों पर 30 टिफिन बैठकों का आयोजन किया गया। पिंजौर के मानकपुर गांव स्थित देवीलाल कॉलोनी में आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री ने भाग लिया और पार्टी संगठन की मजबूती के लिए बीएलए तथा अन्य पदाधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। बैठक में कालका की विधायक शक्ति रानी शर्मा, जिलाध्यक्ष अजय मित्तल, मंडलाध्यक्ष हरीश मोंगा, जिला उपाध्यक्ष पवन कुमारी, वार्ड पार्षद गुलशन ठाकुर उपस्थित रहे। सैनी ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपना वोट अवश्य बनवाना चाहिए। बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के सहयोग के लिए प्रत्येक राजनीतिक दल अपने-अपने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त करता है, जो मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाने तथा अन्य निर्वाचन संबंधी कार्यों में लोगों का सहयोग करते हैं। इसके अलावा नायब सिंह सैनी ने मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना-2 के अनुसूचित जाति के दो लाभार्थियों सरोज और जयंती के घर जाकर उनसे मुलाकात की तथा उनके साथ भोजन भी किया।

हरियाणा के थर्मल पावर प्लांटों तक पहुंचेगा ट्रीटेड पानी

औद्योगिक क्षेत्रों में भी होगा इस्तेमाल

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यदि ट्रीटेड पानी का वैज्ञानिक और योजनाबद्ध तरीके से उपयोग किया जाए तो न केवल भूजल और पेयजल स्रोतों पर दबाव कम होगा, बल्कि उद्योगों, ऊर्जा क्षेत्र, हरित क्षेत्रों और कृषि के लिए भी पानी की दीर्घकालिक उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी। चंडीगढ़ में रीयूज ऑफ ट्रीटेड वेस्ट वाटर (टीडब्ल्यूडब्ल्यू) पॉलिसी से संबंधित बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य के सभी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) और कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीटीपी) से तय मानकों के अनुरूप ट्रीटेड पानी निकले और उसका अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि ट्रीटेड पानी किसी भी स्थिति में व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। इसके लिए ऐसा मजबूत और सुव्यवस्थित नेटवर्क तैयार किया जाए, जिससे यह पानी थर्मल पावर प्लांटों, ग्रीन बेल्ट, कृषि और अन्य जरुरत वाले क्षेत्रों तक आसानी से पहुंच सके। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में थर्मल पावर प्लांट स्थित हैं, वहां आसपास के एसटीपी को नेटवर्क के माध्यम से जोड़कर ट्रीटेड पानी की नियमित सप्लाई सुनिश्चित की जाए। इससे थर्मल पावर प्लांटों में वर्तमान में उपयोग हो रहे ताजे पानी की बचत होगी और

उस पानी का उपयोग अन्य आवश्यक कार्यों के लिए किया जा सकेगा। इसके साथ ही औद्योगिक क्षेत्रों की भी विस्तृत मैपिंग की जाए। यह तय किया जाए कि किस उद्योग तक किस एसटीपी अथवा सीटीपी से ट्रीटेड पानी पहुंचाया जा सकता है और उसके लिए किस प्रकार का नेटवर्क विकसित करना होगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में उद्योगों में ट्रीटेड पानी के उपयोग को प्राथमिकता दी जाए।

बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी संबंधित विभाग अगले 15 दिनों के भीतर अपनी-अपनी ट्रीटमेंट क्षमता, उपलब्ध ट्रीटेड पानी, उसके वर्तमान उपयोग, भविष्य की आवश्यकता तथा वितरण व्यवस्था का विस्तृत विवरण जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को उपलब्ध कराएंगे। जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग ने ट्रीटेड वेस्ट वाटर के दोबारा इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए चरणबद्ध योजना बनाई है। पहले चरण में 21 जिलों के 35 एसटीपी को शामिल करते हुई 500 करोड़ रुपये की परियोजना तैयार की गई, जिसे नाबार्ड के तहत मंजूरी मिली। इनमें 27 एसटीपी को माइक्रो इरिगेशन के जरिए ट्रीटेड वेस्ट वाटर के दोबारा इस्तेमाल के लिए अंतिम रूप दिया गया है। 19 एसटीपी का काम पूरा हो चुका है, जबकि 8 पर काम चल रहा है। इस परियोजना से करीब 40 हजार एकड़ खेती की जमीन को सिंचाई जल मिलेगा। मुख्यमंत्री कहा कि प्रदेश में जहां-जहां एसटीपी और सीटीपी स्थापित हैं, उनकी विस्तृत मैपिंग की जाए। प्रत्येक प्लांट की क्षमता, वहां से निकलने वाले ट्रीटेड पानी की मात्रा, उसके संभावित उपयोग और आसपास के क्षेत्रों तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था का पूरा खाका तैयार किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की सोसायटी कॉलोनियों में स्थापित एसटीपी की भी विशेष जांच की जाएगी। इसके लिए हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के साथ-साथ संबंधित नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिकाओं के अधिकारी संयुक्त रूप से निरीक्षण करेंगे। प्रदेश में लगभग 678 सोसायटी कॉलोनी हैं, जहां इस व्यवस्था की चरणबद्ध समीक्षा की जाएगी।

पर्यावरण संरक्षण हमारी संस्कृति का हिस्सा: सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमारी संस्कृति में प्रकृति को ईश्वर का स्वरूप माना गया है। पर्यावरण की रक्षा हमारी संस्कृति, सभ्यता और हमारे कर्तव्यों में रची बसी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने के लिए एक पेड़ मां के नाम को राष्ट्रव्यापी अभियान से जोड़ना है।

मुख्यमंत्री पंचकूला के पिंजौर की एप्पल मार्केट में युवा संवाद एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने वन, पर्यावरण एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह के साथ एप्पल मंडी में पौधरोपण भी किया और वन चेतना यात्रा-2026 के तहत चार एलईडी वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये एलईडी वैन प्रत्येक जिले में जाएंगी, लोगों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करेंगी और पर्यावरण बचाओ का संदेश देंगी। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री तीर्थ योजना के तहत एक हजार युवाओं को शामिल करने की घोषणा की। इसके अलावा युवाओं की समस्याओं की सुनवाई के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय में विशेष अधिकारी की नियुक्ति करने तथा मोरनी में टिक्करताल का मनाली की

तर्ज पर पर्वतारोहण प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित करने तथा इसका आधारभूत संरचना सुदृढीकरण करने का आश्वासन दिया। उन्होंने पिंजौर सेब मंडी में बिजली आपूर्ति के लिए अलग से सब स्टेशन तथा हिमाचल प्रदेश की ओर से सेब लाने वाले वाहनों की पार्किंग व अतिरिक्त पुलिस सुरक्षा मुहैया करवाने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास और पर्यावरण एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। हमें ऐसा विकास चाहिए जो प्रकृति का सम्मान करें, आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित रखें और आर्थिक प्रगति के साथ पर्यावरणीय संतुलन को भी बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि थापली में लगे कैंप में युवाओं को नजदीक से प्रकृति को देखने का मौका मिला है। ऐसे युवा समाज को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक करने का कार्य करेंगे। जिस प्रकार सैकड़ों पर्यावरण प्रेमियों ने पौधरोपण करके समाज को जागरूक करने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक ऑक्सीजन को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश के हर गांव में पंचवटी के नाम से पौधरोपण किया जा रहा है। कुरुक्षेत्र की 48 कोस की परिधि में स्थित 134 तीर्थों में पंचवटी वाटिका बनाने की भी शुरूआत की गई है। शहर गांव पेड़ों की छांव योजना, हर घर हरियाली तथा पौधगिरी जैसी योजनाएं चलाई गई हैं। प्रत्येक गांव के एक युवा को वृक्ष मित्र लगाया गया है। उन्होंने कहा कि औषधीय पौधों एवं वनस्पति के संरक्षण के लिए पूरे राज्य में 53 हर्बल पार्क बनाए गये हैं। मोरनी क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर का औषधीय वन स्थापित किया गया है। प्रदेश के सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान व भिंडावास वन्य जीव अभ्यारण्य को रामसर साइट्स के रूप में अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है।

नीट-यूजी 2026 के ऑल इंडिया सेकेंड टॉपर पंशुल बंसल ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से चंडीगढ़ स्थित उनके आवास पर फरीदाबाद निवासी छात्र पंशुल बंसल ने भेंट की है। पंशुल बंसल ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (स्नातक)-2026 में अखिल भारतीय स्तर पर द्वितीय रैंक प्राप्त कर हरियाणा का गौरव बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री ने पंशुल बंसल को उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पंशुल की यह सफलता हरियाणा सहित पूरे देश के युवाओं के लिए प्रेरणादायी है। उनकी मेहनत, लगन, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण ने यह सिद्ध कर दिया है कि निरंतर प्रयास और दृढ़ संकल्प से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि

हरियाणा के युवा शिक्षा, खेल, विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा अन्य विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश और देश का नाम रोशन कर रहे हैं। पंशुल बंसल की उपलब्धि भी इसी गौरवशाली परंपरा का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। इस अवसर पर पंशुल बंसल ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका स्नेह, आशीर्वाद और प्रोत्साहन उन्हें भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा।

प्रजातंत्र में प्रदर्शन का अधिकार है, लेकिन लोकसभा में जबरन प्रवेश की अनुमति नहीं : अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि ''लोकतंत्र प्रतिनिधित्व से चलता है, उसके लिए नुमायंदे बनाए जाते हैं, इसलिए ऐसे लोगों को अपने नुमायंदों के ऊपर दबाव बनाना चाहिए, क्यों न वे इनकी बात को आगे आकर रखें''। विज यह भी कहा कि ''प्रजातंत्र में जलसे, जूलुस, धरने व प्रदर्शन व अपनी आवाज उठाना का अधिकार है, परंतु अगर कोई ग्रुप यह कहें, कि हम 500 आदमी लोकसभा के अंदर जाकर अपनी बात कहेंगें और लोकसभा में घुसने की कोशिश करेंगें, जबकि ऐसा दुनियाभर के किसी भी प्रजातंत्र में इजाजत नहीं दी जाती है''। इसके अलावा, विज ने कांग्रेस पार्टी पर ब्यान प्रहार करते हुए कहा कि ''कांग्रेस एक बाधा पार्टी है और इनका काम किसी भी तरह से बाधा पैदा करना है, इससे लोगों का नुकसान होता है''। विज चण्डीगढ में पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। *हर सत्र से पहले विपक्ष नई डाक्यूमेंट्री रिलिज कर देता हैं- विज*

ऊर्जा मंत्री ने विपक्ष का जवाब देते हुए कहा कि विपक्ष का कहना है कि महात्मा गांधी जी ने भी बहुत धरने दिए थे। लेकिन महात्मा गांधी जी ने कभी किसी को पत्थर नहीं मारा था। लेकिन वहीं, इस प्रदर्शन के

दौरान पुलिस वालों को भी बहुत चोंटें लगी हैं, जबकि महात्मा गांधी जी के किसी भी प्रदर्शन के दौरान किसी ने कोई पत्थर मारें मारें हो, तो बता दों। विज ने कहा कि अगर हम पिछले 15 से 20 सत्रों की जानकारी जुटाएंगें तो पता चलेगा कि हर सत्र से पहले विपक्ष नई डाक्यूमेंट्री रिलिज कर देता हैं। ये वहीं लोग होते हैं जो तरह-तरह के पात्र बनकर आ जाते हैं। जबकि इनका मकसद सरकार के काम में बाधा डालना होता है। इससे लोगों को नुकसान होता है। उन्होंने पेपर लीक के संबंध में कहा कि गत दिवस जयप्रकाश नडडा जी ने उनकी बात सुन ली है उनका पत्र भी ले लिया, इसलिए बात खत्म हो जानी चाहिए। इसलिए अब सरकार विचार करेगी, इसलिए बात खत्म हो जानी चाहिए लेकिन अब नए कलाकार आ गए हैं। ये नई बात कर रहे है, तो ऐसे प्रजातंत्र नहीं चलता।विपक्ष के नेता राहुल गांधी के ब्यान कि संसद में बात नहीं रखने दी जाएगी तो हम सडक पर अपनी बात रखेंगें, के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में श्री विज ने कहा कि संसद में कौन रोक रहा है जबकि वह कह रहे हैं कि आकर बात करो। इससे पहले भी कहा कि हम बात सुनने के लिए तैयार हैं। जबकि ये धरना देकर बाहर बैठे हुए हैं। संसद के अंदर जाकर अपनी बात रखों और कहो अपनी बात, सरकार को समझाओ अपनी बात, लेकिन सरकार को समझाने से पहले खुद भी बात समझनी पडती है।

आंगनबाड़ी केंद्र पहुंची डीसी, रिकॉर्ड व्यवस्थित नहीं मिलने पर वर्कर व सुपरवाइजर को नोटिस

एजेंसी

कैथल। डीसी अपराजिता ने सुबह शहर के बलराज नगर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने राशन की उपलब्धता, बच्चों व कर्मचारियों के हाजिरी रजिस्टर, स्टॉक रजिस्टर, दवाइयों, खिलौनों तथा अन्य व्यवस्थाओं की जांच की। रिकॉर्ड संतोषजनक ना मिलने पर डीसी ने संबंधित आंगनबाड़ी वर्कर एवं सुपरवाइजर को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही जिला कार्यक्रम अधिकारी सपना को नियमित रूप से फील्ड विजिट करने और आंगनबाड़ी केंद्रों की निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान डीसी ने राशन के बारे में जानकारी ली। उन्होंने राशन के स्टॉक, राशन रखने के बॉक्स का बारीकी से निरीक्षण किया और उसे अच्छे ढंग से रखने के निर्देश दिए। इसके अलावा बच्चों और कर्मचारियों के हाजिरी रजिस्टर तथा स्टॉक रजिस्टर की भी विस्तार से जांच की गई। डीसी ने केंद्र में उपलब्ध आयरन एवं फोलिक एसिड सिरप की एक्सपायरी डेट भी जांची और निर्देश दिए कि टीकाकरण आदि की समुचित वीडियोग्राफी भी करवाई जाए। निरीक्षण के दौरान बच्चों की

लंबाई और वजन नापने वाली मशीन खराब मिली, जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई। डीसी अपराजिता ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिए कि जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों का नियमित निरीक्षण कर उनकी आवश्यकताओं की सूची तैयार कर उपायुक्त कार्यालय को भेजी जाए। जिन केंद्रों में मशीनें खराब हैं, उन्हें तत्काल ठीक कराया जाए तथा आवश्यकता होने पर नई मशीनों की मांग भेजी जाए, ताकि बच्चों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने टिफिन बैठक में कार्यकर्ताओं के साथ किया सहभोज

एजेंसी

चण्डीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कालका विधानसभा के पिंजौर मंडल के मानकपुर शक्तिकेंद्र पर आयोजित टिफिन बैठक में स्थानीय बूथ कार्यकर्ताओ, सरकारी योजना के लाभार्थियों के साथ सह भोज किया। इस मौके पर पंचकूला जिला अध्यक्ष अजय मित्तल, कालका विधायिका शक्ति रानी शर्मा, मंडल अध्यक्ष हरीश मोंगा, जिला उपाध्यक्ष पवन कुमारी, जिला आई प्रमुख करण जोशी, शक्ति केंद्र प्रमुख राम कुमार शर्मा, वार्ड पार्षद गुलशन ठाकुर, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष सुनील धीमान सहित तमाम भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

टिफिन बैठक में अपना टिफिन लेकर पहुंचे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बूथ कार्यकर्ताओ और स्थानीय लाभार्थियों के साथ सामूहिक भोजन करना उनके लिए बड़े ही सौभाग्य की बात है।उन्होंने कहा कि हरियाणा के सभी 4729 शक्तिकेन्द्रो पर टिफिन बैठक का आयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा की बूथ कार्यकर्ताओ के साथ नियमित संवाद, बैठकों के माध्यम से कार्यकर्ताओ के विचार को सुनना और उनके सुख-दुख में मज़बूती से खड़े रहना भाजपा की कार्यसंस्कृति

है। उन्होंने कहा कि टिफ़िन बैठक का मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओ के मध्य आत्मीयता का भाव बढ़ाने एवं बेहतर तालमेल बनाये रखना है। इस मौके पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पार्टी कार्यकर्ताओ से डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम, मन की बात कार्यक्रम, बूथ समिति संरचना सहित तमाम सांगठनिक विषयो पर चर्चा की। टिफ़िन बैठक के उपरांत एससी समाज के तमाम लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री को हलवा खिला कर मुंह मीठा करवाया एवं सरकारी योजनाओ के लिए धन्यवाद व्यक्त किया। हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ कृष्ण बेदी ने सेक्टर 9, कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने महेशपुर, कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा ने सेक्टर 21, एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पं. मोहन लाल बड़ौली ने कुण्डी शक्तिकेंद्र पर आयोजित टिफ़िन बैठक में कार्यकर्ताओ संग सहभोज किया एवं सांगठनिक चर्चा की। इस मौके पर जिला अध्यक्ष अजय मित्तल भी मौजूद रहे।

गुरुग्राम में 28 किलोमीटर के मेट्रो कॉरिडोर पर काम शुरू

एजेंसी

चंडीगढ़। साइबर सिटी गुरुग्राम में मेट्रो के विस्तार को केंद्र सरकार की मंजूरी मिल चुकी है और इसका कार्य शुरू हो चुका है। जून 2026 तक यह कार्य तीन प्रतिशत हुआ है। राज्यसभा सांसद संजय भाटिया द्वारा राज्यसभा में इस संबंध में उठाए गए सवाल के जवाब में केंद्र सरकार ने गुरुग्राम मेट्रो के संबंध में अपनी रिपोर्ट पेश की है।

आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने राज्यसभा में लिखित उत्तर में बताया कि देश के 26 शहरों में लगभग 1,159 किलोमीटर का मेट्रो नेटवर्क (आरआरटीएस सहित) संचालित है। इसके अतिरिक्त विभिन्न राज्यों में कई नई मेट्रो परियोजनाएं स्वीकृत एवं निर्माणाधीन हैं। सरकार ने जून 2026 तक सभी स्वीकृत परियोजनाओं की भौतिक प्रगति का विवरण भी सदन के पटल पर रखा। राज्यसभा में संजय भाटिया द्वारा हरियाणा से संबंधित पूछे गए प्रश्न के उत्तर में केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया कि मिलेनियम सिटी सेंटर गुरुग्राम से साइबर सिटी तथा द्वारका एक्सप्रेसवे तक 28.5 किलोमीटर लंबी मेट्रो परियोजना को मंजूरी प्रदान की जा चुकी है। परियोजना पर निर्माण कार्य शुरू हो चुका है और जून 2026 तक लगभग 3.3 प्रतिशत भौतिक प्रगति दर्ज की गई है।

केंद्र सरकार के अनुसार इस मेट्रो परियोजना के पूर्ण होने से गुरुग्राम में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूती मिलेगी, निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी, ट्रैफिक जाम और वायु प्रदूषण में कमी आएगी तथा यात्रियों को अधिक सुरक्षित, तेज और विश्वसनीय परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में भी कमी लाने में मदद मिलेगी। सदन में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार केंद्र सरकार ने मेट्रो परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता में भी निरंतर वृद्धि की है। वर्ष 2023-24 में मेट्रो परियोजनाओं के लिए 23,102.20 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए गए थे, जबकि 2026-27 के बजट अनुमान में यह राशि बढ़ाकर 30,942.05 करोड़ रुपये कर दी गई है।

आईटीआई छात्रों को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना सरकार का लक्ष्य: गौरव गौतम

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि प्रदेश सरकार का मुख्य लक्ष्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में पढ़ रहे छात्रों को आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है, ताकि राज्य के युवा देश की अग्रणी एवं प्रतिष्ठित औद्योगिक कंपनियों की जरूरतों के अनुरूप तैयार होकर उनसे जुड़ सकें। हरियाणा सिविल सचिवालय में कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग की उच्च स्तरीय खरीद समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए राज्य मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। बैठक के दौरान आईटीआई में प्रशिक्षण की गुणवत्ता को और सुधारने तथा नए जमाने के तकनीकी संसाधनों को शीघ्रता से उपलब्ध कराने पर विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि प्रदेश की आईटीआई में अत्याधुनिक मशीनरी एवं नए उपकरण मुहैया करवाए जाएंगे, जिससे युवाओं को उद्योगों की तात्कालिक मांग के अनुसार आधुनिक विधाओं में पूरी तरह निपुण और एक विकसित व सशक्त भारत के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकेंगे।उन्होंने कहा कि

बनाया जा सके।गौरव गौतम ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल शैक्षणिक डिग्री होना ही काफी नहीं है, बल्कि व्यावहारिक कौशल से युक्त युवा ही सबसे बड़ी ताकत हैं। केंद्र एवं राज्य सरकार का साझा और स्पष्ट लक्ष्य है कि प्रदेश के 'हर हाथ को हुनर' मिले। जब युवा कौशल संपन्न होंगे, तभी वे आत्मनिर्भर बनेंगे प्रदेश सरकार युवाओं के कौशल विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। आईटीआई में आधुनिक तकनीकों के समावेश से छात्रों को न केवल बेहतर प्रशिक्षण मिलेगा, बल्कि वे सीधे औद्योगिक क्षेत्र की मांग को पूरा करने में सक्षम होंगे। इससे प्रदेश में युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

एसआईआरः हरियाणा में केवल 18,650 मतदाताओं का सत्यापन शेष

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान का काम अंतिम पड़ाव में पहुंच गया है। बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) प्रदेश के 99.91 प्रतिशत मतदाताओं तक पहुंच चुके हैं और अब केवल 18 हजार 650 मतदाताओं का सत्यापन शेष रह गया है। 16 जिलों में घर-घर जाकर फील्ड वेरिफिकेशन का कार्य पूरी तरह समाप्त हो चुका है, जबकि शेष छह जिलों में अंतिम चरण का काम जारी है। राज्य निर्वाचन आयोग से मिली शाम तक की रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश के कुल 2 करोड़ 6 लाख 55 हजार 929 मतदाताओं में से 2 करोड़ 6 लाख 37 हजार 279 तक बीएलओ पहुंच चुके हैं। इनमें 01 लाख 72 लाख 8 हजार 810 मतदाताओं के एन्यूमरेशन फॉर्म डिजिटाइज किए जा चुके हैं। वहीं 34 लाख 28 हजार 469 मतदाता ऐसे मिले, जिनके फॉर्म विभिन्न कारणों से एकत्र नहीं हो सके और उन्हें 'अनकलेक्टेबल' श्रेणी में रखा गया है। यही दोनों श्रेणियां मिलकर 99.91 प्रतिशत कवरेज बनाती हैं।फॉर्म डिजिटाइजेशन में फतेहाबाद पूरे प्रदेश में पहले स्थान पर पहुंच गया है। यहां 92.83 प्रतिशत मतदाताओं के फॉर्म डिजिटल रिकॉर्ड में शामिल हो चुके हैं। इसके बाद महेंद्रगढ़ (91.33 प्रतिशत), चरखी दादरी (90.48 प्रतिशत), भिवानी (90.02 प्रतिशत) और सिरसा (89.96 प्रतिशत) का स्थान है। नूंह, कैथल, जींद, हिसार, रेवाड़ी, कुरुक्षेत्र और पलवल ने भी राज्य के औसत 83.31 प्रतिशत से बेहतर प्रदर्शन किया है। इन जिलों में डिजिटाइजेशन की रफ्तार अपेक्षाकृत तेज रही। राज्य के बड़े शहरी और एनसीआर से जुड़े जिलों में डिजिटाइजेशन की गति अपेक्षाकृत धीमी रही। गुरुग्राम सबसे पीछे है, जहां केवल 69.79 प्रतिशत फॉर्म ही डिजिटाइज हो सके हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 25 पैसे की गिरावट के साथ ही 96.54 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया 96.34 प्रति डॉलर पर खुला।

वहीं गत दिवस ये 96.27 पर बंद हुआ था। कच्चे तेज की कीमतों में आई तेजी से भी रुपये पर दबाव आया है। । वैश्विक अनिश्चितता बढ़ने से भी एशिया की अधिकतर मुद्राओं की तरह रुपया भी दबाव में रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि निवेशकों के सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख करने से अमेरिकी डॉलर की मांग बढ़ी जिससे भी रुपये पर दबाव बना।

डॉलर जुटाने के लिए सरकार की महामुहिम, बैंकों को मिले टारगेट

आरबीआई की रियायती स्वैप योजना से 20.72 अरब डॉलर का प्रवाह, वित्त मंत्रालय ने तय किए बैंकों के लिए एफसीएनआर-बी लक्ष्य

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा विदेशी मुद्रा आकर्षित करने के लिए शुरू की गई रियायती स्वैप योजना ने शानदार शुरुआत की है। 17 जुलाई तक इस योजना के तहत 20.72 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आकर्षित हुआ है, जिसमें विदेशी मुद्रा अनिवासी भारतीय (बैंक) जमा यानी (एफसीएनआर-बी) का बड़ा योगदान है। इस गति को बनाए रखने के लिए वित्त मंत्रालय ने अब बैंकों के लिए 30 सितंबर तक एफसीएनआर-बी जमा जुटाने के विशिष्ट लक्ष्य निर्धारित कर दिए हैं, जो इस योजना की अंतिम तिथि भी है। सरकार का लक्ष्य विभिन्न उपायों से कुल 90 अरब डॉलर जुटाना है, जिसे पूरा करने के लिए बैंकों पर दबाव बढ़ गया है।विदेशी मुद्रा प्रवाह का प्रदर्शनः आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, रियायती स्वैप योजनाओं ने 17 जुलाई तक कुल 20.72 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित किया है। इसमें एफसीएनआर-बी योजना से 17.4 अरब डॉलर, विदेशी मुद्रा उधारी (ओएफसीबी) से 1.97 अरब डॉलर और बाह्य वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) की स्वैप सुविधा से 1.34 अरब डॉलर का प्रवाह शामिल है। ये आंकड़े जून में घोषित मौद्रिक नीति समीक्षा के उपायों की सफलता को दर्शाते हैं, जिनका उद्देश्य भुगतान संतुलन को मजबूत करना और पूंजी अंतर्वाह को प्रोत्साहित करना था। वित्त मंत्रालय का हस्तक्षेप और बैंकों के लक्ष्यः विदेशी मुद्रा प्रवाह को और गति देने के लिए, वित्त मंत्रालय ने वित्तीय सेवा विभाग के माध्यम से सरकारी बैंकों को एफसीएनआर-बी जमा जुटाने के लिए विशिष्ट लक्ष्य सौंपे हैं। बैंकों को विदेशी मुद्रा प्रवाह को आकर्षित करने के लिए आक्रामक रणनीतियाँ तैयार करने का निर्देश दिया गया है। इंडियन ओवरसीज बैंक ने अपने एफसीएनआर-बी जमा लक्ष्य को बढ़ाकर 60-65 करोड़ डॉलर कर दिया है, जो पहले 50 करोड़ डॉलर था। इसके अतिरिक्त आईओबी विदेशी मुद्रा उधारी से 35-40 करोड़ डॉलर अतिरिक्त जुटाने का लक्ष्य बना रहा है। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने एफसीएनआर-बी जमा के रूप में 40 करोड़ डॉलर जुटाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।योजना की समय-सीमा और बाजार का आकलनः एफसीएनआर-बी विंडो 30 सितंबर तक उपलब्ध है, लेकिन इसके लिए विशिष्ट जमा जुटाने की अंतिम तिथि 30 सितंबर है। वहीं ओएफसीबी और ईसीबी सुविधाएं 31 दिसंबर तक उपलब्ध रहेंगी। बाजार विशेषज्ञों ने इस योजना के प्रदर्शन को उत्साहजनक बताया है, खासकर विकसित अर्थव्यवस्थाओं में ऊंची ब्याज दरों के बावजूद अच्छे अंतर्वाह के कारण। स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक की ए क अर्थशास्त्र अनुसंधान प्रमुख के अनुसार प्रवाह अपेक्षाओं के अनुरूप हैं और आंकड़े उत्साहजनक हैं। सितंबर के अंत तक एक सार्थक राशि सुनिश्चित करने के लिए गति में निरंतरता या आगे वृद्धि की निगरानी करना महत्त्वपूर्ण है।

हैवेल्स ने पहली तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया, लॉयड कंज्यूमर सेगमेंट ने किया निराश

कच्चे माल और विज्ञापन पर ज्यादा खर्च की वजह से मुनाफे पर पड़ा असर

नई दिल्ली,।

कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल और ड्यूरेबल्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनी हैवेल्स इंडिया ने पहली तिमाही में राजस्व के मामले में शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन उसका परिचालन प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। जहां केबल और वायर, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और अक्षय ऊर्जा कारोबार की वजह से राजस्व वृद्धि अच्छी रही, वहीं लॉयड कंज्यूमर सेगमेंट ने निराश किया। हालांकि कच्चे माल और विज्ञापन पर ज्यादा खर्च की वजह से मुनाफे पर असर पड़ा, लेकिन उम्मीद है कि दूसरी तिमाही में मार्जिन में सुधार होगा, जिसका कारण कीमत वृद्धि और विपणन खर्च सामान्य होना है। पिछले छह महीनों में इस शेयर का प्रदर्शन बीएसई 100 के मुकाबले काफी खराब रहा है। इस दौरान इसमें 16 फीसदी की गिरावट आई, जबकि प्रमुख सूचकांक में 4 फीसदी की कमजोरी रही।रिपोर्ट के मुताबिक ब्रोकरेज कंपनी की लंबी अवधि की संभावनाओं को लेकर सकारात्मक है और उसने 'खरीदें' रेटिंग बरकरार रखी है, लेकिन कीमत लक्ष्य को घटाकर 1,379 रुपए कर दिया है। कंपनी ने जून तिमाही में सालाना आधार पर 19.7 फीसदी की राजस्व वृद्धि दर्ज की। इसमें सभी श्रेणियों में मजबूत मांग का योगदान शामिल रहा। राजस्व में यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से केबल और वायर सेगमेंट में 27 फीसदी की सालाना बढ़त और उसके बाद लॉयड के राजस्व में 15 फीसदी वृद्धि की वजह से हुई। अन्य सेगमेंट में इलेक्ट्रिकल कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और लाइटिंग ने क्रमशः 12 फीसदी और 4 फीसदी की सालाना राजस्व बढ़ोतरी दर्ज की, लेकिन कम निर्यात के कारण स्विचगियर सेगमेंट में 3 फीसदी की सालाना गिरावट आई।

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतें बढ़ती जा रही हैं। बुधवार को भी इन दोनो ही कीमती धातुओं में तेजी रही। आज एमसीएक्स पर 10 ग्राम सोने की कीमतें 1597 रुपए की तेजी के साथ 1,44,480 रुपए पर पहुंच गयीं। वहीं चांदी की कीमत में भी करीब 2376 रुपए की तेजी रही। अब एक किलोग्राम चांदी 2,26,155 रुपए पर आ गयी है।

वहीं सर्राफा बाजार में मंगलवार को हाजिर मांग में तेजी और मजबूत वैश्विक रुख के कारण सोने की कीमतों में 800 रुपए की बढ़ोतरी हुई और यह 1.47 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं स्थानीय कारोबारियों के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 800 रुपए बढ़कर 1,47,700 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) हो गई। सोमवार को यह 1,46,900 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। दूसरी ओर चांदी की कीमत 2,21,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर बनी रहीं। पर स्थिर रही।

यूपीआई का अगला पड़ाव, अब बिना इंटरनेट भी करें पेमेंट!

हवाई जहाज से मेट्रो तक, हर जगह चलेगा यूपीआई

नई दिल्ली।

भारत में डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव आने वाला है, जहां यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) एक नई क्रांतिकारी क्षमता के साथ ऑफलाइन भुगतान की सुविधा प्रदान करेगा। यह सुविधा उन ग्राहकों और व्यापारियों के लिए गेम-चेंजर साबित होगी जिनके पास लेनदेन के समय इंटरनेट कनेक्शन उपलब्ध नहीं होगा। घटनाक्रम से अवगत कम से कम तीन लोगों ने इसकी जानकारी दी है।

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा विकसित की जा रही इस तकनीक से उपयोगकर्ता हवाई जहाजों, भूमिगत मेट्रो और दूरदराज के क्षेत्रों में भी नियर फील्ड कम्युनिकेशन (एनएफसी) का उपयोग करके पीओएस (पॉइंट ऑफ सेल) टर्मिनलों पर टैप एंड पे कर सकेंगे। यह नई क्षमता विशेष रूप से तब काम आएगी जब ग्राहक के उपकरण या व्यापारी के पीओएस टर्मिनल पर इंटरनेट कनेक्शन उपलब्ध न हो। इससे हवाई जहाज के भीतर या भूमिगत मेट्रो स्टेशनों जैसी जगहों पर भुगतान करना बेहद आसान हो जाएगा। जानकारी के अनुसार एनपीसीआई इस वर्ष देश के प्रमुख व्यापारी टर्मिनल विनिर्माताओं के पीओएस उपकरणों को प्रमाणित करने की तैयारी में है ताकि ऑफलाइन यूपीआई भुगतान को व्यापक रूप से उपयोग में लाया जा सके। उपयोगकर्ता एनएफसी तकनीक का लाभ उठाते हुए, ऑफलाइन व्यापारी टर्मिनलों पर अपने डिवाइस को टैप करके भुगतान कर सकेंगे। इन लेनदेन की सीमा 2,000 रुपए तक होगी। यह अनुभव बिल्कुल वैसा ही होगा जैसा उपयोगकर्ता वर्तमान में कार्ड-टैप के माध्यम से उड़ानों या अन्य ऑफलाइन सेटिंग्स में करते हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 715, निफ्टी 191 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आयी है। इसके अलावा अमेरिका के आयातित जेनेरिक दवाओं पर टैरिफ लगाने की योजना से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इससे दवा कंपनियों के शेयरों में खासी गिरावट आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई संसेक्स अंत में 715.06 अंक टूटकर 76,755.05 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 191.45 अंक नीचे आकर 23,996.25 अंक पर बंद हुआ।

आज बाजार में आई गिरावट से बाजार पूंजीकरण 4 लाख करोड़ रुपये नीचे आकर र 480 लाख करोड़ रुपये ही रह गया। जिससे भी निवेशकों को भारी नुकसान हुआ। आज सेंसेक्स के 30 में से 23 शेयरों में गिरावट रही। एक्सिस बैंक, इन्फोसिस, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस, अडानी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा के शेयर गिरे। वहीं दूसरी ओर, हिंदुस्तान यूनिलीवर, पावरग्रिड, एनटीपीसी, टाइटन, एशियन पेंट्स, आईटीसी के शेयरों में तेजी रही।

आज दवा कंपनियों के शेयरों तें जबरदस्त गिरावट आई। सन फार्मा का शेयर 0.98 फीसदी गिरावट के साथ 1942.95 रुपये पर बंद हुआ। डॉ रेड्डीज लैब का शेयर 1.95 फीसदी गिरकर 1183 रुपये पर बंद हुआ। अरबिंदो फार्मा का शेयर भी 1.99 फीसदी नीचे 1549 रुपये पर बंद हुआ।

निफ्टी में इंडिगो, डॉ. रेड्डीज़ लैबोरेटरीज और जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में भी गिरावट दर्ज की गयी। निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी रियल्टी में सबसे ज्यादा गिरावट आई। वहीं, निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी ऑटो में सबसे ज्यादा तेजी देखी गई।

वहीं इससे पहले आज सुबह भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ खुला। सुबह 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में करीब 388 अंक की गिरावट के साथ 77,081 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी गिरावट के साथ ही 24,100 अंक के आसपास बना रहा।

महाराष्ट्र सरकार ला रही है देश का पहला ब्लॉकचेन लैंड कानून

अब जमीन के मूल्य के आधार पर जारी टोकन के जरिए होंगे लेन-देन

नई दिल्ली।

महाराष्ट्र सरकार ने 'महाराष्ट्र डिजिटाइजेशन ऐंड एक्सचेंज ऑफ लैंड टोकन ऐसेट' (डेल्टा) अधिनियम पर कदम बढ़ाना शुरू कर दिया है। इस अधिनियम का मकसद अचल संपत्तियों का ब्लॉकचेन-आधारित टोकनाइजेशन करना है। टोकनाइजेशन जानकारियां सुरक्षित रखने की प्रक्रिया है जिसमें संवेदनशील जानकारियां टोकन में तब्दील कर दी है। राज्य सरकार जमीन की वास्तविक क्षमता या अव्यक्त मूल्य का लाभ लेने और साल 2030 तक 1 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह में राजस्व के नए स्रोत तैयार करना चाह रही है। सोमवार को राज्य के सीएम देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई बैठक में राज्य ने प्रस्तावित अधिनियम के मसौदे पर चर्चा की।

इस अधिनियम का मकसद ब्लॉकचेन तकनीक का इस्तेमाल कर जमीन से जुड़ी जानकारियों के डिजिटलीकरण टोकनाइजेशन के लिए एक कानूनी ढांचा तैयार करना है। सीएमओ की तरफ से जारी एक वक्तव्य के मुताबिक फडणवीस ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अचल संपत्तियों की अव्यक्त मूल्य का इस्तेमाल जनहित में करने के लिए नया कानून प्रस्तावित करें। इस समिति में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी), बीएसई और एनएसई के प्रतिनिधियों के साथ-साथ इस क्षेत्र की जानकारी रखने वाले विशेषज्ञ और अनुभवी पेशेवर शामिल होंगे। प्रस्तावित कानून का मकसद एक पूर्ण डिजिटल ढांचा तैयार करना जिसमें अचल संपत्तियों को उनके असल मूल्य के आधार पर टोकन में बदला जा सके।

इससे ब्लॉकचेन तकनीक के जरिये लेन-देन हो सकेंगे जिसमें जमीन के मूल्य के आधार पर जारी किए गए टोकन के जरिए से लेन-देन होंगे।सरकार ने कहा कि इस कानूनी ढांचे का मकसद ऐसे लेन-देन को कानूनी सुरक्षा देना और जायदाद के मालिकाना हक को लेकर स्पष्टता लाना है। फडणवीस ने अधिकारियों से यह भी कहा कि वे कानून को अंतिम रूप देने से पहले परिसंपत्ति टोकेनाइजेशन से जुड़े अंतरराष्ट्रीय कानूनों, नियमों और काम-काज के तरीकों का अध्ययन करें।

सरकार के मुताबिक अगर महाराष्ट्र इस प्रस्ताव पर आगे बढ़ता है तो वह इस तरह का कानून लाने वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा।

सीएम ने कहा कि प्रस्तावित कानून सुधारों के मोर्चे पर अग्रणी रहने के महाराष्ट्र के इतिहास को मजबूती से आगे बढ़ाना चाहिए।उन्होंने कहा कि इस नए कानून की मदद से राज्य को शासन और आर्थिक विकास के लिए नई तकनीक अपनाने में भी सक्षम होना चाहिए।

दवा कंपनी ल्यूपिन ने दो ऑन्कोलॉजी कार्यक्रमों को अलग करने की घोषणा की

वैश्विक क्लीनिकल परीक्षणों के जरिये वित्तीय सहायता के लिए बाहर से जुटाएगी फंड

नई दिल्ली,।

मुंबई की दवा विनिर्माता कंपनी ल्यूपिन ने दो ऑन्कोलॉजी कार्यक्रमों को अलग करने की घोषणा की है। अब ये कार्यक्रम कावेरी थेराप्यूटिक्स में रहेंगे। कावेरी थेराप्यूटिक्स अमेरिका की क्लीनिकल चरण वाली कंपनी है। वह वैश्विक क्लीनिकल परीक्षणों के जरिये उनके विकास की वित्तीय सहायता के लिए बाहर से पूंजी जुटाएगी। दो प्रायोगिक दवाओंङ्क एलएनपी7457 और एलएनपी8701 का एडवांस्ड सोलिड ट्यूमर वाले रोगियों में अध्ययन किया जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक एलएनपी7457 एक प्रोटीन पीआरएमटी5 को अवरुद्ध करती है, जो कुछ कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने में मदद करता है, जबकि एलएनपी8701 ट्यूमर के विकास से जुड़े आरएएस सिग्नलिंग मार्ग को निशाना बनाती है। कावेरी का शुरुआती ध्यान फेफड़े, अग्नाशय और डिम्बग्रंथि के कैंसर के साथ-साथ केंद्रीय तंत्रिका तंत्र से जुड़े कैंसर पर होगा।

इस समझौते के तहत दवा विनिर्माता की पूर्ण स्वामित्व वाली अमेरिकी सहायक कंपनी ल्यूपिन इंक कावेरी में अहम इक्विटी हिस्सेदारी बरकरार रखेगी, शुरुआती वित्तीय सहायता देगी और कंपनी को ये दो कार्यक्रम विकसित करने के लिए विशेष अधिकार देगी। ल्यूपिन ने अपनी हिस्सेदारी के आकार, सीड फंडिंग की राशि या लेनदेन की अन्य वित्तीय शर्तों का खुलासा नहीं किया है। कावेरी एक स्वतंत्र इकाई के रूप में काम करेगी और क्लीनिकल विकास की वित्तीय सहायता के लिए अतिरिक्त पूंजी जुटाएगी। यह संरचना ल्यूपिन को परिसंपत्तियों में आर्थिक हित बनाए रखने की अनुमति देती है।

बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड के अब बदलेंगे दिन, सेबी के नए नियम के बाद नई स्कीमें होंगी लॉन्च

नई दिल्ली,।

बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड अभी तक 1,000 करोड़ रुपए से थोड़ी ज़्यादा परिसंपत्ति वाले सबसे छोटे म्युचुअल फंड हैं, अब इनके दिन बदलने वाले हैं।

ऐसा इसलिए है कि फंड कंपनियां नई योजनाएं शुरू करने की तैयारी में हैं। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्युचुअल फंड ने हाल ही में इस श्रेणी में एक स्कीम लॉन्च की है

जबकि एसबीआई और कोटक फंड को इस संबंध में नियामकीय मंजूरी मिल गई है। वे जल्द ही अपनी स्कीम लॉन्च करेंगे। सेबी की 2017 की योजना श्रेणीकरण प्रक्रिया के बाद से यह श्रेणी हाशिये पर रही है। इस प्रक्रिया के तहत फंड कंपनियों को एग्रेसिव हाइब्रिड फंड और बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड में से किसी एक को चुनना था।ज्यादातर फंड हाउस ने एग्रेसिव हाइब्रिड स्कीम को चुना क्योंकि इनमें कम से कम 65 फीसदी इक्विटी निवेश किया जा सकता है,

जिससे उनको कर के मकसद से इक्विटी-ओरिएंटेड फंड की पात्रता मिल जाती है। बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड, इक्विटी और डेट में 40-60 फीसदी निवेश करते हैं। वे इक्विटी निवेश बढ़ाने के लिए आर्बिट्राज का इस्तेमाल नहीं करते हैं

और इसलिए उन पर नॉन-इक्विटी फंड के तौर पर टैक्स लगता है, लेकिन 2024 में पूंजीगत लाभ कर में बदलावों के बाद कर से जुड़ा नुकसान कम हो गया है।

अब बैलेंस्ड हाइब्रिड फंडों पर दो साल तक होल्ड करने के बाद लंबी अवधि के पूंजीगत लाभ पर 12.5 फीसदी कर लगता है, जिससे इनकी कर दर इक्विटी फंडों के बराबर हो गई है,

लेकिन इक्विटी योजनाओं के लिए होल्डिंग का समय एक साल से ज्यादा होना जरूरी है। कर संबंधी नुकसान कम होने के बावजूद फंड हाउस संतुलित हाइब्रिड फंड लॉन्च करने में असमर्थ थे क्योंकि ज्यादातर फंड हाउस पहले से ही आक्रामक हाइब्रिड योजनाएं पेश कर दी थीं। इस साल की शुरुआत में सेबी ने फंडों को दोनों श्रेणियों की योजनाएं पेश करने की अनुमति दे दी जिसके बाद से स्थिति बदल गई। उद्योग जगत के जानकारों का कहना है कि बैलेंस्ड एडवांटेज फंड के समान दिखने के बावजूद इस श्रेणी की हाइब्रिड फंडों के बीच खास विशेषता है।

2028 से आयातित जेनेरिक दवाओं पर भारी आयात शुल्क लगाएगा अमेरिका

ट्रंप ने कहा-100 फीसदी लगाएंगे शुल्क, इस फैसले से भारत पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली,।

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने बुधवार को घोषणा की कि अमेरिका अगस्त 2028 से आयातित जेनेरिक दवाओं पर भारी आयात शुल्क लगाएगा। उन्होंने कहा कि इस कदम का मकसद जेनेरिक दवाओं के उत्पादन को दोबारा अमेरिका में बढ़ावा देना है। इस फैसले का असर भारत पर भी पड़ सकता है, क्योंकि भारत अमेरिका को जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा निर्यातक है। ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि 1 अगस्त 2026 से अमेरिका में आयात होने वाली सभी जेनेरिक दवाओं पर अगले दो सालों तक कोई आयात शुल्क नहीं लगाया जाएगा। इसके बाद एक साल के लिए 100 फीसदी शुल्क लगाया जाएगा और उसके बाद इसे बढ़ाकर 200 फीसदी कर दिया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने कहा कि यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि जेनेरिक दवाओं का उत्पादन दोबारा अमेरिका में शुरू हो, जिन कंपनियों को तय समय के अंदर अमेरिका में अपने संयंत्र और उपकरण स्थापित नहीं करेंगे, उन्हें इस शुल्क का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप ने कहा कि इस नीति का मसकद अमेरिका के लोगों के हितों की रक्षा करना है। ट्रंप ने यह भी साफ किया कि पेटेंट वाली, ब्रांडेड या नवोन्मेषी दवाओं से जुड़ी मौजूदा नीति में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। ट्रंप लगातार दवा कंपनियों से अपनी उत्पादन इकाइयां अमेरिका में स्थापित करने की अपील करते रहे हैं। इसी दिशा में उनकी सरकार ने अप्रैल 2025 में ट्रेड एक्सपेंशन एक्ट के तहत राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर दवा उद्योग की जांच भी शुरू की थी। इस जांच का मकसद यह आकलन करना था कि आयातित दवाओं पर अमेरिका की निर्भरता राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए कितना जोखिम पैदा करती है।

भारत को दुनिया के कई देशों को जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2025 में भारत ने अमेरिका को 9.7 अरब डॉलर मूल्य की दवाओं का निर्यात किया।

नकदी अंतरण योजनाओं ने लाभार्थियों की बचत और व्यय में काफी इजाफा किया

कई राज्य अब बड़े पैमाने पर लाभार्थी डेटाबेस की छंटाई कर रहे, बढ़ी चिंता

नई दिल्ली,।

चंद सप्ताह पहले पीएम मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद के एक कार्यपत्र में पाया गया कि महाराष्ट्र और ओडिशा में महिलाओं पर केंद्रित नकदी अंतरण योजनाओं ने लाभार्थियों की बचत और व्यय में काफी इजाफा हुआ और इसके साथ ही परिवार के अन्य सदस्यों की वित्तीय स्थिति में भी सुधार आया।

भारत में 'महिलाओं को बिना शर्त नकदी अंतरण कार्यक्रमः महाराष्ट्र और ओडिशा के प्रमाण' शीर्षक वाले इस पत्र में पाया कि महाराष्ट्र की मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिण योजना के कारण महीने के अंत में लाभार्थियों के बैंक खाते में बची राशि में 84 फीसदी या करीब 6,884 रुपए बढ़े जबकि मासिक व्यय 46 फीसदी यानी 1,349 रुपए बढ़ा।ओडिशा की सुभद्रा योजना के कारण मासांत की बैंक खाता राशि 45 फीसदी बढ़कर 6,887 रुपए हो गई जबकि व्यय में 28 फीसदी यानी 1,920 रुपए की बढ़त हुई। ये नतीजे इस बात पर बल देते हैं

कि महिलाओं को नियमित नकद अंतरण तमाम सामाजिक-आर्थिक संकेतकों पर सुधार दर्शाता है।कुछ साल पहले नैशनल ब्यूरो ऑफ इकनॉमिक रिसर्च के एक कार्यपत्र 'लैंगिक समानता और बाल विकास के लिए मातृत्व नकदी अंतरणः भारत में प्रयोगों के प्रमाण' ने बड़े पैमाने पर किए गए यादृच्छिक मूल्यांकन के आधार पर पाया कि नकद अंतरण प्राप्त करने वाले परिवारों में माताओं और बच्चों के कैलोरी सेवन में 9.6–15.5 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई। साथ ही आहार विविधता और पोषक तत्वों की खपत में भी सुधार हुआ।रिपोर्ट के मुताबिक भोजन की खपत में लैंगिक असमानताएं भी कम हुईं। शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि बच्चों के कार्यात्मक विकास में उल्लेखनीय सुधार हुआ, हालांकि औसत रूप से ऊंचाई और वजन आदि में सुधार नहीं हुआ।

एआई नियम अब और होंगे सख्त! डेटा अधिकार में बड़े बदलाव पर विचार कर रही सरकार

नई दिल्ली,।

केंद्र सरकार आईटी एक्ट, 2000 और इंडिया एआई गवर्नेंस गाइडलाइंस की समीक्षा कर रही है ताकि इनमें कमियों की पहचान की जा सके। सूत्रों के मुताबिक इन कमियों को दूर करने के लिए प्रस्तावित नए एआई कानून में जरूरी प्रावधान किए जाएंगे, जिस पर सरकार काम कर रही है।

सूत्रों के मुताबिक सबसे अहम मुद्दों में से एक यह है कि फ्रंटियर एआई मॉडल और टूल्स विकसित करने वाली कंपनियों की जिम्मेदारी तय करने का ढांचा कैसा हो और क्या उन्हें भी सेफहार्बर का कानूनी संरक्षण दिया जाना चाहिए। एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि हम इस बात पर विचार कर रहे हैं कि इसका ढांचा कैसा होना चाहिए। अभी सामान्य समझ यह है कि ये सभी कंपनियां इंटरनेट इंटरमीडियरी की व्यापक श्रेणी में आती हैं, लेकिन केवल यह कहना कि वे सिर्फ एक टूल उपलब्ध कराती हैं।

और उस टूल से तैयार होने वाले कंटेंट के लिए जिम्मेदार नहीं हैं, उचित तर्क नहीं माना जा सकता।सूत्रों ने बताया कि प्रस्तावित एआई कानून में सिंथेटिक मीडिया के रेगुलेशन, फ्रंटियर एआई मॉडल और टूल्स के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले डेटा पर सहमति की व्यवस्था और लार्ज लैंग्वेज मॉडल व स्मॉल लैंग्वेज मॉडल द्वारा प्रोसेस किए गए डेटा के मालिकाना हक जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हो रही है। इस साल की शुरुआत में सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव की अध्यक्षता में 10 सदस्यीय एआई गवर्नेंस एंड इकोनॉमिक ग्रुप का गठन किया था। इसके अलावा एआईजीईजी के तहत टेक्नोलॉजी एंड पॉलिसी एक्सपर्ट कमेटी भी बनाई गई।

युवा असंतोष : देखना है जोर कितना बाजु-ए-कातिल में है?

निर्मल रानी

छात्र युवा आंदोलन की यह चिंगारी अब शोला बन चुकी है। व्यवस्था से दुखी युवा अपने भविष्य की अनिश्चितताओं के चलते इस समय आर पार की लड़ाई लड़ने के लिये तैयार है और पूरे गुस्से में है। जंतर मंतर पर सत्ता के जुल्म के शिकार युवाओं के मुंह से अब हर तरफ यही सुनाई दे रहा है - सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है। देखना है जोर कितना बाजु -ए-कातिल में है?

देश का भविष्य, युवा शक्ति इन दिनों दिल्ली से लेकर देश के और भी कई नगरों महानगरों में सड़कों पर उतर चुका है। भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल में यह पहला अवसर है जबकि सरकार को इतने व्यापक स्तर पर जन विरोध का सामना करना पड़ रहा है। युवाओं व छात्रों में उपजे इस तरह के राष्ट्रव्यापी असंतोष का मुख्य कारण यह है कि उन्हें अपना भविष्य अंधकारमय नजर आ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में कथित रूप से 152 बार विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होने की घटनायें हो चुकी हैं। इसके चलते लगभग 7.5 करोड़ छात्रों के भविष्य के लिये संकट खड़ा हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वर्ष 2021 से 2026 के बीच नीट परीक्षा के दबाव,अनिश्चितताओं ,पेपर लीक मॉडल और व्यवस्था की नाकामी के चलते मानसिक तनाव में आकर देश में 90 से अधिक छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। देश का युवा केंद्रीय शिक्षा मंत्री से इस्तीफे की मांग कर रहा है। परंतु फिलहाल तो ऐसा प्रतीत हो रहा है कि सरकार ने युवाओं की इस मांग को नकारने को ही अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया है। यही वजह है कि पर्यावरणविद व सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के लंबे अनशन के बावजूद सरकार ने उनकी मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया। नतीजतन जंतर मंतर से युवाओं का सैलाब गत 20 जुलाई को सत्र शुरूआत के पहले ही दिन संसद की ओर निकल पड़ा।

इस पूरे घटनाक्रम के कई अलग अलग पहलू हैं। इनमें एक महत्वपूर्ण पहलू है सरकार का इन प्रदर्शनकारी युवाओं,छात्रों व आंदोलन से निपटने का तरीका। याद कीजिये जब तीन कृषि कानूनों के विरुद्ध दिल्ली की सीमाओं पर 26 नवंबर 2020 से 9 दिसंबर 2021 तक ऐतिहासिक किसान आंदोलन 380 दिनों तक चला था उस समय भी इसी भाजपा सरकार ने आंदोलन को कुचलने के लिये तरह तरह के हथकंडे अपनाये थे। उसे भी पाकिस्तान, माओवादी,खालिस्तानी समर्थक आंदोलन बताया गया था। आंदोलन की फंडिंग पर सवाल खड़ा किया गया था,किसान दिल्ली न पहुँचने पाएं इसके लिये सड़कों पर कीलें बिछाई गयी थीं,कई जगह पक्की दीवारें बनाकर आंदोलन को कमजोर करने की कोशिश हुई थी। परन्तु अन्नदाता कहाँ दबने वाले थे। आखिरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 नवंबर 2021 को तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने का आधिकारिक ऐलान किया। और किसानों ने तीनों काले कृषि कानूनों को वापस करवाकर ही दम लिया। इस तरह के किसान विरोधी प्रोपेगेंडा में तब भी मीडिया ने सत्ता के पक्ष में बड़ी भूमिका निभाई थी और आज भी वही सत्ता परस्त चाटुकार मीडिया छात्रों व युवा शक्ति के इस आंदोलन में ठीक वैसी ही भूमिका निभा रहा है।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और शिक्षा प्रणाली में सुधार को लेकर 28 जून 2026 से अनशन शुरू हुआ था। सोनम वांगचुक व छात्र संगठनों के नेतृत्व में चल रहा यह आंदोलन 34 दिन पूरे कर चुका है। एक तरफ तो देश की लगभग सभी विपक्षी पार्टियों का समर्थन इस आंदोलन को हासिल है तो दूसरी तरफ किसान आंदोलन की ही तरह इस आंदोलन को भी कमजोर व बदनाम करने की साजिश बिकाऊ मीडिया,सत्ता संचालित आई टी सेल व अंधभक्त ट्रोलर्स द्वारा की जा रही है। उदाहरण के तौर पर सोनम वांगचुक जोकि भारत के एक सुप्रसिद्ध इंजीनियर, शिक्षा सुधारक, पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता हैं तथा अपने अनेक अनूठे आविष्कारों और जमीनी स्तर पर शिक्षा व पर्यावरण में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए जाने जाते हैं, उनको चीनी एजेंट बताने की मुहिम छेड़ी गयी। वांगचुक को उनके कार्यों के लिए अब तक लगभग 15 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं, जिनमें प्रमुख रूप से एशिया का नोबेल पुरस्कार समझा जाने वाला रेमन मैग्सेसे पुरस्कार भी 2018 में मिल चुका है। वे लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची के तहत विशेष सुरक्षा प्रदान करने और पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए भी लेह में 21 दिनों का कड़ा अनशन कर चुके हैं और जेल भी जा चुके हैं। ऐसे प्रतिष्ठित समाजसेवी व्यक्ति को चीनी एजेंट के रूप में बदनाम करने का मकसद छात्र आंदोलन को बदनाम करना है।

बहरहाल जब सत्ता के यह हथकंडे कामयाब नहीं हुये तो छल,साजिश और दमन की नीति अपनाकर इस आंदोलन को कुचलने की कोशिश की गयी। 19 /20 जुलाई की रात जंतर मंतर पर धरना स्थल के बिल्कुल करीब पत्थरों से भरा एक ट्रक चुपके से लाकर खड़ा कर दिया गया। उसी के साथ एक टूटी फूटी वैन खड़ी कर दी गयी। जिसे आंदोलनकारी समर्थक सोशल मीडिया ने देर रात चेक कर उसकी वीडिओ वायरल कर दी और युवाओं को चेतावनी दे दी कि यह साजिश का हिस्सा है इससे सचेत रहें। उसके बाद जब युवाओं का जनसैलाब 20 जुलाई को अनियंत्रित होकर संसद की तरफ कूच करने लगा उसकी आड़ में जगह जगह पुलिस की जिस बर्बरता के भयावह दृश्य देखने को मिले उसने तो सत्ता की मंशा,क्रूरता व अहंकार को पूरी तरह से बेनकाब कर दिया। 100 से अधिक युवा पुलिस बर्बरता का शिकार हुये। पुलिस के साथ ही सादे लिबास में अनेक संदिग्ध लोग छात्रों,युवाओं यहां तक मासूम बच्चियां व बुजुर्गों पर भी बेरहमी से डंडे बरसाते दिखाई दिये। सिर्फ लाठी चार्ज ही नहीं किया गया बल्कि पानी की तेज धार और आंसू गैस के गोले भी दागे गये। इतना ही नहीं बल्कि संसद भवन के भीतर आधुनिक शस्त्रों से लैस कई पुलिस वाले प्रदर्शनकारियों की ओर निशाना साधे दिखाई दिये। गोया यदि प्रदर्शनकारी संसद भवन के भीतर आने की कोशिश करते तो उनका भारी नरसंहार संभव था। इस चित्र ने भी लोगों में भारी गुस्सा पैदा कर दिया। सत्ता के अहंकार और पुलिस जुल्म का नतीजा यह हुआ कि अपनी जायज मांगों को लेकर प्रदर्शन करने व इसके चलते शासन की यातना सहने वाले युवाओं के प्रति देश भर में समर्थन और बढ़ गया। देश भर से दिल्ली पहुंचे सैकड़ों ऐसे युवा व अभिभावक जंतर मन्त्र पर नजर आये जिन्होंने विमान अथवा ट्रेन से 20 जुलाई की शाम या रात का अपना घर वापसी का टिकट बुक करा रखा था उन्होंने युवाओं के समर्थन में व पुलिस व सत्ता के जुल्म से क्रोधित होकर अपने टिकट कैंसिल करा दिये और आर पार की लड़ाई लड़ने के लिये दिल्ली में ही रुकने का फैसला किया। अब जंतर मंतर पर युवाओं का सैलाब और बढ़ता जा रहा है। इस अहंकारी सत्ता ने रही सही कसर तब पूरी कर दी जब पुलिस ने नेता विपक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी,अखिलेश यादव सहित अनेक सांसदों व योगेंद्र यादव जैसे कई वरिष्ठ नेताओं को भी कुछ समय के लिये गिरफ़्तार कर लिया। बहरहाल छात्र युवा आंदोलन की यह चिंगारी अब शोला बन चुकी है। व्यवस्था से दुखी युवा अपने भविष्य की अनिश्चितताओं के चलते इस समय आर पार की लड़ाई लड़ने के लिये तैयार है और पूरे गुस्से में है। जंतर मंतर पर सत्ता के जुल्म के शिकार युवाओं के मुंह से अब हर तरफ यही सुनाई दे रहा है - सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है। देखना है जोर कितना बाजु -ए-कातिल में है?

संपादकीय

कचरे का संकट

यह हमारी व्यवस्था की विडंबना ही है कि सड़कों व सार्वजनिक स्थलों में पसरा कचरा हटाना हमारी प्राथमिकता नहीं बनता। यह कचरा केवल दिखने में ही बुरा नहीं लगता बल्कि कई तरह के रोगों को जन्म देकर सार्वजनिक संकट का कारक भी बन सकता है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि हमारे समाज में सबसे महत्वपूर्ण सफाई का काम करने वाला वर्ग आर्थिक व सम्मान की दृष्टि से सबस ज्यादा उपेक्षित रहता है। कमोबेश पंजाब की सड़कों पर जमा कचरा यही संकट दर्शा रहा है। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के बीच घातक बीमारियां फैलने के खतरे को लेकर पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट की चेतावनी यह बताती है कि शहरी जीवन के लिये मूलभूत नागरिक सेवाएं कितनी महत्वपूर्ण हैं। खासकर मानसून के सीजन में यदि कचरा नहीं उठाया जाता तो स्थिति बेहद गंभीर हो जाती है। बारिश में इस कचरे के बहने से नालियां जाम हो जाती हैं। वहीं पानी के स्रोत भी दूषित हो सकते हैं। साथ ही मच्छर,चूहे व कीट-पतंगे पनपने से बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में हाईकोर्ट का राज्यभर की नागरिक संस्थाओं से रिपोर्ट मांगना और सरकार की जवाबदेही तय करना वक्त की जरूरत भी है। इसमें दो राय नहीं हो सकती कि नगर निकायों के अधिकारियों को जरूरी सेवाओं, विशेषकर लोगों की सेहत से सीधे जुड़ी सेवाओं के लिये आपातकालीन योजनाएं बनानी ही चाहिए। निस्संदेह, इस संकट को महज कानून व व्यवस्था के नजरिये से ही नहीं देखा जा सकता। निर्विवाद रूप से हमारे समाज में सफाई कर्मचारियों की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका होती है, लेकिन इस अहम कार्य को हम अपेक्षित मान्यता नहीं देते। यह विडंबना ही है कि सफाई कर्मचारी लंबे समय से नौकरी की असुरक्षा, स्थायी होने में लगने वाली देरी, मिलने वाला कम वेतन और काम करने की खराब स्थितियों की शिकायत करते रहते हैं। शोचनीय स्थिति यह है तंत्र सफाई कर्मचारियों की मांगों को तब तक नजरअंदाज करता है, जब तक वे अपनी मांगों के समर्थन में सड़कों में नहीं उतर जाते। बहरहाल, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सफाई कर्मचारियों को उनका वाजिब हक मिलना चाहिए। लेकिन हड़ताल व स्वास्थ्य सेवाओं का ठप होना न तो लोगों के हित में है और न ही सफाईकर्मियों के हक में। भारत में हर रोज 1.7 लाख टन से ज्यादा ठोस कचरा विभिन्न नगरपालिकाओं के अंतर्गत पैदा होता है। लेकिन तीव्र गति से बढ़ते शहरीकरण के चलते नागरिक सेवाओं पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में इस चुनौती के मुकाबले के लिये आधुनिक तकनीक के साथ प्रोफेशनल तरीके से ठोस कचरे का निस्तारण होना चाहिए। साथ ही जरूरी है कि पर्याप्त स्टाफ मिले, सफाई के आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराये जाएं। इसके अलावा इस क्षेत्र में निरंतर निवेश बढ़ाया जाए। हमारे नीति-नियंताओं को सोचना चाहिए कि आपातकाल के समय की गई कोई भी कार्रवाई लंबी अवधि की योजना का विकल्प नहीं बन सकती।

चिंतन-मनन

अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है ज्ञान

बुद्धि अच्छी चीज है, पर कोरी बौद्धिकता ही सब कुछ नहीं है। इससे व्यक्ति के जीवन में नीरसता और शुष्कता आती है। ज्ञान अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है, इसलिए यह अपने साथ सरसता लाता है। ज्ञानी व्यक्तियों के लिए पुस्तकीय अध्ययन की विशेष अपेक्षा नहीं रहती। भगवान महावीर ने कब पढ़ी थीं पुस्तकेंट आचार्य भिक्षु, संत तुलसी, संत कबीर अदि जितने ज्ञानवान पुरुष हुए हैं, उनमें कोई भी पंडित नहीं थे। अंतर्दर्शन उनकी ज्ञानमयी चेतना की स्फुरणा करता था। इसके आधार पर ही उन्होंने गंभीर तत्वों का विश्लेषण किया। वे यदि पुस्तकों के आधार पर प्रतिबोध देते तो संसार को कोई नया दृष्टिकोण नहीं दे सकते थे।

एक बात और ज्ञातव्य है। विद्वान बहुत पढ़े-लिखे होते हैं, पर वे आज तक भी किसी ज्ञानी को पराजित नहीं कर सके। इंद्रभूति महापंडित थे। उनका पांडित्य विश्रुत था। पर वे भगवान महावीर की ज्ञान चेतना का अनुभव करते ही पराभूत हो गए। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है। ज्ञान और बुद्धि की परस्पर कोई तुलना नहीं है। बुद्धि कुंड का पानी है और ज्ञान कुएं का पानी है। कुंड का पानी जितना है उतना ही रहता है। वर्षा होती है तो पानी थोड़ा बढ़ जाता है। इसी प्रकार अनुकूल सामग्री और पुरुषार्थ का योग होता है तो बुद्धि बढ़ जाती है। अन्यथा उसके विकास की कोई संभावना नहीं रहती। कुएं से जितना पानी निकाला जाता है, नीचे से और आता रहता है। वह कभी चुकता नहीं है, उसमें नए अनुभव जुड़ते जाते हैं। बुद्धि आवश्यक है किंतु उसके आधार पर कभी आत्म-दर्शन नहीं हो पाता। आत्म-दर्शन का पथ है ज्ञान। ज्ञान तब तक उपलब्ध नहीं होता जब तक ध्यान का अभ्यास न हो। जिस व्यक्ति को अंतर्दृष्टि का उद्घाटन करना है, ज्ञानी बनना है, उसे प्रेक्षाध्यान साधना का आलंबन स्वीकार करना होगा। ऐसा करके वह ज्ञान की श्रेष्ठता को प्रमाणित कर सकता है।

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलकः स्वराज, स्वाभिमान और राष्ट्रजागरण के महानायक

सुनील कुमार महला

स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा। यह प्रसिद्ध उद्घोष महान स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, राष्ट्रवादी नेता, प्रभावशाली वक्ता, लेखक, जन-जागरण के अग्रदूत, भारतीय संस्कृति और परंपराओं के समर्थक, युवाओं के प्रेरणास्रोत तथा पत्रकार लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का है। प्रतिवर्ष 23 जुलाई को उनकी जयंती मनाई जाती है। यहाँ पाठकों को बताता चलूँ कि तिलक को भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का जनक तथा लोकमान्य की उपाधि प्रदान की गई है। लोकमान्य का अर्थ है- जिसे जनता द्वारा मान्यता प्राप्त हो। तिलक की गिनती उन नेताओं में की जाती है जिन्होंने अंग्रेजों के विरुद्ध जनमत तैयार किया और लोगों को स्वतंत्रता के लिए संगठित किया।

पाठकों को बताता चलूं कि लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का जन्म 23 जुलाई 1856 को महाराष्ट्र के रत्नागिरी में हुआ था। उनका पूरा नाम केशव गंगाधर तिलक था। उनके पिता गंगाधर रामचंद्र तिलक संस्कृत के विद्वान तथा शिक्षक थे तथा उनकी माता पार्वतीबाई धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं। उन्होंने तिलक के व्यक्तित्व में नैतिकता, संस्कार तथा देशप्रेम के बीज बोए। जानकारी मिलती है कि जब तिलक लगभग 9 वर्ष के थे, तब उनकी माता का निधन हो गया था, जिसका उनके जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा। स्वतंत्रता सेनानी होने के साथ-साथ तिलक गणित और संस्कृत के अत्यंत मेधावी छात्र थे। उन्होंने अंग्रेजी शिक्षा के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना पर आधारित शिक्षा का समर्थन किया। वास्तव में सच तो यह है कि उन्होंने शिक्षा को राष्ट्र-जागरण का साधन माना और 1880 में पुणे में न्यू इंग्लिश स्कूल की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खगोलशास्त्र और वेदों में भी उनकी गहरी रुचि थी। उन्होंने द आर्कटिक होम इन द वेदाज नामक पुस्तक लिखी, जिसमें वैदिक सभ्यता पर अपने विचार प्रस्तुत किए। केसरी (मराठी भाषा) तथा द मराठा (अंग्रेजी भाषा) जैसे प्रसिद्ध समाचार पत्रों की स्थापना भी उनके द्वारा की गई। वास्तव में इन समाचार पत्रों के माध्यम से तिलक ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को वैचारिक शक्ति और जनसमर्थन प्रदान किया। केसरी के माध्यम से उन्होंने ब्रिटिश शासन की दमनकारी नीतियों की खुलकर आलोचना की तथा किसानों, मजदूरों और सामान्य जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इसके माध्यम से उन्होंने स्वदेशी, स्वराज और राष्ट्रीय एकता का संदेश जन-जन तक पहुँचाया। मराठी भाषा में होने के कारण यह सीधे आम लोगों की आवाज बन गया। वहीं द मराठा समाचार पत्र के माध्यम से उन्होंने शिक्षित भारतीयों तथा ब्रिटिश शासकों तक भारतीयों की भावनाएँ पहुँचाई।इतना ही नहीं, तिलक ने सार्वजनिक गणेशोत्सव और शिवाजी महोत्सव की शुरूआत कर उन्हें सामाजिक एवं राष्ट्रीय एकता का माध्यम बनाया। दरअसल, उन्होंने 1893 में गणेशोत्सव को सार्वजनिक रूप दिया ताकि लोग एकत्र होकर राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा कर सकें और अंग्रेजों के विरुद्ध एकजुट हो सकें। इन आयोजनों ने स्वतंत्रता आंदोलन को जन-आंदोलन बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।गौरतलब है कि 1908 में राजद्रोह के आरोप में तिलक को बर्मा (अब म्यांमार) के मांडले कारागार भेजा गया, जहाँ उन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता रहस्य की रचना की। बहुत कम लोग जानते हैं कि ब्रिटिश लेखक वैलेंटाइन चिरोल ने उन्हें फादर ऑफ इंडियन अनरेस्ट अर्थात भारतीय अशांति का जनक कहा था।

वर्ष 1916 में तिलक ने होमरूल लीग की स्थापना की, जिसका उद्देश्य भारत को स्वशासन दिलाना था। यहाँ पाठकों को जानकारी देना चाहूँगा कि होमरूल आंदोलन का अर्थ है-अपने देश का शासन स्वयं चलाने का अधिकार। यह आंदोलन भारत को ब्रिटिश शासन के अधीन रहते हुए भी स्वशासन दिलाने के लिए शुरू किया गया था। तिलक ने महाराष्ट्र और मध्य भारत में तथा एनी बेसेंट ने मद्रास सहित अन्य क्षेत्रों में होमरूल लीग की स्थापना की। इस आंदोलन का उद्देश्य भारतीयों में राजनीतिक जागरूकता बढ़ाना और स्वराज की माँग को जन-जन तक पहुँचाना था। होमरूल आंदोलन ने देशभर में स्वतंत्रता की भावना को मजबूत किया और भारतीयों को यह विश्वास दिलाया कि वे स्वयं अपना शासन चलाने में सक्षम हैं। इस आंदोलन ने आगे चलकर महात्मा गांधी के नेतृत्व में होने वाले जन आंदोलनों के लिए मजबूत आधार तैयार किया। उल्लेखनीय है कि आप कांग्रेस के पहले जननेता माने जाते हैं और आपने विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार का समर्थन किया। वास्तव में सच तो यह है कि लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक और बिपिन चंद्र पाल की तिकड़ी ने स्वतंत्रता आंदोलन को नई ऊर्जा दी। बहुत कम लोग जानते हैं कि रूसी क्रांति के नेता व्लादिमीर लेनिन ने भी तिलक को भारत के महान क्रांतिकारी नेताओं में गिना था। यहां पाठकों को यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें आधुनिक भारत का निमार्ता तथा भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें भारतीय क्रांति का जनक कहा था।रोचक तथ्य यह है कि तिलक ने अपने जीवनकाल में कभी कोई सरकारी पद प्राप्त करने की इच्छा नहीं जताई। उनका पूरा ध्यान राष्ट्र-जागरण, शिक्षा और स्वतंत्रता आंदोलन को मजबूत बनाने पर केंद्रित रहा।

अपने जीवन के अंतिम वर्षों में तिलक का स्वास्थ्य लगातार गिर रहा था। जुलाई 1920 में वे गंभीर रूप से बीमार पड़ गए। उन्हें मलेरिया और अन्य स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं ने घेर लिया था। उपचार के बावजूद उनकी स्थिति बिगड़ती गई और 1 अगस्त 1920 की मध्यरात्रि के बाद (लगभग 12:40 बजे) मुंबई (तत्कालीन बंबई), महाराष्ट्र में 64 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया।

अंत में यही कहूँगा कि लोकमान्य तिलक केवल एक स्वतंत्रता सेनानी नहीं थे, बल्कि पत्रकार, शिक्षाविद्, समाज सुधारक, संगठनकर्ता और राष्ट्रवादी चिंतक भी थे। उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को जन-आंदोलन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और आने वाली पीढ़ियों के लिए संघर्ष, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति का आदर्श स्थापित किया।

(सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार।)

सींखचों में सिसक रहीं हैं अपने सुहाग का खून करने वाली विवाहिताएं

मनोज कुमार अग्रवाल

देश की बहुत सारी जेलों में अंधी वासना अवैध संबंध के चलते अपना सुहाग को उजाड़ने वाली कुलटाएं अपने कृत्यों के लिए दिनरात त्रासदी भुगत रहीं हैं। पश्चिम उत्तर प्रदेश के मेरठ जिला जेल में ही पिछले कुछ महीनों में सामने आए अवैध रिश्तों के ताने बाने में फंसकर अपने ही हाथों से अपने सुहाग को कत्ल कर जीवन को नरक में धकेलने की की कहानी दबी पड़ी हैं । हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट के अनुसार पश्चिम उत्तर प्रदेश के मेरठ चौधरी चरण सिंह जिला कारागार की बैरक नंबर 12ए में छह महिलाएं भी बंद हैं, जिन्होंने पराए संबंधों के मोह में अपने ही परिवार के खिलाफ घातक षड्यंत्र रच डाला। पांच जहां पति की हत्या की गुनहगार हैं, छठी ने अपनी कोख से जन्मे बेटे को ही मरवा दिया।

यूपी की सबसे पुरानी जेलों में शुमार मेरठ की जिला जेल में फिलहाल 67 महिला बंदी हैं, जिन्हें बैरक 12ए और 12बी में रखा गया है। पति को सांप से डसवाकर मरवाने वाली दामिनी को भी इसी बैरक में मुस्कान, अंजलि, रविता, कोमल और गुरप्रीत के साथ रखा गया है। जेल प्रशासन के अनुसार दामिनी फिलहाल किसी से बातचीत नहीं कर रही है। उसकी काउंसलिंग की तैयारी है। जेल अधीक्षक वीरेश राज शर्मा बताते हैं कि इन महिलाओं को एक ही बैरक में रखने का उद्देश्य यह है कि वे एक-दूसरे का सहारा बन सकें। अधिकांश को अपने किए पर पछतावा है।इन सबके भीतर जेल से बाहर आने की छटपटाहट है लेकिन भविष्य खत्म हो जाने का अहसास भी है। इन पति हंता महिलाओं से जब परिवार वाले बच्चों के साथ मिलने आते हैं तो उनका भावनात्मक संतुलन टूट जाता है। ऐसे समय में वे एक-दूसरे से कहती भी हैं कि उनकी बुद्धि भ्रष्ट हो गई थी , जो खुद ही अपनी गृहस्थी उजाड़ ली। सुबह सुंदरकांड के पाठ के बाद मुस्कान अपनी बेटी के साथ समय बिताती है, जबकि अंजलि, गुरुप्रीत, रविता और कोमल सिलाई-कढ़ाई में खुद को व्यस्त रखती हैं।

आपको बता दें मुस्कान रस्तोगी का नीला ड्रम कांड हो अथवा रविता और दामिनी..। सभी ने पति के रहते भी दूसरे युवकों से आशिकी का चक्कर चलाया प्यार के चक्कर में अपने पति का काम तमाम कर अपराध की अंधी राह पर जाकर खून से अपने हाथ रंग लिए। संगीता, अंजलि, कोमल और कविता की भी यही कहानी है।पति से भावनात्मक और जिस्मानी पूर्ति के बावजूद ये दूसरे आशिकों के साथ रंगरलियां मनाने की वासना भरी चाहत में ऐसी भटकी कि कुछ महिलाओं ने अपने ही सुहाग को मौत के घाट उतार दिया तो एक ने बेटे को ही मार दिया। जिन सपनों के लिए उन्होंने यह खतरनाक रास्ता अख्तियार किया, वे टूट चुके हैं। जेल में कोई सिलाई-कढ़ाई सीख रही तो कोई बच्चों को पढ़ा रही है।हर सुबह जेल में बजने वाले सुंदरकांड को सुन कर मन की शांति पाने की कोशिश करती है। जाने-अनजाने उन्होंने यह कदम उठा तो लिया लेकिन सलाखों के पीछे अब सिर्फ दर्द है, पछतावा है और बेबस सिसकियां भी। आपको पता होगा तीन मार्च 2025 की रात को ब्रह्मपुरी की रहने वाली मुस्कान रस्तागी ने प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ मिलकर पति सौरभ राजपूत की हत्या कर दी थी। ड्रम के अंदर सीमेंट से शव को जमा दिया था। मुस्कान और साहिल अभी भी जेल की सलाखों के पीछे है। दोनों के मुकदमे में जल्द ही निर्णय भी आने वाला है। परीक्षितगढ़ थाना क्षेत्र के गांव अगवानपुर निवासी 28 वर्षीय राहुल से अंजलि के तीन बेटे हैं। इसके बावजूद अंजलि का दिल पड़ोसी अजय पर आ गया। राहुल खेती बाड़ी व पशुपालन करता था, जबकि अजय आवारा किस्म का था और मौजमस्ती करता था। अजय ही अंजलि को रास्ते में से पिकअप कर लेकर होटल पहुंच जाता था। राहुल इसका विरोध करता था। एक नंवबर 2025 रात आठ बजे अंजलि ने काल कर राहुल को गांव के बाहर मंदिर पर बुलाया। वहां पर अजय भी आ गया। तब अजय ने राहुल की तीन गोली मारकर हत्या कर दी।

मेरठ के बहसूमा के अकबरपुर सादात ने रविता ने 17 अप्रैल 2025 को प्रेमी प्रेमी अमरदीप के साथ मिलकर पति अमित की गला दबाकर हत्या कराई। उसके बाद सांप खरीद कर अमित के बिस्तर पर छोड़ दिया। उसके बाद सांप से काटने का नाटक रच दिया। पोस्टमार्टम में गला दबाकर हत्या आने के बाद पुलिस ने रविता और अमरदीप को जेल भेज दिया। दोनों फिलहाल जेल में बंद है।

वहीं चार अप्रैल को मेरठ जिला के परीक्षितगढ़ के अगवानपुर निवासी बीएसएफ जवान नैन सिंह की हत्या का पदार्फाश करते हुए पुलिस ने पत्नी को और मौसी के बेटे गुलशन समेत पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा। कोमल ने बहन के मंगेतर गुलशन के साथ मिलकर हत्या की पूरी पटकथा रची थी। छह लाख की सुपारी के लिए अपने आभूषण गिरवी रखकर रकम जुटाई थी। मोबाइल कॉल डिटेल से ही पुलिस गुलशन तक पहुंची थी।

मेरठ की ही युवती गुरप्रीत ने तो प्रेमी के चक्कर में फंसकर अपनी कोख को ही उजाड़ दिया है। 17 जून को मेरठ जिला के बहसूमा के सैफपुर फिरोजपुर निवासी गुरुप्रीत कौर ने प्रेमी मुजफ्फरनगर के मीरापुर निवासी अर्पित पराशर के साथ मिलकर सात साले के बेटे अंगदवीर की हस्तिनापुर ले जाकर हत्या करा दी। महिला पौने दो साल से पति से अलग रह रही थी, बेटे की हत्या से चार दिन पहले ही ससुराल लौटी थी। गुरुप्रीत और अर्पित पराशर भी जेल में है।

23 जून 2025 को मेरठ के जानी खुर्द के किसान सुभाष की हत्या उसकी पत्नी कविता और छोटी बेटी सोनम ने अपने प्रेमियों के साथ मिलकर कराई थी। बेटी के प्रेमी विपिन ने दोस्त अजगर उर्फ शिवम के साथ गोली मारकर हत्या की थी। मां बेटी समेत पांच आरोपितों को पुलिस ने जेल भेज दिया। कविता और सोनम जमानत पर जेल से छूट चुकी है।

28 फरवरी 2025 को जानी के गांव कुसैड़ी निवासी लोडर ऑपरेटर अजय कुमार की हत्या उसकी पत्नी संगीता ने ही प्रेमी अवनीश निवासी गाजियाबाद के संग मिलकर की है। अजय कुमार उर्फ बिटटू ताऊ के बेटे की शादी समारोह में शामिल होने के बाद लौट रहा था। तब रास्ते में अवनीश ने ईंट से कुचलकर मार डाला। संगीता जमानत पर जेल से छूट चुकी है।

यह समय की गति है या कलियुग का प्रभाव कि यूपी ही नहीं देश भर में प्रेम त्रिकोण विवाहेत्तर संबंध अंधी वासना और अवैध सम्बन्धों के चलते कई सौ विवाहिता युवतियां जेल की चारदीवारी में शून्य हो चुके भविष्य को तलाश रहीं हैं। कुछ तो जेल से बाहर निकल कर कहां ठिकाना होगा यह भी नहीं जानती क्योंकि उनके अपराध के कारण सामाजिक जिल्लत झेल रहे उनके मा बाप परिवार ने भी उनसे किनारा कर लिया है। सवाल फिर वही है ऐसा क्या है जो मुस्कान रविता गुलशन संगीता अंजली को उनके साथ सात फेरे लेने वाले पति नहीं दे पाए। संस्कार की कमी अवैध सम्बन्ध और विवाहेत्तर वासना की अंधी सुरंग हजारों विवाहित कपल्स के जीवन को कलंकित कर रही है। हमारे गौरवशाली समाज और संस्कृति में यौन शुचिता का विचार रहा है यही विचार है कि हिन्दुस्तान की नारी शक्ति का विश्व भर में विश्वास और सम्मान रहा है लेकिन पिछले एक दशक में भारतीय नारी समाज को कथित प्रगतिशीलता पुरुष समानता और स्वतंत्र जीवन शैली के नाम पर यौन स्वछंदता और अमर्यादित जीवन की ओर धकेलने की कोशिश की जा रही है नेटफलिक्स होट स्टार तमाम मीडिया पर भारतीय महिलाओं को कथित आधुनिकता के नाम पर अवैध सम्बन्धों वाले स्वछंद जीवन शैली की ओर प्रेरित किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि हजारों जीवन अपने राह से उतर कर अंधेरी सुरंग में जीवन का स्वर्णिम समय देने के लिए मजबूर हैं।

संक्षिप्त समाचार

ओमान में भारतीय महिला कामगारों का उत्पीड़न

मस्कट, एजेंसी। पश्चिम एशियाई देश ओमान में भारतीय राजदूत प्रशांत पिसे ने उत्पीड़न की शिकार भारतीय महिला घरेलू कामगारों से मुलाकात की और मदद का भरोसा दिया। यह कदम खाड़ी देशों में भारतीय महिला कामगारों के उत्पीड़न, शोषण और वेतन न मिलने की लगातार आ रही खबरों के बीच उठाया गया। हाल ही में हैदराबाद की शबनम बेगम का मामला सामने आया था, जिन्हें बेहतर नौकरी का झांसा देकर मस्कट बुलाया गया और वहां 12 से 15 घंटे जबरन काम कराया गया। प्रताड़ना के बाद शबनम दूतावास में शरण ली।

फ्रांस में भी बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध की तैयारी

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में भी 15 साल की उम्र से छोटे बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर प्रतिबंध की तैयारी शुरू हो गई है। यहां संसद के ग्रीष्मावकाश से पहले इस आशय के विधेयक को अंतिम रूप दिया जाना है और सितंबर में नए शैक्षणिक सत्र से इसे लागू करने की योजना है। यह विधेयक में स्कूलों में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर भी रोक लगाता है। यदि ऐसा हुआ तो फ्रांस ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील और यूएई जैसे उन देशों की सूची में शामिल हो जाएगा, जो बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगा चुके हैं।

हमास के नए लीडर बने खलील अल-हाय्या

यरुशलम, एजेंसी। फलस्तीनी सशस्त्र समूह हमास ने खलील अल-हय्या को अपना लीडर घोषित किया है। उन्होंने याह्या सिनवार की जगह ली है। 2024 में सिनवार और इस्माइल हानिये की मौत के बाद अल-हय्या हमास के बड़े नेता बनकर उभरे हैं और गाजा के प्रमुख वार्ताकार भी हैं। 2014 में इस्राइल के साथ युद्धविराम कराने में उनकी बड़ी भूमिका रही है। अल-हय्या उन शीर्ष अधिकारियों में भी शामिल थे, जिन्हें 2025 में दोहा में हुए इस्राइली हमले में निशाना बनाया गया था। इससे पहले, इस्राइल 2007 और 2014 में दो बार उनके घर पर बमबारी कर चुका है लेकिन वह हर बार बच गए।

जिनपिंग सितंबर में जाएंगे अमेरिका, चीन ने कहा- ट्रंप पर चुनावों में हस्तक्षेप के आरोपों का असर यात्रा पर नहीं

बीजिंग, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी चुनावों में हस्तक्षेप के आरोपों के बावजूद चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की सितंबर में प्रस्तावित वाशिंगटन यात्रा तय समय पर होगी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि दोनों देश शीर्ष नेताओं की बैठक को लेकर लगातार संपर्क में हैं। संबंधों को सुधारने की दिशा में यह वार्ता बेहद महत्वपूर्ण सिद्ध होगी। इससे पहले, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी उम्मीद जताई थी कि ट्रंप की टिप्पणियों का इस यात्रा पर कोई असर नहीं पड़ेगा और चीनी टीम तैयारियां जारी रखे हुए है।

ईरान : सुन्नी धर्मगुरु मोहम्मद अनवर रिगी की हत्या, मस्जिद के पास अज्ञात बंदूकधारियों ने मारी गोली

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत स्थित मिर्जावेह शहर से एक दुखद खबर सामने आई है, जहाँ अज्ञात बंदूकधारियों ने प्रमुख बड़े सुन्नी मौलवी मोहम्मद अनवर रिगी की हत्या कर दी है। मौलवी रिगी शहर की मस्जिद में शुक्रवार की नमाज के इमाम थे। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी सरकारी मीडिया ने स्थानीय अधिकारियों का हवाला देते हुए इस घटना की पुष्टि की है। यह क्षेत्र पाकिस्तान सीमा से सटा हुआ है और भौगोलिक रूप से काफी संवेदनशील माना जाता है। सिस्तान-बलूचिस्तान ईरान का सबसे गरीब और अशांत प्रांतों में से एक है। शिया-बहुल ईरान में यह प्रांत सुन्नी बलूच आबादी का गढ़ है, जो लंबे समय से जातीय और इस्लामी उग्रवादियों तथा सुरक्षा बलों के बीच जारी संघर्ष का केंद्र बना हुआ है। स्थानीय प्रशासन ने इस हमले को प्रांत की सुरक्षा व्यवस्था को कमजोर करने और सांप्रदायिक तनाव भड़काने की एक सोची-समझी साजिश बताया है। फिलहाल, अधिकारी मामले की गहन जांच कर रहे हैं और उन्होंने आम जनता से संयम बरतने व शांति बनाए रखने की अपील की है। मौलवी की हत्या ने इस सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षा चिंताओं को और अधिक बढ़ा दिया है। आपको बता दें कि सुन्नी धर्मगुरु अनवर रिगी की जब हत्या की गई तो ईरान के स्थानीय समय के अनुसार वहां सुबह के 4 बज रहें थें। जिससे इस घटना पर तरह-तरह विचार किए जा रहें है। बड़े धर्म गुरु अनवर रिगी ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत के सुन्नी समुदाय के एक प्रमुख स्थानिय नेता थें। जा वह मस्जिद के अली इब्न अबी तालिब के इमाम-ए-जुम्मा थे। उनकी नियुक्ती मिर्जावेह की मस्जिद में इमाम जुम्मा के रुप में की गई थी। ईरान के मिर्जावेह शहर में सुन्नी मौलवी मोहम्मद अनवर रिगी की अज्ञात हथियारबंद हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी।

पाकिस्तान के बाद अमेरिका में भी बढ़े पेट्रोल के दाम

वाशिंगटन, एजेंसी। कच्चे तेल की कीमतों में उबाल आने के बाद दुनिया भर के देश इसका बोझ अपनी आम जनता पर डालने शुरू कर दिए हैं। पकिस्तान के बाद अब अमेरिका ने भी पेट्रोल के दाम बढ़ा दिए हैं। पड़ोसी देशों में भी तेल के दाम बढ़े हैं। जबकि, भारत में फ्यूल के रेट में कोई बदलााव नहीं हुआ है। अमेरिका और ईरान के बीच हमलों के नए दौर के चलते कच्चे तेल की कीमतें 90 डॉलर प्रति बैरल के पार चली गईं। इस बीच सोमवार को अमेरिका में पेट्रोल की औसत खुदरा कीमत फिर बढ़कर 4 डॉलर प्रति गैलन पर पहुंच गई। नियमित श्रेणी के पेट्रोल की राष्ट्रीय औसत कीमत अब चार डॉलर प्रति गैलन हो गई है। एक साल पहले यह औसतन 3.14 डॉलर प्रति गैलन थी। मार्च के अंत में अमेरिका में पेट्रोल की औसत कीमत पहली बार चार डॉलर प्रति गैलन से ऊपर पहुंची थी। जून के मध्य में यह इससे नीचे आ गई थी और अमेरिका-ईरान के बीच अंतरिम समझौते के बाद कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आने से इसमें और गिरावट दर्ज की गई।

पाकिस्तान में पेट्रोल 310.71 रुपये लीटर : इससे कुछ दिन पहले तेल के दाम बढ़ते ही पाकिस्तान ने तुरंत इसका बोझ अपनी जनता पर डाल दिया और ईंधन के दाम में इजाफा कर दिया। जबकि, भारत में अभी राहत है। पेट्रोलल-डीजल और सीएनजी के दाम नहीं बढ़े हैं। पाकिस्तान सरकार ने पेट्रोल के दाम में 13.18 रुपये (पाकिस्तानी रुपया) प्रति लीटर और हाई-स्पीड डीजल में 13.80 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। इस बढ़ोतरी के बाद पाकिस्तान में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 310.71 रुपये और हाई-स्पीड डीजल की कीमत 323.30 रुपये प्रति लीटर हो गई है।

इन देशों में पेट्रोल 150 रुपये के पार : साउथ अफ्रिका से लेकर बेल्जियम तक 1 लीटर पेट्रोल की कीमत 150 रुपये से 200 रुपये तक पहुंच गई है। ग्लोबल पेट्रोल प्राइसेज डॉट कॉम के मुताबिक साउथ अफ्रिका में पेट्रोल का दाम 150.72 रुपये लीटर पर पहुंच गया है। साइप्रस में 160.85 रुपये तो यूक्रेन में 163.72 रुपये लीटर। स्पेन में पेट्रोल जहां 170 के पार है तो वहीं इटली में 206.95 रुपये लीटर।

क्या भारत में भी पढ़ेंगे पेट्रोल-डीजल के दाम : पश्चिम एशिया में एक बार फिर तनाव बढ़ने से वैश्विक बाजार में चिंता बढ़ गई है। मार्च के बाद अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष फिर तेज हो गया है। इसका असर अब अंतरराष्ट्रीय व्यापार और कच्चे तेल की कीमतों पर साफ दिखाई देने लगा है। भारत के लिहाज से देखा जाए तो अगर संघर्ष लंबा चलने पर पेट्रोलियम उत्पादों के दाम बढ़ सकते हैं, जिससे घरेलू स्तर पर महंगाई बढ़ेगा। उधर, भारत के लिए आयात-निर्यात करना महंगा होता जा रहा है। होर्मुज के बंद होने से जहाजों को लंबा वैकल्पिक रास्ता अपनाना पड़ रहा है, जिससे परिवहन लागत में भारी बढ़ोतरी हो रही है। भारत के लिए यूरोप व अन्य क्षेत्रों में सामान भेजना और वहां से मंगाना महंगा हो गया है।

भारत में कई स्तर पर दिखेगा असर : जहां तक भारत की बात है तो कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और एटीएफ महंगे होने की आशंका बढ़ेगी। वहीं, आयात बिल बढ़ने से व्यापार घाटा और चालू खाते का घाटा बढ़ सकता है। शिपिंग किराया और युद्ध जोखिम बीमा बढ़ने से आयातित सामान की लागत भी बढ़ेगी। कच्चे तेल के भाव बढ़ने से रुपये पर दबाव बढ़ सकता है, जिससे अन्य आयात भी महंगे हो सकते हैं। और साथ में तेल, गैस, उर्वरक, रसायन, शिपिंग और परिवहन क्षेत्र पर सबसे अधिक असर पड़ेगा।

शिपिंग कंपनियों का खर्च बढ़ा : समुद्री मार्ग बाधित होने के कारण अंतरराष्ट्रीय शिपिंग कंपनियों का परिचालन खर्च बढ़ गया है। जहाजों को लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है, जिससे ईंधन, चालक दल और समय की लागत बढ़ रही है। इसके साथ ही, युद्ध जैसे हालात को देखते हुए जहाजों के जोखिम बीमा प्रीमियम में भी तेज बढ़ोतरी हुई है। इसका सीधा असर आयात और निर्यात की लागत पर पड़ेगा। शिपमेंट की लागत कोई मार्गों पर दोगुना तक बढ़ गई है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशंस (फियो) के अध्यक्ष बताते हैं कि युद्ध के चलते ऑर्डर रद्द हो रहे हैं या फिर उन्हें स्थगित किया जा रहा है। अगर कुछ ऑर्डर बुक भी हो रहे हैं।

पुतिन से मिलीं उ.कोरिया की विदेश मंत्री: क्या किम जोंग भी जाएंगे रूस

सिओल, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उत्तर कोरिया की विदेश मंत्री चोए सोन हुई से मुलाकात की। पुतिन ने यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध में रूस का समर्थन करने के लिए उत्तर कोरिया का धन्यवाद किया। यह दोनों देशों के बीच हाल के समय की एक और अहम उच्चस्तरीय कूटनीतिक मुलाकात है। रूस के सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी।

क्या किम जोंग उन की रूस यात्रा की तैयारी हो रही है : उत्तर कोरिया की विदेश मंत्री चोए सोन हुई की यह रूस यात्रा ऐसे समय में हुई है, जब कोई बड़ा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन या दोनों देशों का कोई विशेष राष्ट्रीय समारोह नहीं है। इसलिए माना जा रहा है कि वह उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की संभावित रूस यात्रा की तैयारी कर रही हैं। उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने बताया कि चोए शनिवार को रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के निमंत्रण पर रूस रवाना हुईं। हालांकि, किम जोंग उन और पुतिन की एक और मुलाकात की संभावना पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है।

सोमवार को चोए सोन हुई और सर्गेई लावरोव के बीच अलग से बातचीत हुई। उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, रूस ने उत्तर कोरिया की संप्रभुता और सुरक्षा हितों की रक्षा के प्रयासों का पूरा समर्थन किया। वहीं, उत्तर कोरिया ने यूक्रेन युद्ध में रूस के समर्थन को फिर दोहराया। दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय के प्रवक्ता यून मिन हो ने कहा

कि सियोल इन बैठकों पर लगातार नजर रखे हुए है। लेकिन उन्होंने यह बताने से इनकार कर दिया कि क्या रूस और उत्तर कोरिया के बीच दोनों देशों के नेताओं की एक और शिखर बैठक पर चर्चा हो रही है। रूस के सरकारी मीडिया ने बताया कि रविवार को क्रेमलिन में हुई मुलाकात के दौरान राष्ट्रपति पुतिन ने दोनों देशों के अच्छे संबंधों की सराहना की। उन्होंने यूक्रेन के खिलाफ रूस की सैन्य कार्रवाई का समर्थन करने के लिए उत्तर कोरिया के नेतृत्व और वहां के लोगों का फिर से धन्यवाद किया। चोए सोन हुई ने पुतिन से कहा कि किम जोंग उन रूस के साथ संबंधों को हर क्षेत्र में और मजबूत बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

दोनों देशों के बीच पहले क्या समझौता हुआ था : किम जोंग उन वर्ष 2019 और 2023 में रूस के सुदूर पूर्वी क्षेत्र में पुतिन से मिलने गए थे। जून 2024 में पुतिन ने प्योंगयांग की यात्रा के दौरान किम को फिर से रूस आने का निमंत्रण दिया था। उसी बैठक में दोनों नेताओं ने एक रणनीतिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते में कहा गया था कि यदि किसी भी देश पर हमला होता है, तो दोनों एक-दूसरे की मदद करेंगे।

अफगानिस्तान में कुदरत का कहर: अचानक आई बाढ़ में 20 लोगों की मौत, 100 से ज्यादा लोग लापता

काबुल, एजेंसी। पूर्वी अफगानिस्तान के नूरिस्तान प्रांत में सोमवार को भारी बारिश के बाद अचानक आई भयंकर बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। इस भयानक प्राकृतिक आपदा में कम से कम 20 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है और करीब 80 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इसके अलावा 100 से ज्यादा लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं जिनकी तलाश जारी है। राहत और बचाव दल लगातार प्रभावित इलाकों में फंसे हुए लोगों को निकालने और उनकी मदद करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता यूसुफ हम्मद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस भारी जान-माल के नुकसान की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि प्रांतीय आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं और घायलों को बचाने में जुटे हैं। टीमें मृतकों के शव निकालने और लापता लोगों की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर अपना बचाव अभियान चला रही हैं। शुरुआती जांच और नुकसान का पूरा आकलन होने के बाद ही जान-माल के नुकसान के आधिकारिक आंकड़े जारी किए जाएंगे।

अफगान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने एक अलग बयान जारी कर मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव अभियान को और तेज करने की जरूरत है। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक नूरिस्तान की राजधानी पारून इस भयंकर बाढ़ से सबसे ज्यादा और बुरी तरह प्रभावित हुई है। यहां कई घर और बुनियादी ढांचे पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं जिससे लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

इससे पहले नौ जून को भी अफगानिस्तान के अधिकारियों ने देश में आई मौसमी आपदाओं को लेकर बहुत बड़े आंकड़े जारी किए थे। रिपोर्ट के अनुसार पिछले दस हफ्तों में अचानक आई मौसमी बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं के कारण कम से कम 301 लोगों की मौत हुई है। इस लंबी अवधि के दौरान पूरे देश में लगभग 385 लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं। प्रवक्ता हाफिज मोहम्मद यूसुफ हम्मद के अनुसार इन लगातार आपदाओं से देशभर में बड़े पैमाने पर भारी तबाही मची है।

एंडी बर्नहैम बने ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री, कीर स्टार्मर की जगह संभाला पद

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की लेबर पार्टी के नए नेता चुने गए एंडी बर्नहैम ने देश के नए प्रधानमंत्री का पद संभाल लिया है. किंग ऑफ द नॉर्थ के नाम से मशहूर एंडी बर्नहैम कीर स्टार्मर के इस्तीफे के बाद प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में सबसे आगे थे. उनका मुख्य लक्ष्य लोकलुभावन पार्टी रिफॉर्म यूके के बढ़ते प्रभाव को रोकना है. ब्रिटेन में राजनीतिक हलचल के बीच पिछले एक दशक में देश को उसका सातवां प्रधानमंत्री मिल गया है. लेबर पार्टी के नेता एंडी बर्नहैम को बीते सप्ताह शुक्रवार को ही पार्टी का नया मुखिया चुना गया था. लेबर पार्टी की नेशनल एग्जीक्यूटिव कमेटी (एनईसी) की चेयर शबाना महमूद ने लंदन में पार्टी के एक विशेष सम्मेलन में यह घोषणा की थी. उन्होंने कहा, सिर्फ एक ही सांसद नॉमिनेट हुआ था. इसलिए मुकाबला आसान रहा. वहीं, बर्नहैम ने लेबर पार्टी का नेता चुने जाने को पिछले

40 वर्षों में देश की राजनीति का सबसे बड़ा बदलाव बताया था. बर्नहैम पार्टी के नए नेता बनने की दौड़ में अकेले उम्मीदवार थे, उन्होंने हाउस ऑफ कॉमन्स में लेबर पार्टी के 403 सांसदों में से 379 का नामांकन हासिल किया. ब्रिटेन की संसदीय लोकतंत्र व्यवस्था में सत्ताधारी पार्टियों को आम चुनाव कराए बिना अपने नेता और इस तरह प्रधानमंत्री को बदलने की छूट होती है. अगले आम चुनाव 2029 तक कराने की जरूरत नहीं है, हालांकि अगर बर्नहैम चाहें तो वे पहले भी चुनाव करवा सकते हैं. ग्रेटर मैनचेस्टर के पूर्व मेयर बर्नहैम ने राजनीति को 'कम जहरीला' बनाने, लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने और 'उस उम्मीद को वापस लाने, जिसे हम सब खो चुके हैं,' का वादा किया है. शुक्रवार को लेबर पार्टी का नेता बनने के बाद उन्होंने कहा, 'मैं एक नई राजनीति बनाने के लिए काम करूंगा. देश को इसकी सख्त जरूरत है.' आलोचक और समर्थक जल्द ही ये जानना चाहेंगे कि बर्नहैम अपने वादों को कैसे पूरा करने की योजना बना रहे हैं. वहीं केअर स्टार्मर ने सोमवार को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के रूप में 10 डाउनिंग स्ट्रीट से अपना अंतिम संबोधन दिया और कहा, ''मेरा काम पूरा हो गया है.'' स्टार्मर ने ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय से मुलाकात करके औपचारिक रूप से अपना इस्तीफा सौंपने से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, ''मैं जिम्मेदारी एंडी बर्नहैम को सौंप रहा हूं, जिन्हें मेरा पूरा समर्थन है.'' लेबर सांसद स्टार्मर (63) ने पिछले महीने पद छोड़ने की घोषणा की थी. उनके बाद नवनिर्वाचित पार्टी नेता एंडी बर्नहैम बकिंघम पैलेस जाएंगे, जहां चार्ल्स उन्हें नयी सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करेंगे. बर्नहैम (56) इसके बाद ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करेंगे और बकिंघम पैलेस से 10 डाउनिंग स्ट्रीट लौटकर राष्ट्र के नाम अपना पहला संबोधन देंगे।

न्यूयॉर्क फेडरल बिल्डिंग हमला: पूर्व अमेरिकी सैनिक ने ही लगाई आग; क्या इसके पीछे छिपी है कोई बड़ी आतंकी साजिश?

न्यूयॉर्क , एजेंसी। क्या न्यूयॉर्क की सबसे सुरक्षित इमारतों में से एक पर हमला किसी बड़ी आतंकी साजिश का हिस्सा था? न्यूयार्क में सोमवार की सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब 26 फेडरल प्लाजा स्थित सरकारी इमारत के बाहर एक शख्स ने अंधाधुंध पटाखे चलाए और सीढ़ियों पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। इस इमारत में आव्रजन अदालत और एफबीआई कार्यालय समेत कई महत्वपूर्ण सरकारी दफ्तर हैं। एफबीआई के न्यूयॉर्क फील्ड ऑफिस के सहायक निदेशक जेम्स बार्नेकल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान एंड्रयू अराबाका के रूप में हुई है, जो एक पूर्व अमेरिकी सैनिक है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

हमलावर के पास से क्या-क्या मिला और उसका इरादा क्या था : जांच एजेंसियों के मुताबिक, आरोपी एंड्रयू अराबाका बेहद खतरनाक मंसूबों के साथ वहां पहुंचा था। बार्नेकल ने बताया कि वह लोगों को गंभीर रूप से घायल करने के इरादे से हथियारों से लैस होकर आया था। पुलिस ने उसके पास से एक पेलेट गन (एयरसॉफ्ट राइफल), कई चाकू, एक हथौड़ा और एक धारदार हथियार बरामद किया है। उसने इमारत की तरफ एयरसॉफ्ट राइफल से पांच से सात पेलेट भी दागे। शुरुआती जांच के बाद एफबीआई अधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वह एक अमेरिका-विरोधी और सरकार-विरोधी चरमपंथी है। उसके पास से इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट विरोधी सामग्री भी मिली है।

वारदात की पांच बड़ी बातें : पूर्व सैनिक का खौफनाक कदमः न्यूयॉर्क की फेडरल बिल्डिंग के बाहर आग लगाने वाला आरोपी एंड्रयू अराबाका पूर्व अमेरिकी सैनिक निकला।

घातक हथियारों का जखीराः हमलावर के बैग से पेलेट गन, चाकू, हथौड़ा, माचे और ज्वलनशील पदार्थ बरामद किया गया।

सरकार विरोधी मानसिकताः एफबीआई ने आरोपी को पूरी तरह से अमेरिका-विरोधी और सरकार-विरोधी चरमपंथी करार दिया है।

जांबाज सुरक्षाकर्मी ने दबोचाः सीढ़ियों पर आग लगाते ही मुस्तैद सुरक्षाकर्मी ने आरोपी को जमीन पर पटक कर हिरासत में ले लिया।

हाई-प्रोफाइल निशानाः जिस 26 फेडरल प्लाजा इमारत को निशाना बनाया गया, वहां खुद एफबीआई का दफ्तर और इमिग्रेशन कोर्ट स्थित है।

ऐसे दबोचा गया आरोपी : यह घटना सुबह करीब 8:20 बजे की है। गृह सुरक्षा विभाग के अनुसार, आरोपी ने इमारत के प्रवेश द्वार की सीढ़ियों पर गैसोलीन उड़ेलकर आग लगा दी। जैसे ही लपटें उठीं, वहां तैनात एक सुरक्षा अधिकारी ने मुस्तैदी दिखाते हुए आरोपी को दबोच लिया। इस दौरान एक राहगीर पटाखों की चपेट में आकर आंशिक रूप से झुलस गया, जबकि आरोपी को पकड़ने वाले सुरक्षाकर्मी को भी मामूली चोटें आई हैं। दमकल विभाग ने घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत खतरे से बाहर है।

ट्रंप की टैरिफ रणनीति ने भारत समेत व्यापारिक साझेदारों के साथ अमेरिका की स्थिति को मजबूत किया : जैमीसन ग्रीर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापक टैरिफ (आयात शुल्क) नीति का बचाव करते हुए कहा है कि इससे दुनिया के कई देशों के साथ व्यापार वार्ता में अमेरिका की स्थिति मजबूत हुई है। उनका दावा है कि इस नीति ने भारत समेत कई प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ समझौते आगे बढ़ाने में मदद की है और अमेरिकी विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र को फिर से मजबूत करने की सरकार की कोशिशों को भी गति मिली है। द न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में ग्रीर ने कहा कि टैरिफ नीति के खिलाफ कानूनी चुनौतियां और अर्थशास्त्रियों व कारोबारी संगठनों की आलोचना के बावजूद सरकार की रणनीति सफल साबित हो रही है। जब उनसे पूछा गया कि क्या टैरिफ नीति काम कर रही है, तो उन्होंने कहा, 'बिल्कुल। मुझे लगता है कि हमें बड़ी सफलता मिली है। जब भी आप किसी बड़ी नीति में बदलाव करते हैं और बड़े कारोबारी या विशेष हितों को चुनौती देते हैं, तो विरोध होना तय है। कई लोग पुरानी व्यवस्था बनाए रखना चाहते हैं, लेकिन हम उसे बदलना चाहते हैं।'

ग्रीर ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने तेजी से कदम इसलिए उठाए क्योंकि उसका मानना था कि लगातार बढ़ता अमेरिकी व्यापार घाटा देश की अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर समस्या बन गया है। उनके अनुसार, व्यापक टैरिफ लगाने से अमेरिका को कई देशों के साथ नए व्यापार समझौतों पर बातचीत करने में फायदा मिला। उन्होंने बताया कि

इस नीति की बदौलत अमेरिका ने ब्रिटेन, यूरोपीय संघ, इंडोनेशिया, भारत और जापान जैसे देशों के साथ व्यापार समझौतों पर बातचीत आगे बढ़ाई। ग्रीर ने यह भी स्वीकार किया कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के टैरिफ कार्यक्रम के एक बड़े हिस्से को रद्द कर दिया था। हालांकि उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी रणनीति पर कोई पछतावा नहीं है। उन्होंने कहा, 'हमारी नीतियों को अदालत में चुनौती मिलना कोई नई बात नहीं है। हमेशा कुछ लोग ऐसे होंगे जो अमेरिकी कामगारों की कीमत पर अपना फायदा कमाना चाहते हैं और अपने पुराने कारोबारी मॉडल को बचाने के लिए मुकदमे करेंगे। ग्रीर के मुताबिक, प्रशासन अब दूसरे कानूनी विकल्पों के जरिए अपनी व्यापार नीति को आगे बढ़ा रहा है और कई दशकों से चली आ रही अमेरिकी व्यापार व्यवस्था में बड़े बदलाव के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा, 'आखिरकार हम व्यापार नीति बदलने में सफल हो रहे हैं। व्यापार घाटा कम हो रहा है। कंपनियां फिर से अमेरिका में उत्पादन शुरू कर रही हैं। हम वेतन बढ़ाने में सफल हो रहे हैं। हम इन सभी चीजों में सफल हो रहे हैं। इसलिए मैं अपनी मौजूदा स्थिति और आगे की दिशा से खुश हूं।

अमेरिका ने कनाडा पर लगाया 50% टैरिफ, ट्रेड को लेकर दो पड़ोसियों के बीच बढ़ी टेंशन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सैकड़ों कनाडाई प्रोडक्ट्स पर 50 परसेंट का एक्स्ट्रा टैरिफ लगा दिया है. उन्होंने ओटावा पर ऑटोमोबाइल, अल्कोहलिक ड्रिंक्स और डेयरी प्रोडक्ट्स के अमेरिकन एक्सपोर्ट के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया है. इससे नॉर्थ अमेरिका के दो पड़ोसियों के बीच ट्रेड टेंशन और बढ़ गई है.

1930 के टैरिफ एक्ट के सेक्शन 338 को लागू करते हुए ट्रंप ने कुछ खास कनाडाई इंपोर्ट पर नई ड्यूटी लगाने वाले तीन अलग-अलग आदेशों पर साइन किए. व्हाइट हाउस ने कहा कि इस कदम का मकसद कनाडा के अमेरिकी कॉमर्स के साथ भेदभाव वाले बर्ताव से अमेरिकी कॉमर्स पर पड़ने वाले बोझ और नुकसान को कम करना और अमेरिकी एक्सपोर्ट, खासकर कार, शराब और डेयरी प्रोडक्ट के लिए बराबरी के मौके बनाना है. व्हाइट हाउस के मुताबिक टैरिफ साइन करने के 30 दिन बाद लागू होंगे और इस बात पर ध्यान दिए बिना लागू होंगे कि सामान अमेरिका-मेक्सिको-कनाडा एग्रीमेंट के तहत खास ट्रीटमेंट के लिए क्वालिफाई करता है या नहीं. इन उपायों में एनर्जी, पोटाश, पहले से सेक्शन 232 टैरिफ के तहत आने वाले प्रोडक्ट, मछली, जरूरी मिनरल और कुछ दूसरी खास चीज़ें शामिल नहीं होंगी.

एडमिनिस्ट्रेशन ने कहा कि नए टैरिफ कनाडा के कई तरह के इंपोर्ट को कवर करते हैं, जिसमें वाइन और हॉकी स्टिक से लेकर सीमेंट और कंज्यूमर गुड्स तक के प्रोडक्ट शामिल हैं. साथ में दिए गए एनेक्स में सैकड़ों टैरिफ क्लासिफिकेशन की लिस्ट है जिन पर एक्स्ट्रा 50 परसेंट ड्यूटी लगेगी. व्हाइट हाउस ने कहा कि कनाडा ने ऐसी पॉलिसी बनाए रखीं जो अमेरिकी एक्सपोर्टर्स के साथ भेदभाव करती थी, जबकि दूसरे ट्रेडिंग पार्टनर्स को ज़्यादा अच्छा बर्ताव देती थी.

इसमें कहा गया कि कनाडा ने अमेरिकी मोटर गाड़ियों पर टैरिफ और कोटा रिस्ट्रिक्शन लगाए जो दूसरे देशों से इंपोर्ट पर लागू नहीं होते थे और कोटा इस तरह से मैनेज किया जिससे अमेरिकी मैन्युफैक्चरर्स को अमेरिका में फैसिलिटी बढ़ाने के बजाय कनाडाई प्रोडक्शन में इन्वेस्ट करने के लिए बढ़ावा मिला. व्हाइट हाउस ने एक फैक्ट शीट में कहा कि अप्रैल 2025 और मार्च 2026 के बीच पिछले साल इसी समय की तुलना में कनाडा में अमेरिकी मोटर गाड़ियों का इम्पोर्ट लगभग 22 प्रतिशत या 5.6 बिलियन डॉलर कम हो गया, जबकि दूसरे देशों से इम्पोर्ट बढ़कर अमेरिकी एक्सपोर्ट की जगह ले लिया.

व्हाइट हाउस ने अमेरिकी अल्कोहलिक ड्रिंक्स पर लगी पाबंदियों का भी ज़िक्र किया, और कहा कि दो कनाडाई प्रांतों और इलाकों को छोड़कर बाकी सभी ने अमेरिकी अल्कोहल की खरीद, डिस्ट्रीब्यूशन या रिटेल बिक्री रोक दी है, जबकि दूसरे देशों के प्रोडक्ट्स की पहुँच बनाए रखी है. इसने कहा कि मार्च 2025-फरवरी 2026 के समय के दौरान पिछले साल की तुलना में कनाडा में अमेरिकी अल्कोहलिक ड्रिंक्स का इम्पोर्ट लगभग 81 प्रतिशत या 582 मिलियन डॉलर कम हो गया. डेयरी पर एडमिनिस्ट्रेशन ने तर्क दिया कि यूएसएमसीए के तहत चीज के लिए कनाडा का टैरिफ-रेट कोटा सिस्टम, कनाडा-यूरोपियन यूनियन कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक एंड ट्रेड एग्रीमेंट के तहत यूरोपियन यूनियन के समान इंपोर्ट पर लागू कोटा सिस्टम से ज़्यादा रोक लगाने वाला था, जिससे अमेरिकी एक्सपोर्टर कॉम्पिटिटिव रूप से नुकसान में थे. व्हाइट हाउस ने कहा कि पिछले डेढ़ साल में सिर्फ दो देशों, चीन और कनाडा ने वॉशिंगटन के साथ ट्रेड एग्रीमेंट पर बातचीत करने के बजाय ट्रंप के टैरिफ के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने का विकल्प चुना था. इसने कहा कि एडमिनिस्ट्रेशन ने 18 ट्रेड डील हासिल की, जिससे अमेरिकी एक्सपोर्ट के लिए नए मार्केट खुले, लेकिन तर्क दिया कि कनाडा ने कनाडाई ट्रेड बैरियर को दूर करने के बजाय अमेरिका के खिलाफ भेदभाव करने का विकल्प चुना.' लेटेस्ट टैरिफ ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन के अपने अमेरिका फर्स्ट इकोनॉमिक एजेंडा को आगे बढ़ाने के लिए ट्रेड उपायों के इस्तेमाल में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

प्रेग्नेंसी में सुपरफूड की तरह काम करता है शरीफा

शिशु का होता है तेज दिमाग

हर कोई चाहता है कि उसका बच्चा तेज दिमाग के साथ स्वस्थ रहे। इसके लिए जरूरी है कि प्रेग्नेंसी के दौरान कुछ खास चीजों खाई जाएं। शरीफा ऐसा ही फल है जो आपके शिशु का मानिसिक और शारीरिक विकास बेहतर करता है। शरीफा विटामिन सी और एंटी-ऑक्सीडेंट्स बढ़ाते हैं इम्युनगर्भ में पल रहे शिशु के लिए अमृत समान होता है। शरीफा पोषक तत्वों का खजाना होता है। खासतौर से अगर इसे प्रेग्नेंसी में खाया जाए तो मां ही नहीं गर्भ में पल रहे शिशु के भी सारे पोषण की जरूर पूरी होती है। हालांकि शरीफा कई गभींर रोगों में भी बहुत फायदेमंद होता है। हाई और लो हाई बीपी, डायबिटीज, हृदय रोग के जोखिमों से बचाने के साथ ये इम्युन सिस्टम को भी मजबूत बनाता है, इससे शरीर को रोगों से लड़ने कि अपार शक्ति मिलती है।

विटामिन सी और एंटी-ऑक्सीडेंट्स भरपूर होने के कारण ये एलर्जी और कैंसर के जोखिम से भी बचाता है। ये शरीर को मुक्त कणों या फ्री रेडिकल्स से लड़ने में मदद करता हैं। इसमें बहुत अच्छी मात्रा में पोटैशियम और मैग्नीशियम होता है। शरीफा में विटामिन ए भी होता है जो आंखों के लिए बहुत अच्छा होता है। इतना ही नहीं अपच-गैस आदि में भी इसका सेवन लाभप्रद होता है। इसे किसी भी रूप में खाया जा सकता है। आप चाहें इसका स्मूदी बनाएं या शेक पीएं या साबुत खाएं।

प्रेग्नेंसी में लाभदायक

प्रेग्नेंसी में शरीफा को रोज की डाइट का हिस्सा बना लें। कम से कम तीन शरीफा रोज खाएं। ऐसा करके न केवल आप अपने बच्चे का तेजी से विकास करेंगी बल्कि इससे शिशु का मस्तिष्क और प्रतिरक्षा प्रणाली प्रभावी ढंग से विकसित होगा। इसे रोज खाने गर्भपात के जोखिम भी कम होते हैं और नार्मल डिलेवरी के दौरान पीड़ा भी कम होती है। ये अंदर से शरीर को मजबूत बनाता है।

हार्ट अटैक के खतरे करता है कम

शरीफे में मैग्नीशियम और पोटेशियम की मात्रा बहुत होती है और ये हार्ट अटैक के जोखिमों को रोकने में बहुत मददगार होते हैं। रोज यदि इसका सेवन किया जाए तो इससे मांसपेशियों मजबूत होती हैं और दर्द में भी आराम मिलता है। विटामिन बी 6 होमोसिस्टीन संग्रह को रोकता है, जिससे हृदय रोग जैसा जोखिम कम होतें हैं।

इम्युन होता है मजबूत

रोज तीन शरीफा जरूर खाना चाहिए। इसे खाने से इम्युन जनित रोग होने की संभावना नहीं रहती है, वहीं बीमारियों से रिकवर होने में बहुत मदद मिलती है। इसे खाने से इम्युन सिस्टम बहुत मजबूत होता है जिससे शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता को बढ़ाती है।

सुस्ती और थकान को करता है दूर

शरीफा खाने से न सिर्फ थकान, सुस्ती और कमजोरी दूर होती है मांसपेशियों में होने वाले दर्द से भी ये आराम दिलाता है।

डायबिटीज और ब्लडप्रेशर नियंत्रित करता है

यह टाइप -2 डायबिटीज के जोखिम को कम करने के साथ शरीफा हाई और लो बीपी में भी फायदेमंद होता है, क्योंकि इसमें पोटैशियम और मैग्नीशियम काफी अच्छी मात्रा में होता है जिससे ये दो बीमारियां कंट्रोल में रहती है।

शरीफा को रोज सुबह या दोपहर में खाना ज्यादा श्रेयस्कर होता है। कोशिश करे कि एक साथ दो शरीफा जरूर खाएं।

घनी पलकें ही नहीं दमकती, त्वचा के लिए भी फायदेमंद है एलोवेरा जेल

अगर आप अपनी लंबी घनी पलकों के साथ दमकती त्वचा का सपना देखती हैं तो एलोवेरा बिना आपकी जेब ढीली किए आपका ये सपना पूरा कर सकता है। महिलाओं की ऐसी ही सेहत और खूबसूरती से जुड़ी हर छोटी बड़ी परेशानी को ध्यान में रखते हुए वीमेन हेल्थ और केयर पर फोकस करने वाली वेलनेस साइट हेल्थ शॉट्स पर छपी रिपोर्ट के मुताबिक जानते हैं आखिर कैसे एलोवेरा का उपयोग करके आप घर पर पा सकते हैं पार्लर जैसा निखार।

त्वचा का बचाव

एलोवेरा प्राकृतिक रूप से विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। एलोवेरा का नियमित इस्तेमाल त्वचा में कसावट लाने के साथ त्वचा की रंगत भी निखारता है।

कैसे करें इस्तेमाल: चेहरे को धोने के बाद रोजाना एलोवेरा रस को त्वचा पर दो बार लगाएं। आधे घंटे बाद चेहरे को सादे पानी से धो लें।

लंबी पलकों और भौंहों के लिए एलोवेरा

लंबी पलके और घनी भौंहों की चाहत अगर आप भी रखते हैं तो आपका ये सपना एलोवेरा पूरा कर सकता है।

कैसे करें इस्तेमाल: पलकों को घना बनाने के लिए एलोवेरा जेल को रूई या मस्करा लगाने वाली साफ छड़ी का उपयोग करते हुए पलकों और भौंहों पर लगाएं। 15 मिनट बाद इस जेल को भौंहों और पलकों से छुड़ाने के लिए ऐलोवेरा जेल में कुछ बूंदें जैतून के तेल की मिलाकर इस मिश्रण को अपनी पलकों पर लगाकर एक रूई की मदद से धीरे से पोंछ लें।

त्वचा के लिए बेहतरीन मास्क

त्वचा में कसाव लाने के लिए एलोवेरा एक बेहतरीन मास्क है। इस मास्क को बनाने के लिए सबसे पहले एक बड़ा चम्मच बेसन दो चम्मच दही और एक बड़ा चम्मच एलोवेरा जेल अच्छे से मिलाकर चेहरे पर लगा लें। अब 30 मिनट बाद चेहरे को धो लें।

मुहांसों से निजात पाने के लिए एलोवेरा जेल

अगर आप भी अक्सर मुहांसों की समस्या से परेशान रहते हैं तो अब उन्हें अलविदा कहने का समय आ गया है। मुहांसों से निजात पाने के लिए सबसे पहले 40 मिली मिनरल वाटर, तीन चम्मच एलोवेरा जेल और दो बूंद टी ट्री ऑयल लें। अब इन सभी चीजों को एक छोटी सी स्प्रे बोतल में डालकर अच्छे से हिलाते हुए मिला लें। अब चेहरे पर जिस जगह मुहांसे हैं उस जगह पर इसे स्प्रे करके इसे सूखने दें। ऐसा करते समय अपनी आंखों को बचाकर रखें।

रेसिपी

मटर कुलचा

सामग्री

■ 2 कप सूखी मटर ■ बारीक कटी 2 हरी मिर्च ■ 1 कप बारीक कटा प्याज ■ 1 कप बारीक कटा टमाटर ■ एक नींबू का रस ■ 1/2 चम्मच अमचूर पाउडर ■ 2 चम्मच चाट मसाला ■ 3 चुटकी मीठा सोडा पाउडर ■ 1/4 चम्मच हल्दी पाउडर ■ स्वादानुसार नमक ■ आधा कप बारीक कटा हरा धनिया

विधि

मटर को 6 से 7 घंटे पानी में भिगो दें। अब इसे प्रेशर कूकर में पानी डालकर मीठा सोडा पाउडर, हल्दी पाउडर और थोड़ा नमक मिलाकर उबाल लें। कूकर में 3-4 सीटी आने के बाद गैस धीमी कर दें और फिर 2 से 3 सीटी आने के बाद गैस बंद कर दें। कूकर का प्रेशर खत्म होने पर ही उसका ढक्कन खोलें और मटर को एक बड़ी चम्मच से अच्छी तरह चलाकर मैश कर लें। अब इसमें बारीक कटा प्याज, हरी मिर्च, टमाटर, चाट मसाला, अमचूर पाउडर और स्वादानुसार नमक मिलाकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। फिर मटर में नींबू का रस मिलाकर 5 मिनट और मध्यम आंच में गैस पर रखकर पकाएं। गैस बंद कर दें, चटपटे मटर तैयार हैं, कुलचे के साथ इसे सर्व करें।

रेसिपी

मॉलिगेटॉनी सूप

सामग्री

■ 2 टीस्पून कुकिंग ऑयल ■ 2.5 कप रेडीमेड वेजिटेबल ब्रोथ ■ ½ कप लाल मसूर की दाल ■ ¼ कप चावल ■ 2 टुकड़ों में कटी गाजर ■ 2 बारीक कटी सेलेरी स्ट्रिक्स ■ 2 बारीक कटे टमाटर ■ 1 बारीक कटा सेब ■ ½ कप बारीक कटा प्याज ■ 1 टीस्पून गार्लिक पेस्ट ■ गार्निशिंग के लिए कुछ भुने हुए करी पत्ते।

विधि

2 टीस्पून कुकिंग ऑयल, 2.5 कप रेडीमेड वेजिटेबल ब्रोथ, ½ कप लाल मसूर की दाल, द कप चावल, 2 टुकड़ों में कटी गाजर, 2 बारीक कटी सेलेरी स्ट्रिक्स, 2 बारीक कटे टमाटर, 1 बारीक कटा सेब, ½ कप बारीक कटा प्याज, 1 टीस्पून गार्लिक पेस्ट, गार्निशिंग के लिए कुछ भुने हुए करी पत्ते।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-7-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेगी। प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। दिमाग में निर्मूल तर्क पैदा होंगे। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ नरम रहेगा। शुभांक-5-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-1-4-6

काकुरो पहेली - 5019

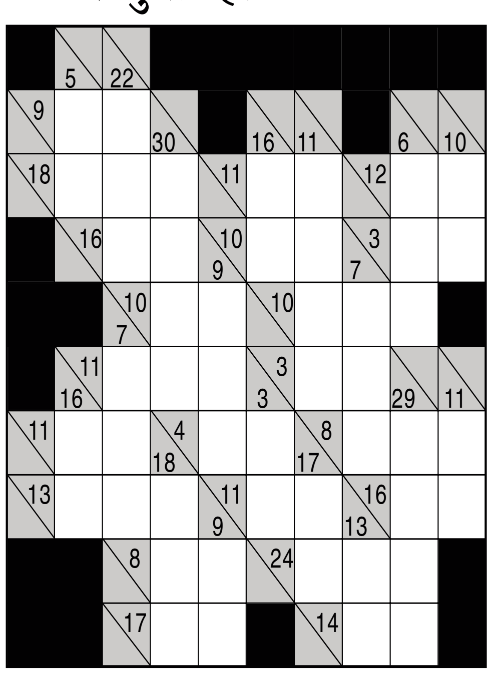

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

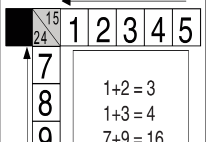

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो -5018 का हल

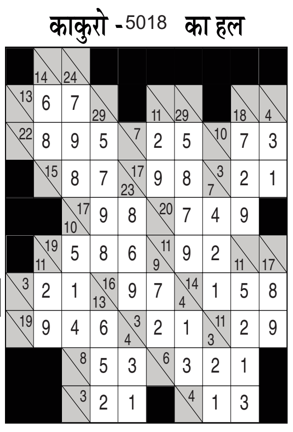

लॉफिंग ज़ोन

रमन अपने दोस्त नरेश से बोला- क्या बात है, आजकल तुम्हारी प्रेमिका अक्सर चुप-चुप ही रहती है? तुमने उसे डाँटा क्या?

नरेश- नहीं यार! मेरी क्या मजाल है जो मैं उस डाँट सकूँ। दरअसल हुआ यूँ कि एक दिन हम दोनों फोटो खिंचवा रहे थे, तो फोटोग्राफर ने मेरी प्रेमिका से कहा 'जब आप चुप रहती हैं, तो एकदम कैटरीना की तरह दिखती है।'

□ □ □

एक भीड़ भरी खचाखच बस में एक युवती को जोर से धक्का लगा। युवती झल्लाई और पीछे खड़े युवक को चिल्ला कर बोली, जान वर हो क्या?

युवक ने रोमांटिक अंदाज में जवाब दिया- जान तो आप हैं, मैं तो बस आपका ही वर हूँ।

□ □ □

एक बार स्वीमिंग पुल के किनारे कपड़े रखे थे और वहाँ एक कागज का पुर्जा पड़ा था, जिस पर लिखा था- मेरे कपड़े मत चुराना- बॉक्सिंग चैंपियन रमन।

जब वह तैर कर बाहर निकला, तो देखा वहाँ से उसके कपड़े गायब थे और एक पुर्जा पड़ा था, जिस पर लिखा था- मुझे पकड़ने की कोशिश मत करना- मैराथन चैंपियन चमन।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 5019

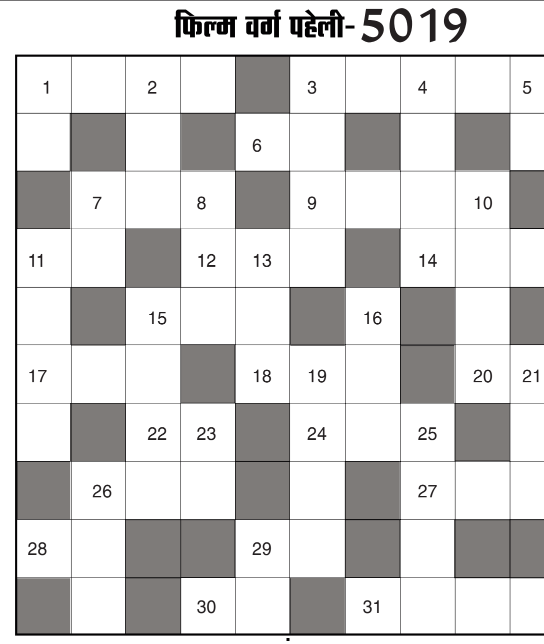

बायें से दायें:-

१. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, रमैया, मनीषा की फिल्म-४
३. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-५
६. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-२
७. शाहरूख, माधुरी की 'अठरा बरस की कँवारी कली थी' गीत वाली फिल्म-३
९. 'वो चाँद जैसी' गीत वाली शाहरूख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-४
११. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
१२. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
१४. संजय दत्त, फरहा की 'मेरा प्यार तेरे जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१५. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-३
१७. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-३
२०. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-२
२२. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-२
२४. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जात' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'बागां मां जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-३
२७. विनोद खन्ना, हेमा की अरूणा राजे द्वारा निर्मित एवं निर्देशित फिल्म-३
२८. 'क्यूं मेरा दिल तुझको' गीत वाली करण नाथ, मनीषा की फिल्म-२
२९. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'शमशीर बजे ना' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'बंधन' में सलमान का नाम ?-२
३१. फिल्म 'काफी हाउस' में शम्मी कपूर की नायिका ?-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल ना दिया' गीत वाली फिल्म-२
२. विनोद खन्ना, बिंदू की फिल्म-३
३. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-४
४. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-४
५. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
८. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल घवन, योगिता की फिल्म-४
११. देव आनंद, मधुबाला की 'उन के खयाल आए तो' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-३
१५. जयराज, निरूपा की 'ना किसी की आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-२,२
१६. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-३
१९. 'लेके पहला पहला प्यार गीत वाली फिल्म-१,२,१
२१. मिथुन, आदित्य, डिम्पल, मंदाकिनी की फिल्म-३
२३. अनिल घवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-२
२५. 'पियू बोले जिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. बिस्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम ?-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5018

बा	बु	ल		आ	का	श		यु	द्ध
रि		गा	य	ब		र्मी		गां	
श	गु	न		रू	दा	ली		ध	र्म
	स		फू		ग		डो	र	
गु		दि	ल	से		मि	ली		भा
म	शा	ल		ह	म			जं	ग
रा		ज	य	रा	ज		माँ		म
ह	म	ला			बू	म		र	भा
	ह		स	फ	र		दे		ग
य	ल	गा	र			बे	व	फा	

सूडोकु -5019

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -5018 । हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्द पहेली - 5019

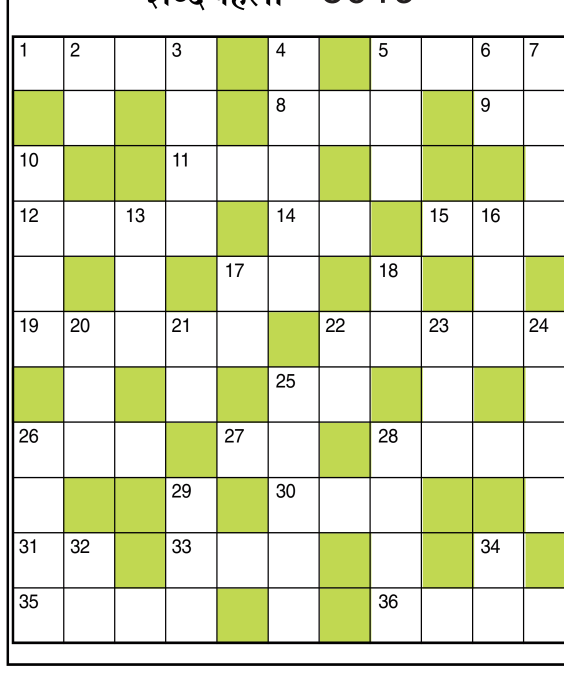

बाएँ से दाएँ

1.उथल-पुथल, कोलाहल-4
5.अस्पताल-4
8.पक्षाघात-3
9.मिट्टी, धूल-2
11.पुष्प, फूल, सुमन-3
12.बुरे कार्य करनेवाला-4
14.जादू, तंत्र-मंत्र-2
15.सौत, सपत्नी-3
17.साड़ी के किनारे पर लगाया जानेवाला लंबा कपड़ा-2
19.नगर में रहनेवाले-5
22.गणपति, गणेश-5
25.बागवान-2
26.जुदा, पृथक्-3
27.जी, इच्छा-2
28.पहरेदार-4
30.सिसकना-3
31.रहस्य-2
33.सोना,धतूरा-3
35.हृदयगति, स्पंदन-4
36.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान की मां का किरदार निभानेवाली अभिनेत्री-2,2

ऊपर से नीचे

2.उद्देश्य,गंतव्य-2
3.राम-सीता के पुत्र-2,2
4.टालना-2,3
5.स्याही रखने का पात्र-3
6.क्षार-2
7.सुंदरी (उर्दू-4)
10.जबरदस्ती-4
13.होशियार-3
16.पुत्र,बेटा-3
17.रस्सी के फंदे पर लटकाना-2
18.जान,जीवन-2
20.जहर, विष-3
21.अदालत में प्रस्तुत वाद-2
22.छोटा रास्ता, कूचा-2
23.अपवित्रता (उर्दू-3)
24.पक्षियों का शोर-4
25.मानसिक सोच-5
26.गुनाह,जुर्म-4
28.रखवाली करना-4
29.मुर्गा-3
32.मूल, पेड़ का वह हिस्सा जो जमीन में रहता है-2
34.आमिर खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2

शब्द पहेली -5018 का हल

	त	था	क	थि	त		क	या	म	त
ना	प		ह		र	का	बी		त	र
मु		त	वा	य	फ		ला	वा		खा
ना	पा	क			दा	नी		दा	म	न
सि		दी		प	र		सा		हि	
ब	ह	र	हा	ल		नि	रा	ला	प	न
	र		नि		आ	शा		ज		ज
अ	म	र		अ	तं			वा	न	र
मा		मा	न		क	र	त	ब		बं
न	या		ज	ल	वा		ना		क	द
त	क	दी	र		द	शा	व	ता	र	

भारत ने रूसी राजदूत व्लादिमीर लादानोव को तलब किया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने रूसी मिसाइल हमले में 4 भारतीयों की मौत को लेकर 5 दिल्ली में रूस के प्रभारी राजदूत व्लादिमीर लादानोव को तलब किया। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि ऐसे हमले अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार की सुरक्षा और स्थिरता को कमज़ोर करते हैं। व्लादिमीर लादानोव से अपने अधिकारियों तक भारत की गंभीर चिंता पहुंचाने को कहा गया है। साथ ही यह भी कहा गया कि व्यापारिक जहाज़ों को निशाना बनाना और इसके कारण निर्दोष नागरिकों की जान जाना मंजूर नहीं है और ऐसा नहीं होना चाहिए। उल्लेखनीय है कि रूसी सेना ने 19 जुलाई को एमवी गोल्डन लियो नामक जहाज पर हमला किया था। अनाज से लदा यह जहाज ओडेसा से रवाना होते ही हमले का शिकार हो गया था। जहाज मुंबई स्थित ओशन ग्रेस शिपिंग लिमिटेड के स्वामित्व में है। जहाज पर भारत और सीरिया के 17 चालक दल के सदस्य सवार थे, जिसमें 4 भारतीयों की मौत हुई है।

बिहार में मुख्यमंत्री आवास, सचिवालय और स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

पटना। बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नाम ई-मेल के जरिए बम धमाके की धमकी मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है। धमकी में मुख्यमंत्री आवास, मुख्यमंत्री सचिवालय, दानापुर के चार स्कूलों तथा गयाजी के प्रधान डाकघर और पासपोर्ट कार्यालय को आरडीएक्स से उड़ाने की बात कही गई है। घटना के बाद पटना और गयाजी में पुलिस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड को सक्रिय कर दिया गया है। सभी संवेदनशील परिसरों की गहन तलाशी ली जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सुबह 7:57 बजे ग्रामीण विकास विभाग के आधिकारिक ई-मेल पर एक धमकी भरा संदेश प्राप्त हुआ। ई-मेल में दावा किया गया कि 21 जुलाई को दोपहर 3:11 बजे पहले बिहार सचिवालय में विस्फोट किया जाएगा और इसके बाद रात 9:11 बजे मुख्यमंत्री कार्यालय तथा मुख्यमंत्री आवास को बम से उड़ा दिया जाएगा। ई-मेल मिलते ही विभाग के संयुक्त सचिव रवि कुमार ने तत्काल संबंधित थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम सामाजिक न्याय की सबसे बड़ी गारंटी : गोविंद सिंह राजपूत

भोपाल। मध्य प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम केवल खाद्यान्न वितरण की योजना नहीं, बल्कि गरीब, वंचित और जरूरतमंद परिवारों को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का संवैधानिक आधार प्रदान करने वाला सामाजिक न्याय का सशक्त माध्यम है। मंत्री राजपूत मंगलवार को राजधानी भोपाल के कुशाभाऊ इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में राज्य खाद्य आयोग एवं केन्द्रीय नीति आयोग के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 : प्रगति, चुनौतियां और भविष्य की दिशा विषय पर आयोजित दो

दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गरीब कल्याण के संकल्प और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में यह सुनिश्चित कर रही है कि राज्य का कोई भी पात्र परिवार खाद्यान्न के अधिकार से वंचित न रहे और भूखा न सोए मंत्री राजपूत ने कहा कि अब वितरण केंद्र से उचित मूल्य की दुकान तक तथा दुकान से उपभोक्ता तक राशन की प्रत्येक जानकारी पंजीकृत मोबाइल नंबर पर संदेश के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही है। सरकार का उद्देश्य केवल राशन उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि प्रत्येक पात्र हितग्राही तक उसका अधिकार समय पर, पूर्ण पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ पहुंचाना है। इसी सोच के अनुरूप मध्यप्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली में व्यापक सुधार किए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप व्यवस्था अधिक आधुनिक, पारदर्शी और जनकेंद्रित बनी है।

मीनाक्षी नटराजन पहुंचीं हाई कोर्ट, राज्यसभा चुनाव में नामांकन निरस्त होने के फैसले को दी चुनौती

भोपाल/जबलपुर। मध्य प्रदेश से राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार रहीं वरिष्ठ नेता मीनाक्षी नटराजन ने अपना नामांकन रद्द किए जाने के फैसले को जबलपुर स्थित मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। नटराजन ने तय 45 दिनों की वैधानिक सीमा के भीतर याचिका दायर कर निर्वाचन आयोग के फैसले को गलत ठहराया है। मीनाक्षी नटराजन जबलपुर पहुंचीं और उच्च न्यायालय में चुनाव याचिका दाखिल की। जबलपुर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का पालन करते हुए उन्होंने नियमानुसार निर्धारित 45 दिनों की समय-सीमा के भीतर यह याचिका दायर की है। नटराजन का आरोप है कि रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा उनका नामांकन पत्र बिना किसी ठोस और वैध कानूनी आधार के निरस्त किया गया था। जिस मामले का संज्ञान तक नहीं लिया गया था, उसे ही आधार बनाकर उनकी आपत्तियों को खारिज कर दिया गया। उन्होंने कहा कि पहले चुनावों में 'वोटों की चोरी' के आरोप लगते थे, लेकिन इस बार तो पूरी की पूरी 'सीट ही चुरा' ली गई है। नटराजन ने भरोसा जताया कि उन्हें उच्च न्यायालय से न्याय जरूर मिलेगा।

मध्य प्रदेश विधानसभा में यूसीसी विधेयक पारित

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा में मानसून सत्र के दूसरे दिन समान नागरिक संहिता (यूनिफॉर्म सिविल कोड- यूसीसी) विधेयक पारित हो गया है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोंकझोंक, हंगामा और नारेबाजी हुई। विपक्ष के तीखे विरोध और वॉकआउट के प्रयासों के बावजूद विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने सदन की कार्यवाही जारी रखते हुए विधेयक को पास घोषित कर दिया। विधानसभा में आज मंत्री गौतम टेटवाल ने मध्य प्रदेश समान नागरिक संहिता विधेयक 2026 पर चर्चा के लिए सदन में प्रस्ताव पेश किया। सदन में प्रस्ताव रखते ही विपक्ष हमलावर हो गया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने विधेयक का कड़ा विरोध करते हुए इसे विस्तृत समीक्षा के लिए प्रवर समिति के पास भेजने की मांग की। हालांकि, सरकार ने इस मांग को सिरे से खारिज कर दिया, जिसके बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोंकझोंक शुरू हो गई। मांग नहीं माने

जाने पर कांग्रेस विधायक विरोध जताते हुए सदन के बीचो-बीच पहुंच गए और सरकार विरोधी नारेबाजी करने लगे। वहीं भाजपा विधायक और मंत्री विधेयक पर तुरंत चर्चा कराकर इसे पास कराने पर अड़े रहे।

सदन में बढ़ते हंगामे और अव्यवस्था को देखते हुए अध्यक्ष तोमर ने कार्यवाही को पहले 10 मिनट और फिर 15 मिनट के लिए स्थगित कर दिया। दोबारा कार्यवाही शुरू होने पर कांग्रेस विधायक बाला बच्चन ने सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए। वहीं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, विधायक आतिफ अकील और आरिफ मसूद ने इस बिल को सत्ता पक्ष का राजनीतिक एजेंडा करार दिया। कांग्रेस नेताओं ने संविधान के अनुच्छेद 29 का हवाला देते हुए अल्पसंख्यकों के सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकारों की रक्षा का मुद्दा उठाया।

भाजपा विधायक सीताराम शर्मा ने यूसीसी पर संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संविधान को सिर पर लेकर घूमती है, संविधान मानने की बात करती है, लेकिन उच्चतम न्यायालय के आदेश को नहीं मानती है। कांग्रेस के हंगामे के बीच मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि जो हिंदू की बात करेगा, वही राज करेगा। उन्होंने कहा कि समानता हमारी संस्कृति का मूल है। भगवान की दृष्टि में सभी एक समान हैं, तो इंसानों द्वारा बनाए गए कानून में अलग-अलग व्यवस्था क्यों होनी चाहिए। देश में सभी नागरिकों के लिए समान कानून होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राम से रहीम तक, रविंद्र से रॉबिन तक, अमर से एंथोनी और अकबर तक, देश एक संविधान से चले। उन्होंने दावा किया कि समान नागरिक संहिता लागू होने के बाद मध्य प्रदेश में भेदभाव से मुक्ति मिलेगी और राज्य गोवा, उत्तराखंड और असम के बाद इस दिशा में कदम बढ़ाने वाले चुनिंदा राज्यों में शामिल होगा।

शरद पवार, संजय राऊत ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी (एससीपी) के प्रमुख एवं सांसद शरद पवार और शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत एवं अरविंद सावंत सहित पार्टी के सांसदों ने जंतर-मंतर जाकर प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रमुख अभिजीत दीपके ने एक्स पोस्ट में यह जानकारी दी। दीपके के मुताबिक इन नेताओं ने हुए प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज की कड़ी निंदा की और परीक्षा में धांधली तथा पुलिस की बर्बरता के खिलाफ विरोध कर रहे छात्रों का समर्थन किया। सांसद संजय राउत और अरविंद सावंत ने कहा कि बच्चों के भविष्य के लिए हो रहा यह आंदोलन रुकेगा नहीं। जरूरत पड़ने पर हम भूख हड़ताल में भी शामिल होंगे।

पश्चिम बंगाल सरकार ने जारी की 291 आईएएस अधिकारियों की अद्यतन पोस्टिंग सूची

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने 20 जुलाई 2026 तक भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारियों की अद्यतन पदस्थापन सूची जारी कर दी है। सूची में राज्य के कुल 291 आईएएस अधिकारियों के वर्तमान पद, दायित्व और तैनाती का विवरण शामिल है। इसमें मुख्य सचिव से लेकर अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव, मंडलायुक्त, जिलाधिकारी (डीएम), नगर आयुक्त, विकास प्राधिकरणों के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ), विशेष सचिव, अतिरिक्त जिलाधिकारी (एडीएम), उप-मंडलाधिकारी (एसडीओ) तथा सहायक मजिस्ट्रेट एवं सहायक कलेक्टर तक के पद शामिल हैं। जारी सूची के अनुसार मनोज कुमार अग्रवाल राज्य के मुख्य सचिव के पद पर कार्यरत हैं। वहीं विवेक भारद्वाज भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय में सचिव के रूप में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। अतिरिक्त मुख्य सचिव स्तर पर बरुण कुमार राय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के साथ पर्यटन विभाग का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे हैं। प्रभात कुमार मिश्रा वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव हैं और उनके पास योजना एवं सांख्यिकी विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी है। अनूप कुमार अग्रवाल कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव हैं तथा एमएसएमई एवं वस्त्र विभाग का अतिरिक्त दायित्व भी संभाल रहे हैं। दुष्यंत नारियाला नई दिल्ली में पश्चिम बंगाल सरकार के प्रधान रेजिडेंट कमिश्नर के रूप में कार्यरत हैं।

प्रधान सचिव स्तर पर बिनोद कुमार गृह एवं पर्वतीय मामलों के विभाग, संघमित्रा घोष सिंचाई एवं जलमार्ग विभाग, राजेश कुमार सिन्हा भूमि एवं भूमि सुधार विभाग, सुरेंद्र गुप्ता कृषि विभाग, ओंकार सिंह मीणा तकनीकी शिक्षा, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग तथा राजीव कुमार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रधान सचिव हैं। वंदना यादव उद्योग, वाणिज्य एवं उद्यम विभाग की प्रधान सचिव हैं, जबकि नीलम मीणा पश्चिम बंगाल की मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) के रूप में कार्यरत हैं। मंडलायुक्तों में डॉ. सौमित्र मोहन बर्दवान मंडल, गोदाला किरण कुमार मेदिनीपुर मंडल, वी. ललितालक्ष्मी प्रेसिडेंसी मंडल और डॉ. पी.बी. सलीम मालदा मंडल के मंडलायुक्त हैं। जिलाधिकारियों की सूची में निरंजन कुमार (पूर्व मेदिनीपुर), दीपिका सन्यामाथ (उत्तर 24 परगना), आर. विमला (मुर्शिदाबाद), आर. अर्जुन (नदिया), स्वेता अग्रवाल (पूर्व बर्दवान), संदीप कुमार घोष (जलपाईगुड़ी), अनीश दासगुप्ता (बांकुड़ा), विवेक कुमार (उत्तर दिनाजपुर), हर्षिमरन सिंह (कूचबिहार), अकांक्षा भास्कर (झाड़ग्राम), पवन कडियान (पश्चिम मेदिनीपुर), विभु गोयल (पश्चिम बर्दवान), प्रियंका सिंगला (मालदा), नितिन सिंघानिया (हुगली), शमा परवीन (दार्जिलिंग), मयूरी वासु (अलीपुरद्वार), धवल जैन (बीरभूम) तथा कोंथम सुधीर (पुरुलिया) शामिल हैं।

उर्वरक, बीज और मानसून की स्थिति की कृषि मंत्रालय ने की समीक्षा, संवेदनशील जिलों पर रहेगी विशेष नजर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में कृषि मंत्रालय की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में खरीफ फसलों की बुवाई की प्रगति, मानसून की स्थिति, संभावित अल नीनो प्रभाव, उर्वरक और बीजों की उपलब्धता तथा जलाशयों में जल भंडारण की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक में अधिकारियों को वर्षा की कमी वाले क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखने और राज्यों के साथ लगातार समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए। कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों को उनकी जरूरत के अनुसार समय पर उर्वरक उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए और वितरण व्यवस्था में किसी भी तरह की कमी को तत्काल दूर किया जाए।

बैठक के बाद एक बयान में कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि राज्यों के साथ नियमित समन्वय के माध्यम से आपूर्ति व्यवस्था पर नजर रखी जा रही है। कृषि मंत्री ने कृषि विज्ञान केंद्रों और राज्य सरकारों से जमीनी स्तर की जानकारी लेकर किसानों तक योजनाओं का प्रभावी लाभ पहुंचाने को कहा। चौहान ने दलहन, तिलहन और कपास मिशनों को राज्यों के साथ नियमित साप्ताहिक समीक्षा बैठकें आयोजित करने तथा

फील्ड स्तर से मिलने वाले फीडबैक के आधार पर त्वरित कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार किसानों के हितों की रक्षा और कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मंत्रालय के अनुसार, 17 जुलाई 2026 तक देश में खरीफ फसलों की बुवाई का कुल क्षेत्रफल 658.19 लाख हेक्टेयर दर्ज किया गया है। हालांकि पिछले वर्ष की तुलना में बुवाई क्षेत्र में कमी आई है, लेकिन कई राज्यों में धान, दलहन और अन्य फसलों की बुवाई में अच्छी प्रगति देखी गई है।बैठक में बताया गया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून ने राजस्थान, हरियाणा और पंजाब के शेष हिस्सों को कवर करते हुए 9 जुलाई 2026 तक पूरे देश में अपना विस्तार पूरा कर लिया है। सामान्य स्थिति में मानसून 8 जुलाई तक देशभर में पहुंचता है, ऐसे में इस वर्ष इसका विस्तार सामान्य तिथि से केवल एक दिन बाद पूरा हुआ। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार एक जून से 15 जुलाई 2026 के बीच देश में सामान्य से 23 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई।

जलभराव से निपटने के लिए दिल्ली के सभी 13 जिलों में जिला स्तरीय समन्वय समितियों का गठन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में जलभराव की समस्या से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सभी 13 जिलों में जिला स्तरीय समन्वय समितियों (डीएलसीसी) का गठन किया गया है। इन समितियों का उद्देश्य जलभराव की रोकथाम के लिए एहतियाती कदम उठाना, मानसून की तैयारियों से संबंधित रणनीति और मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के प्रभावी कार्यान्वयन की निगरानी करना तथा मानसून के दौरान और बाद में जलभराव की रोकथाम और उससे निपटने के लिए आवश्यक उपाय सुनिश्चित करना है। यह जानकारी दिल्ली सरकार के जरिए विज्ञप्ति में दी गई।

सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव की ओर से जारी आदेश के अनुसार प्रत्येक जिला स्तरीय समन्वय समिति के अध्यक्ष संबंधित जिले के डीएम (जिला मजिस्ट्रेट) होंगे। समिति में संबंधित नगर निगम के उपायुक्त, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के संबंधित कार्यकारी अभियंता, लोक निर्माण विभाग के संबंधित कार्यकारी अभियंता, संबंधित नगर निगम/नई

दिल्ली नगरपालिका परिषद/दिल्ली छावनी बोर्ड के संबंधित कार्यकारी अभियंता, दिल्ली जल बोर्ड और दिल्ली विकास प्राधिकरण के संबंधित कार्यकारी अभियंता तथा संबंधित जिले के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (यातायात) शामिल होंगे। संबंधित जिले बिजली कंपनियों बीएसईएस/टीपीडीडीएल के प्रतिनिधि समिति के सदस्य होंगे, जबकि संबंधित जिले के एडीएम (अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट) सदस्य सचिव होंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश पर गठित जिला स्तरीय समन्वय समितियां जिला स्तर पर मानसून की तैयारियों से जुड़े उपायों के प्रभावी क्रियान्वयन और उनकी निगरानी की जिम्मेदारी संभालेंगी। ये समितियां राज्य स्तरीय समन्वय समिति (एसएलसीसी) द्वारा तैयार मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के साथ-साथ सड़कों तथा सभी प्रकार के नालों के प्रबंधन से जुड़े विभागों के बीच परिचालन संबंधी मुद्दों पर अंतर-विभागीय समन्वय स्थापित करेंगी। समितियां नालों के आपस में जुड़ने वाले बिंदुओं पर संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय, बेलमाउथ की सफाई, नालों की गाद निकालने, अस्थायी पंपों की तैनाती और जलभराव वाले संवेदनशील स्थानों के निरीक्षण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों की निगरानी भी करेंगी। इसके अतिरिक्त जलभराव की संभावना वाले संवेदनशील स्थानों की पहचान, जमीनी स्तर पर तैयारियों की निगरानी और समस्याओं के समयबद्ध समाधान में भी समितियां महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन समितियों का उद्देश्य विभिन्न विभागों और एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल के माध्यम से जलभराव की रोकथाम और उसके प्रभाव को कम करना है, ताकि मानसून के दौरान जनसुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और दिल्ली में नागरिक सेवाएं निर्बाध रूप से जारी रहें।

पश्चिमी घाट में वैज्ञानिकों को मिली लाइकेन की पांच नई प्रजातियां

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिमी घाट के जैव विविधता से समृद्ध वनों में वैज्ञानिकों ने लाइकेन बनाने वाली फफूंद एलोग्राफा की पांच नई प्रजातियों की खोज की है। यह खोज पर्यावरण संरक्षण और वन पारिस्थितिकी के अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि लाइकेन वायु प्रदूषण और आवास में होने वाले बदलावों के प्रति बेहद संवेदनशील होते हैं और वनों के स्वास्थ्य के प्रमुख संकेतक माने जाते हैं। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के स्वायत्त संस्थान मैक्स आघारकर अनुसंधान संस्थान, पुणे के वैज्ञानिकों ने पारंपरिक वर्गीकरण पद्धति के साथ आधुनिक डीएनए विश्लेषण तकनीक का उपयोग कर यह अध्ययन किया। विभाग ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि शोध के दौरान एलोग्राफ़ा केरलेंसिस, ए. नायके, ए. पैराकोन्सांगुइनिया, ए. पर्सिस्टिनस्पर्सा और ए. सेमीकार्बोनिसाटा नामक पांच नई प्रजातियों की पहचान की गई। शोधकर्ताओं का कहना है कि इस खोज से पश्चिमी घाट की जैव विविधता

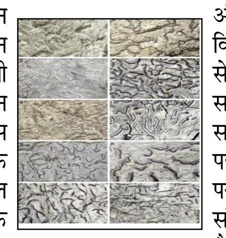

और विभिन्न प्रजातियों के विकासक्रम को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी। साथ ही, पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान, दीर्घकालिक पर्यावरण निगरानी और वन संरक्षण से जुड़ी नीतियों को वैज्ञानिक आधार प्रदान करने में भी यह अध्ययन उपयोगी साबित होगा। उल्लेखनीय है कि लाइकेन दो जीवों–कवक (फंगस) और शैवाल का एक सहजीवी संयोजन है। कवक शैवाल को पानी और आश्रय देता है, जबकि शैवाल प्रकाश संश्लेषण द्वारा भोजन बनाता है। यह मुख्य रूप से पेड़ों की छाल, चट्टानों और मिट्टी पर पाए जाते हैं।

दिल्ली के लाल डोरा और गांवों को मिलेगा डिजिटल अधिकार, सरकार जल्द जारी करेगी स्मार्ट प्रॉपर्टी कार्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार राजधानी के लाल डोरा और आबादी गांवों के निवासियों को उनकी संपत्तियों का आधुनिक, पारदर्शी और सुरक्षित डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध कराने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में 'स्वामित्व' (सर्वे ऑफ विलेज एंड मैपिंग विद इंप्रोवाइड टेक्नोलॉजी इन विलेज एरिया) योजना पर विस्तार से चर्चा की गई। इस योजना के तहत व्यापक सर्वेक्षण, डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने और स्मार्ट प्रॉपर्टी कार्ड जारी करने का कार्य किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि वर्षों से लाल डोरा क्षेत्रों में संपत्तियों का व्यवस्थित और प्रमाणिक रिकॉर्ड उपलब्ध न होने के कारण लोगों को अनेक प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब दिल्ली सरकार आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रत्येक संपत्ति की स्पष्ट पहचान सुनिश्चित कर रही है, जिससे भविष्य में रिकॉर्ड अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और व्यवस्थित होगा। दिल्ली सरकार जल्द ही पात्र लोगों को स्मार्ट प्रॉपर्टी कार्ड जारी करने जा रही है। इसको लेकर एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में 48 गांवों को भारतीय सर्वेक्षण विभाग के साथ हुए समझौते के तहत योजना में शामिल किया गया है। इनमें से 30 गांवों का सर्वेक्षण पूरा हो चुका है और उनके अंतिम प्रॉपर्टी कार्ड तैयार किए जा चुके हैं। अब इन कार्डों में डिजिटल हस्ताक्षर जोड़ने और स्मार्ट कार्ड जारी करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उन्होंने बताया कि अब तक 12,232 संपत्तियों (पॉलीगॉन) का सर्वेक्षण किया जा चुका है। इनमें से 8,423 संपत्तियां विवाद-मुक्त हैं, जो कुल सर्वेक्षित संपत्तियों का लगभग 69 प्रतिशत हैं और इनके स्मार्ट प्रॉपर्टी कार्ड जारी करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। दक्षिण और उत्तर-पश्चिम जिले में सर्वे की गई सभी संपत्तियां विवाद-मुक्त हैं, जबकि अन्य जिलों में भी विवादों के समाधान के साथ आगे की प्रक्रिया जारी है।मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना केवल कागजी रिकॉर्ड बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी प्रक्रिया अत्याधुनिक डिजिटल प्रणाली पर आधारित है। योजना के तहत सबसे पहले लाल डोरा क्षेत्र की सीमाओं का चिन्हांकन किया जाता है। इसके बाद भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा ड्रोन के माध्यम से पूरे गांव का हवाई सर्वे किया जाता है। फिर राजस्व विभाग के अधिकारी जमीन पर जाकर ड्रोन सर्वे के नक्शे का वास्तविक स्थिति से मिलान करते हैं। यदि किसी प्रकार की विसंगति सामने आती है तो उसकी रिपोर्ट भारतीय सर्वेक्षण विभाग को भेजी जाती है, जिसके बाद आवश्यक सुधार किए जाते हैं। इसके बाद प्रत्येक संपत्ति का रिकॉर्ड तैयार कर उसे एक संपत्ति पहचान संख्या (पीआईडी) प्रदान की जाती है। इसी आधार पर प्रत्येक संपत्ति का आधिकारिक प्रॉपर्टी कार्ड तैयार किया जाता है, जिसे संबंधित जमीन के स्वामी को उपलब्ध कराया जाएगा। इसके बाद पूरे रिकॉर्ड को दिल्ली ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन इन्फॉर्मेशन सिस्टम (डोरिस) से रियल टाइम में जोड़ा जाएगा ताकि भविष्य में रिकॉर्ड लगातार अद्यतन (अपडेट) रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार नागरिकों को आधुनिक और सुरक्षित डिजिटल दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए स्मार्ट प्लास्टिक स्वामित्व प्रॉपर्टी कार्ड जारी करेगी। यह यूआईडीएआई मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता वाले पीवीसी कार्ड होंगे। उन्होंने बताया कि प्रत्येक कार्ड पर संपत्ति का संपत्ति पहचान संख्या (पीआईडी), जारी करने की तिथि, गांव, उप-मंडल, जिला, कब्जाधारी का नाम, पिता या पति का नाम, हिस्सेदारी, कुल क्षेत्रफल, निर्मित एवं खुला क्षेत्र, भू-आधार नंबर, सह-कब्जाधारियों का विवरण और संपर्क नंबर अंकित होगा।

पैसे और फर्जी सोशल मीडिया के सहारे चुनाव लड़ रहे हैं प्रशांत किशोर: शाहनवाज हुसैन

एजेंसी

पटना। बिहार भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने पटना में निर्वाचन आयोग के अधिकारियों से मुलाकात कर बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में जन सुराज के नेता प्रशांत किशोर द्वारा कथित रूप से चुनावी खर्च की निर्धारित सीमा का उल्लंघन करने, फर्जी कंपनियों के माध्यम से धन खर्च करने तथा सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट और बॉट नेटवर्क के जरिए मतदाताओं को प्रभावित करने के संबंध में ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में बिहार सरकार के मंत्री मिथिलेश तिवारी, विधायक जीवेश मिश्रा, विधान परिषद में मुख्य सचेतक जनक राम, प्रदेश मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल तथा चुनाव आयोग सेल के संयोजक राकेश ठाकुर शामिल थे।

चुनाव आयोग से मुलाकात के बाद भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शाहनवाज हुसैन ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक व्यक्ति को चुनाव लड़ने का अधिकार है, लेकिन चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करना सभी के लिए अनिवार्य है। उन्होंने आरोप लगाया कि बांकीपुर उपचुनाव में

प्रशांत किशोर ने चुनावी खर्च की 40 लाख रुपये की सीमा को पार करते हुए करोड़ों रुपये खर्च किए हैं और इस संबंध में भाजपा ने चुनाव आयोग को दस्तावेजी साक्ष्य उपलब्ध कराए हैं। शाहनवाज हुसैन ने आरोप लगाया कि चुनावी खर्च को छिपाने के लिए अलग-अलग कंपनियों के माध्यम से सोशल मीडिया पर बड़े पैमाने पर प्रचार कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट बनाकर इन्फ्लुएंसर्स को भुगतान किया जा रहा है तथा कृत्रिम माहौल तैयार करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि सिंपल सेंस एनालिटिक्स प्राइवेट लिमिटेड और न्यूज लाइटहाउस एलएलपी जैसी कंपनियों के जरिए चुनाव प्रचार संचालित किया जा रहा है, जबकि इन कंपनियों का संबंध प्रशांत किशोर से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है। उन्होंने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से भी धन के स्रोत की जांच कराने की मांग की।बिहार सरकार के मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि भाजपा ने चुनाव आयोग के समक्ष ऐसे कई सोशल मीडिया अकाउंट का विवरण प्रस्तुत किया है, जिनकी लोकेशन देश के बाहर की है।

उन्होंने आरोप लगाया कि विदेशों से संचालित अकाउंट के माध्यम से बिहार के राजनीतिक माहौल को प्रभावित करने और नेताओं के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को ऐसे मामलों पर गंभीरता से कार्रवाई करनी चाहिए ताकि चुनाव की निष्पक्षता बनी रहे। पूर्व मंत्री एवं विधायक जीवेश मिश्रा ने आरोप लगाया कि प्रशांत किशोर चुनावी खर्च से जुड़े जनप्रतिनिधित्व कानून का उल्लंघन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने चुनाव आयोग को सभी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध करा दिए हैं।

शहीद दिवस पर बंगाल में सियासी घमासान, तृणमूल और कांग्रेस ने शक्ति प्रदर्शन के बीच साधे एक-दूसरे पर निशाने

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में शहीद दिवस (21 जुलाई) के अवसर पर कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यक्रमों के बीच पूरे दिन राजनीतिक सरगर्मी बनी रही। दोनों दलों ने अलग-अलग मंचों से शक्ति प्रदर्शन किया और एक-दूसरे पर तीखे राजनीतिक हमले बोले। इस दौरान आरोप-प्रत्यारोप, विरोध-प्रदर्शन और बयानबाजी का दौर भी चलता रहा। प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने संबोधन में कहा कि वह आने वाले दिनों में राज्य के विभिन्न जिलों का दौरा करेंगी और उन्हें रोकने की किसी भी कोशिश का जवाब जनता के बीच जाकर देंगी। उन्होंने दावा किया कि सुबह कालीघाट स्थित अपने आवास से कार्यक्रम के लिए निकलते समय उन्हें रोकने का प्रयास किया गया। उन्होंने कालीघाट में आयोजित तृणमूल कांग्रेस के कार्यक्रम में पहुंचे शहीद परिवारों के सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि तमाम प्रलोभनों के बावजूद उनकी उपस्थिति लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। कालीघाट में आयोजित तृणमूल कांग्रेस के मुख्य कार्यक्रम में कीर्ति आजाद, बाबुल सुप्रियो, सौगत राय, महुआ मोइत्रा और कल्याण बनर्जी सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी भी तारामंडल के निकट आयोजित सभा स्थल पर पहुंचे। वहीं मेयो रोड स्थित दूसरे मंच पर फिरहाद हकीम, मदन मित्रा, अनुब्रत मंडल, जावेद खान सहित अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में शहीद परिवारों के कुछ सदस्य भी शामिल हुए। प्रशासन की ओर से क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सामान्य बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। इस बीच तृणमूल कांग्रेस के नेता मदन मित्रा ने सार्वजनिक मंच से ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी की राजनीतिक भूमिका को लेकर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी जनता के समर्थन से मुख्यमंत्री बनी और उन्हें अपनी राजनीतिक स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। साथ ही उन्होंने अभिषेक बनर्जी से भी अपनी भूमिका को लेकर स्पष्टीकरण देने की मांग की। दूसरी ओर, कांग्रेस ने 21 जुलाई 1993 के महाकरण अभियान के दौरान हुई पुलिस फायरिंग की घटना को लेकर न्याय की मांग दोहराई। शहीद मीनार मैदान में आयोजित 'शहीद समागम' में कांग्रेस नेताओं ने तत्कालीन गृह सचिव मनीष गुप्ता की भूमिका पर सवाल उठाते हुए प्रतीकात्मक रूप से उनका चित्र मंच पर रखकर विरोध दर्ज कराया।

सीरीज शुरू होने से एक दिन पहले जिम्बाब्वे ने घोषित की टीम, त्सिगा को मौका

हरारे, एजेंसी। भारत के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे टीम का एलान कर दिया गया है। दिलचस्प बात यह है कि दोनों टीमों के बीच पहला मैच गुरुवार को होगा और इससे एक दिन पहले ही टीम घोषित हुई है। 15 सदस्यीय टीम में पहली बार विकेटकीपर बल्लेबाज तफादजवा त्सिगा को शामिल किया गया है। इसके साथ ही ऑलराउंडर वेस्ली मधेवेरे और पेसर न्यूमैन न्यामहुरी की जिम्बाब्वे टी20 टीम में वापसी हुई है।

ये तीनों खिलाड़ी क्लाइव मडेंडे, टिनोटेंडा मापोसा और ताशिंगा मुसेकिवा की जगह टीम में आए हैं, जो हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ खेलने वाली टीम का हिस्सा थे। टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 23 जुलाई को खेला जाना है। वहीं, दूसरा मैच 25 जुलाई और अंतिम मैच 26 जुलाई को होगा। सीरीज के सभी मुकाबलों की मेजबानी हरारे का हरारे स्पोर्ट्स क्लब मैदान करेगा।

जिम्बाब्वे की ओर से 10 टेस्ट मैच खेल चुके त्सिगा ने अब तक सफेद गेंद की क्रिकेट में अपना डेब्यू नहीं किया है। बांग्लादेश सीरीज के दौरान टेस्ट और वनडे टीम में शामिल रहे मधेवेरे जुलाई 2025 के बाद पहली बार टी20 टीम में लौटे हैं। वह अब तक जिम्बाब्वे की ओर से कुल 79 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुके हैं। वहीं, न्यामहुरी चोट से उबरने के बाद टीम में वापसी कर रहे हैं। चोट के चलते वह बांग्लादेश के खिलाफ हुई वनडे सीरीज में

टीम का हिस्सा नहीं रहे थे। न्यामहुरी की जगह बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में हिस्सा लेने वाले तनाका चिवांगा टीम में अपनी जगह बनाए रखने में सफल रहे हैं।

सिकंदर रजा करेंगे अगुआई

टीम की कमान सिकंदर रजा के हाथों में सौंपी गई है। बांग्लादेश के खिलाफ रजा की अगुआई में जिम्बाब्वे का प्रदर्शन शानदार रहा था। टीम ने एकमात्र टेस्ट और वनडे सीरीज को दमदार प्रदर्शन करते हुए अपने नाम किया था। हालांकि, टी20 सीरीज में जरूर जिम्बाब्वे को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। मेजबान टीम के सामने भारत की मुश्किल चुनौती होगी। हालांकि, टीम इंडिया को हाल ही में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ करारी हार का सामना करना पड़ा है। भारत और जिम्बाब्वे की आखिरी भिड़ंत टी20 विश्व कप 2026 के सुपर 8 स्टेज में हुई थी, जहां भारत ने जिम्बाब्वे को 72 रनों से हराया था।

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे टीमः सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, तनाका चिवांगा, बेन करन, ब्रैड इवांस, वेस्ली मधेवेरे, तदीवानाशे मारुमानी (विकेटकीपर), वेलिंगटन मसाकाद्जा, ब्लेसिंग मुजारबानी, डियोन मायर्स, रिचर्ड नगारवा, न्यूमैन न्यामहुरी, मिल्टन शुम्बा, और तफादजवा त्सिगा (विकेटकीपर)।

लगातार तीसरा स्वर्ण जीतने पर टिकीं मीराबाई चानू की निगाहें, 48 किलो वर्ग में होगा आखिरी टूर्नामेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता और स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू ग्लासगों में 26 जुलाई को इतिहास रचने उत्तरेंगी। चानू लगातार तीसरे राष्ट्रमंडल खेल में स्वर्ण जीतने उतरेंगी, जो उनका लगातार चौथा पदक होगा। फिर भी उनकी निगाहें राष्ट्रमंडल से ज्यादा एशियाई खेलों पर हैं। बर्मिंघम में तैयारी कर रहीं मीरा ने अमर उजाला को बताया कि किसी भी बड़े खेल से पहले खिलाड़ी की कोशिश उच्चस्तरीय फॉर्म पाने की रहती है, लेकिन वह ग्लासगो में ज्यादा जोर नहीं लगाएंगी। उनकी 200 किलो वजन उठाने की भी कोशिश नहीं रहेगी। वह अपनी पीक 19 सितंबर से होने वाले एशियाई खेलों में हासिल करेगी, जहां उनकी कोशिश अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ (205 किलोग्राम वजन) को पीछे छोड़ने की होगी।

एशियाड में 49 किलो में खेलेंगी चानू

चानू ग्लासगों में 48 किलो में खेलेंगी, जबकि एशियाड में उन्हें 49 किलो में खेलना है। चानू को मालूम है कि यह 48 किलो में उनका अंतिम टूर्नामेंट है। यह भार अब ओलंपिक से बाहर हो गया है। मीरा ने इस भार में साल 2014 में रजत, 2018 में गोल्डकोस्ट में स्वर्ण और 49 किलो में बर्मिंधम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। चानू कहती हैं कि वह फुल लोड नहीं लेकर एशियाड के लिए अच्छी तरह रिकवरी करना चाहती हैं।

चाहकर भी नहीं बन पा रही थीं ध्वजवाहक

चानू पहली बार भारतीय दल की ध्वजवाहक बनने जा रही है। मीरा कहती हैं हैं कि उनका सपना था कि वह किसी खेल के उद्घाटन समारोह में तिरंगा उठाएं। हमेशा उद्घाटन के अगले दिन कंपटीशन रहने के चलते वह चाहकर भी ध्वजवाहक नहीं बन पाती थीं। इस बार कंपटीशन समारोह के बाद है, जिससे उन्हें यह मौका मिल गया। भारतीय टीम के कोच विजय शर्मा के मुताचिक, मीरा के सामने नाइजीरिया की रूथ असोडको और मलयेशिया की इरिन जेन हेनरी की चुनौती हैं। रूथ ने बीते वर्ष भारत में राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में 167 किलो से रजत और इरिन ने 161 किलो से कांस्य जीता था। ऐसे में मीरा के सामने यहां बड़ी चुनौती नहीं है।

कुलदीप ने काउंटी क्लब यॉर्कशायर से किया करार

लीड्स। भारतीय टीम के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने बुधवार को इंग्लिश काउंटी क्लब यॉर्कशायर से करार किया है। कुलदीप मौजूदा सीजन में टीम के लिए आठ मुकाबले खेलेंगे। कुलदीप पिछले कुछ समय से भारतीय प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं बन रहे हैं। लेकिन अब वह काउंटी क्रिकेट में खेलेंगे। कुलदीप वनडे कप के पांच मैच खेलने के साथ ही तीन लाल गेंद क्रिकेट के मुकाबले खेलेंगे।

यॉर्कशायर क्लब ने अपनी वेबसाइट पर जानकारी देते हुए कहा, यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब को भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव को विदेशी खिलाड़ी के तौर पर साइन करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। 31 साल के कुलदीप वन डे क' के पांच मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे और इसके बाद सितंबर में काउंटी चैंपियनशिप के आखिरी चार में से तीन मैचों के लिए हेडिंग्ले लौटेंगे।

यॉर्कशायर से जुड़ने पर उत्सुक कुलदीप

यॉर्कशायर से जुड़ने पर कुलदीप ने कहा, यॉर्कशायर से जुड़कर मुझे बहुत खुशी हो रही है और मैं इस मौके के लिए आभारी हूं। यॉर्कशायर के गौरवशाली इतिहास वाले क्लब का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सचमुच सम्मान की बात होगी। मुझे हमेशा से इंग्लिश कंडिशन्स में खेलने की चुनौती पसंद रही है और मैनेजमेंट से बात करने के बाद मैं टीम से जुड़ने के लिए बहुत उत्साहित हो गया हूं।

अनुष्का के साथ वृंदावन पहुंचे कोहली, प्रेमानंद महाराज के किए दर्शन, कीचड़ में नंगे पैर चले

वृंदावन। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए। कोहली बुधवार को पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ वृंदावन पहुंचे जहां दोनों ने प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए। कोहली इससे पहले आईपीएल 2026 खत्म होने के बाद भी प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लेने पहुंचे थे। मालूम हो कि आरसीबी ने इस सीजन खिताब अपने नाम किया था। 29 जुलाई को गुरू पूर्णिमा है और इससे पहले ही कोहली ने अनुष्का संग प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए हैं।

कोहली और अनुष्का को श्री हित राधा केली कुंज आश्रम में नंगे पैर घूमते हुए देखा गया और उनके इस दौरे के वीडियो तेजी

से सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। ऑनलाइन वायरल हो रहे कई वीडियो में इन दोनों को कड़ी सुरक्षा के बीच आश्रम पहुंचते हुए देखा जा सकता है। अनुष्का और विराट दोनों ने ही फेस मास्क पहनकर अपनी पहचान छिपाने की कोशिश की। आश्रम से बाहर निकलते समय विराट और अनुष्का ने हाथ में प्रसाद लिया हुआ था और वे कीचड़ भरे रास्तों पर नंगे पैर चल रहे थे।

प्रेमानंद महाराज के दर्शन लिए अनुष्का ने सिंपल सफेद सलवार-सूट पहना, जबकि विराट टी-शर्ट और पैंट में कैजुअल लुक में नजर आए। प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लेने से पहले, यह दोनों आश्रम परिसर में घूमते हुए दिखे। कोहली और अनुष्का की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

रोहित ने लगाई लंबी छलांग नंबर-1 की दौड़ हुई रोमांचक

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड दौरे पर लॉर्ड्स में खेली गई शानदार 138 रन की पारी का इनाम भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को आईसीसी वनडे बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में मिला है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) द्वारा जारी साप्ताहिक रैंकिंग में रोहित 14 रेटिंग अंक की बढ़त के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं और अब वह शीर्ष स्थान की दौड़ में मजबूती से शामिल हो गए हैं।

डेरिल मिचेल का दबदबा

फिलहाल न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल 802 रेटिंग अंकों के साथ नंबर-1 बल्लेबाज बने हुए हैं। भारत के शुभमन गिल 801 अंकों के साथ महज एक अंक पीछे दूसरे स्थान पर हैं, जबकि विराट कोहली 767 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर कायम हैं। रोहित शर्मा 758 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

ऐतिहासिक शतक का मिला इनाम

रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और निर्णायक वनडे में 110 गेंदों पर 138 रन की विस्फोटक पारी खेली थी। इस दौरान उन्होंने 17 चौके और पांच छक्के लगाए। खास बात यह रही कि वह लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर वनडे शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने। भारत को 388 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करना था। हालांकि रोहित की शानदार पारी के बावजूद टीम इंडिया 27 रन से मुकाबला हार गई और तीन मैचों की सीरीज 1-2 से गंवा बैठी।

संन्यास की अटकलों पर रोहित का जवाब

सीरीज के निर्णायक मुकाबले से पहले रोहित शर्मा के वनडे भविष्य को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। लेकिन उन्होंने अपने बल्ले से सभी सवालों का जवाब दिया। मैच के बाद रोहित ने कहा, 'जब से मैंने डेब्यू किया है, तब से मेरे बारे में बातें होती रही हैं और जब तक मैं खेलूंगा, होती रहेंगी। मेरे लिए सबसे अहम बात मैदान पर प्रदर्शन करना और टीम की सफलता में योगदान देना है। अगर शोर नहीं होगा तो मजा भी नहीं आएगा।'

इंग्लैंड को भी हुआ फायदा

भारत-इंग्लैंड वनडे सीरीज के बाद इंग्लैंड के कई खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। जो रूट 249 रन बनाने के बाद चार स्थान की छलांग लगाकर आठवें नंबर पर पहुंच गए। बेन डकेट 11 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 19वें स्थान पर पहुंच गए। जैकब बेथेल पांच स्थान की बढ़त के साथ 64वें स्थान पर पहुंच गए। वहीं गेंदबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे ऊपर अफगानिस्तान के राशिद खान पहले और पाकिस्तान के अबरार अहमद दूसरे स्थान पर हैं।

भारत के लिए सकारात्मक संकेत

ताजा आईसीसी वनडे बल्लेबाज रैंकिंग में भारत के तीन बल्लेबाज शुभमन गिल, विराट कोहली और रोहित शर्मा टॉप-4 में शामिल हैं। इससे साफ है कि भारतीय बल्लेबाजी इस समय विश्व क्रिकेट में सबसे मजबूत इकाइयों में से एक बनी हुई है। खास तौर पर गिल और रोहित की हालिया फॉर्म ने नंबर-1 रैंकिंग की जंग को बेहद रोमांचक बना दिया है।

इंग्लैंड में नहीं चला बल्ला, जिम्बाब्वे के खिलाफ दम दिखाने के लिए तैयार वैभव, आत्मविश्वास बरकरार

हरारे। भारतीय बल्लेबाजी के उभरते युवा सितारे वैभव सूर्यवंशी ने स्वीकार किया है कि पिछले चार महीनों में उनके करियर में कई उतार-चढ़ाव आए हैं। हालांकि, जिम्बाब्वे के खिलाफ गुरुवार से शुरू हो रही टी20 सीरीज से पहले वैभव का आत्मविश्वास पूरी तरह से बरकरार है। भारत और जिम्बाब्वे के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज होनी है जिसका पहला मैच गुरुवार को हरारे में खेला जाएगा।

टीम में बनाई जगह

15 वर्षीय सूर्यवंशी ने आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत के आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे की टी20 टीम में जगह बनाई थी। बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की सीरीज में उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में दूसरे टी20 में उन्होंने अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया। इसके साथ ही वह सचिन तेंदुलकर के लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड को तोड़कर भारत के लिए डेब्यू करने वाले सबसे युवा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बन गए।इसके बाद वैभव ने अगले तीन मैच खेले, लेकिन वह केवल मामूली स्कोर ही बना सके। पांचवें और अंतिम टी20 में संजू सैमसन की वापसी के बाद उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया गया। भारत यह सीरीज 0-4 से हार गया। महज तीन पारियों के बाद युवा सलामी बल्लेबाज को बाहर करने के टीम प्रबंधन के फैसले पर कई पूर्व क्रिकेटरों ने सवाल उठाए और आलोचना की। अंतिम मैच से बाहर किए जाने के बाद यह युवा खिलाड़ी भावुक नजर आया था। कम उम्र में ऐसी निराशाओं का सामना करने पर सूर्यवंशी ने बताया कि आसपास के लोगों से मिले समर्थन ने उन्हें आगे बढ़ने और ध्यान केंद्रित करने में मदद की।

प्रक्रिया का पालन जरूरी

सूर्यवंशी ने बीसीसीआई डॉट टीवी से कहा, हां, पिछले चार महीनों में कई उतार-चढ़ाव आए हैं। यह क्रिकेट का हिस्सा है और ऐसा होता रहेगा। लेकिन मुझे प्रक्रिया का पालन करना है और टीम के लिए अपना 100 प्रतिशत देना है। यह एक स्वाभाविक बात है कि मुझे जिस मार्गदर्शन या अभ्यास की आवश्यकता है, कोच मुझे वह उपलब्ध करा रहे हैं। बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं और आत्मविश्वास भी है।फरवरी में भारत के सफल अंडर-19 विश्व कप अभियान में सूर्यवंशी की अहम भूमिका रही थी। इसी मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में उन्होंने महज 80 गेंदों में 175 रनों की तूफानी पारी खेलकर भारत को चैंपियन बनाया था। इस मैदान की यादों को साझा करते हुए उन्होंने कहा, यह मेरे लिए एक बहुत ही यादगार मैदान है। सिर्फ चार महीने पहले हमने यहां अंडर-19 विश्व कप का फाइनल खेला और जीता था। भारत का प्रतिनिधित्व करना हर किसी का सपना होता है और यह एक बहुत खास पल है।

ओटीटी के बोल्ड कंटेंट पर ईशा सिंह ने रखी बेबाक राय

टेलीविजन अभिनेत्री ईशा सिंह रियलिटी शो 'बिग बॉस' सीजन-18 में नजर आई थीं। वह शो की फाइनलिस्ट बनीं और शानदार तरीके से खेलते हुए छठे स्थान पर रही थीं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में हाल ही में ओटीटी और टीवी रियलिटी शोज की बात की। उन्होंने बताया कि ओटीटी रियलिटी शोज 'अलायंस' और 'लॉक-अप' लोगों की असलियत दिखा रहे हैं। लोग अगर गाली-गलौज वाली भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो वो उनकी असलियत है। असल जिंदगी में लोग अक्सर ऐसे ही बात करते हैं। अभिनेत्री रियलिटी शो 'बिग बॉस' सीजन-18 का हिस्सा रह चुकी हैं। उनसे जब 'लॉक अप' और 'अलायंस' जैसे शो से आने वाले बोल्ड कंटेंट के बारे में पूछा, तो अभिनेत्री ने बताया कि यह शो ओटीटी पर स्ट्रीम हो रहे हैं, तो उनके पास सीन हो या भाषा के लिए ज्यादा आजादी है। अभिनेत्री ईशा सिंह ने कहा, 'देखिए, जब हमारे दर्शक इन शो को देखते हैं, तो वे बोलते हैं कि ऐसी अभद्र भाषा में बात कर रहे हैं। मेरा मानना है कि लोग असल जीवन में ऐसे ही बात करते हैं, हालांकि फर्क बस इतना है कि ओटीटी शोज में दिखता है, जबकि बिग-बॉस टीवी पर प्रसारित होता है, इसलिए उसमें एडिट कर दिया जाता है।' उन्होंने आगे कहा कि टेलीविजन में ओटीटी के मुकाबले पाबंदियां थोड़ी ज्यादा हैं, जिससे क्रिएटर्स किरदारों को ज्यादा असली तरीके से दिखा पाते हैं। उन्होंने कहा, 'देखिए, कोई संत नहीं है। सब ऐसे ही बातें करते हैं। स्क्रीन के मुकाबले लोग असल जीवन में बिल्कुल अलग होते हैं। मुझे लगता है कि ठीक है अभी लोग भी इसे पसंद कर रहे हैं। वे 'लॉक अप' और 'बिग बॉस' देख रहे हैं। मुझे लगता है कि लोगों को बस पसंद आना चाहिए।' अभिनेत्री ईशा सिंह इस समय कलर्स टीवी के नए शो 'जूही मुई' में मुख्य भूमिका (जूही सूरी का किरदार) निभा रही हैं। यह शो एक ऑटिज्म से जूझ रही प्रतिभाशाली लड़की की प्रेरणादायक कहानी है, जो अपने परिवार की संपत्ति बचाने के लिए खुद वकील बनती है।

'सिटी ब्यूटीफुल' फिल्म मेरे लिए घर वापसी जैसा है

लोकप्रिय अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ने आगामी पंजाबी क्राइम थ्रिलर फिल्म 'सिटी ब्यूटीफुल' से पंजाबी सिनेमा में वापसी की है। पंजाबी सिनेमा से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री फिल्म को घर वापसी बताया। खास बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि इससे पहले वे पंजाबी सिनेमा में गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के साथ 'डिस्को सिंह' में नजर आई थीं, जिसके बाद से वे अच्छी स्क्रिप्ट का इंतजार कर रही थीं, जो उन्हें सच में इंडस्ट्री में वापस लाए और 'सिटी ब्यूटीफुल' वह प्रोजेक्ट निकला। अभिनेत्री अपूर्वा ने कहा, 'यह फिल्म मेरे लिए सच में एक घर वापसी जैसा है। इस फिल्म की कहानी ने मुझे तुरंत मुझसे कनेक्ट कर दिया। मैं अभी अपने कैरेक्टर के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकती, लेकिन मैं कह सकती हूं कि यह एक शानदार अनुभव रहा है। अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ने बताया कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत पंजाबी सिनेमा से की, जिस वजह से पंजाब हमेशा से ही मेरे लिए खास रहा है और आगे भी रहेगा। उन्होंने अपनी भावनाएं शेयर करते हुए कहा, 'इतने वर्षों बाद वापस आना अजीब लगता है, हालांकि शूटिंग खत्म होने के बाद मैं अमृतसर के गोल्डन टेंपल आशीर्वाद लेने के लिए जरूर जाऊंगी। यह इस खूबसूरत सफर को खत्म करने का सबसे अच्छा तरीका लगता है।' अपूर्वा अरोड़ा हाल ही में हरियाणा की ग्रामीण पृष्ठभूमि पर बनी फिल्म 'मोमाकू' में नजर आई थीं। इस फिल्म का पूरा नाम 'मोटर, माचिस और कटर' है। यह एक सस्पेंस, थ्रिल और कॉमेडी से भरपूर फिल्म है, जिसमें अभिनेत्री ने 'पिंकी' नाम की मुख्य भूमिका निभाई है। इस फिल्म में उनके साथ जतिन सरना, यशपाल शर्मा और तुषार दत्त जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण किरदारों में नजर आएंगे।

फिल्म 'रणबाली' में पति विजय देवरकोंडा के साथ नजर आएंगी रश्मिका मंदाना

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'कॉकटेल 2' की सफलता का आनंद ले रही हैं। इस बीच फैंस को एक्ट्रेस की अगली फिल्म 'रणबाली' का बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म में रश्मिका अपने पति व अभिनेता विजय देवरकोंडा के साथ नजर आएंगी। हाल ही में रश्मिका मंदाना ने एक फिल्म से जुड़ी एक क्रिप्टिक पोस्ट से विजय देवरकोंडा के 'रणबाली' अवतार को लेकर नई उत्सुकता जगा दी है। बहुत कम जानकारी देते हुए एक्ट्रेस ने बताया कि टीम जो बना रही है, वह बेहद डरावना है। इससे विजय के ट्रांसफॉर्मेशन और फिल्म को लेकर चर्चा और बढ़ गई है। रश्मिका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर 'रणबाली' के सेट से विजय देवरकोंडा की एक धुंधली तस्वीर शेयर की। हालांकि, तस्वीर से बहुत कम जानकारी मिली, लेकिन उनके कैप्शन ने सबका ध्यान खींचा। उन्होंने विजय देवरकोंडा और डायरेक्टर राहुल सांकृत्यायन को टैग करते हुए लिखा, 'मुझे नहीं पता कि मैं अभी आप लोगों को यह दिखा सकती हूं या नहीं। उम्मीद है कि वे मुझे इसे हटाने के लिए नहीं कहेंगे, जैसा कि पहले कई बार हुआ है। लेकिन ये लड़के कुछ बहुत डरावना कर रहे हैं और मैं खुद को रोक नहीं पाई। मैं इसे बड़े पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।'

हरियाणवी सिंगर के साथ कोलैब करेंगी अक्षरा सिंह

अक्षरा सिंह भोजपुरी इंडस्ट्री की क्वीन हैं। अभिनय से लेकर सिंगिंग तक, हर क्षेत्र में उनका सिक्का चलता है। अक्षरा अब भोजपुरी सिनेमा से निकलकर दूसरी इंडस्ट्रीज में भी अपनी पहचान बना रही हैं। फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के 'घिस घिस घिस' गाने में वे अक्षय कुमार के साथ नजर आईं। उन्हें श्रद्धा कपूर की 'ईठा' में भी देखा जाएगा। इसके अलावा अब वे हरियाणवी सिंगर के साथ कोलैब करेंगी। भोजपुरी अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने आर्य मासूम शर्मा के साथ अपनी कई तस्वीरें पोस्ट की हैं। तस्वीरों में दोनों हंसते-मुस्कुराते पोज दे रहे हैं। दोनों के बीच शानदार केमिस्ट्री देखी जा सकती है। पोस्ट के साथ अक्षरा सिंह ने कैप्शन लिखा है, 'दो अलग मिट्टी का स्वैग, एक ही वाइब। तैयार हो इस कोलैब के लिए'? अक्षरा सिंह व्हाइट कलर के सूट में नजर आ रही हैं, जिस पर पिंक और ब्लू फ्लॉवर प्रिंट है। वहीं, मासूम शर्मा को डेनिम जींस और टी-शर्ट में देखा जा सकता है। बता दें कि आर्य मासूम शर्मा जिन्हें मासूम शर्मा के नाम से जाना जाता है, वे हरियाणा के मशहूर गायक, गीतकार और संगीतकार हैं।

'ईठा' में नजर आएंगी अक्षरा

'वेलकम टू द जंगल' के बाद अब अक्षरा सिंह को श्रद्धा कपूर की आगामी फिल्म 'ईठा' में भी देखा जाएगा। हालांकि, अक्षरा ने 'ईठा' में अपने रोल के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है। मगर, फिल्म का हिस्सा बनने पर वे बेहद उत्साहित हैं।

'हेरा फेरी 3' विवाद पर बोले परेश रावल

दिग्गज अभिनेता परेश रावल ने 'हेरा फेरी' के अपने को-स्टार अक्षय कुमार द्वारा उन्हें भेजे गए 25 करोड़ रुपये के कानूनी नोटिस के बारे में बात की है। यह नोटिस तब भेजा गया था, जब उन्होंने पिछले साल घोषणा की थी कि वो 'हेरा फेरी 3' का हिस्सा नहीं होंगे। अभिनेता ने कहा कि उनका फिल्म छोड़ने का फैसला अक्षय के साथ किसी निजी मुद्दे से जुड़ा नहीं था। विवाद एक कॉन्ट्रैक्ट से जुड़े मुद्दे के कारण हुआ था। और अक्षय का उन पर मुकदमा करने का फैसला एक भावनात्मक प्रतिक्रिया थी। परेश रावल ने कहा कि प्रोजेक्ट से अलग होने के उनके फैसले का अक्षय के साथ काम करने में असहज होने से कोई लेना-देना नहीं था। उन्होंने कहा कि बात यह नहीं थी कि 'मैं अक्षय कुमार के साथ काम करने में असहज महसूस कर रहा हूं।' यह एक कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ी बात थी। अगर मुझे फिल्म करनी थी, तो मुझे फिरोज नाडियाडवाला की मंजूरी चाहिए थी, क्योंकि वही 'हेरा फेरी' फ्रैंचाइजी के अकेले मालिक हैं। साथ ही 'आवारा पागल दीवाना', 'वेलकम' और ऐसी ही दूसरी फिल्मों के भी। जब तक उनकी मंजूरी नहीं मिल जाती, मैं कोई कमिटमेंट नहीं कर सकता था। जब कानूनी नोटिस आया, तो मैंने सोचा, 'मैं कानूनी मामलों में क्यों घिसट रहा हूं? क्या मैं यहां फिल्म बनाने का मजा लेने आया हूं या इसमें फंसने के लिए?' मैंने खुद से कहा कि मैं अब इसका हिस्सा नहीं बनना चाहता। जब भी 'हेरा फेरी 3' बनेगी मैं उसमें काम करूंगा फिल्म को लेकर लंबे समय से बनी अनिश्चितता के बावजूद परेश ने कहा कि जब भी यह प्रोजेक्ट शुरू होगा, मैं इसमें जरूर काम करूंगा, चाहे इसे कोई भी डायरेक्ट या प्रोड्यूस करे। मैं उस फिल्म से पूरी तरह जुड़ा हुआ हूं। जब भी वे इसे बनाएंगे, मैं वहां मौजूद रहूंगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह और अक्षय बाद में नोटिस के बारे में बात करने के लिए बैठे थे और क्या एक्टर ने माफी मांगी थी? इस पर परेश ने कहा कि मामला बिना किसी औपचारिक बातचीत के ही सुलझ गया। हम कभी इस बारे में बैठकर बात नहीं की, लेकिन हमने बाद में साथ काम किया। कभी-कभी आपको शब्द कहने की भी जरूरत नहीं होती। चीजों को सुलझाने का यह एक सभ्य तरीका है।

पहले मैं जिंदगी को इंजॉय करना नहीं जानती थी

काजल अग्रवाल अब 4 साल के बेटे नील की मां बन चुकी हैं। जल्द ही एक्ट्रेस खाने में मिलावट जैसे गंभीर मुद्दे पर फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' लेकर आ रही हैं। साउथ की सुपरस्टार काजल अग्रवाल ने बॉलीवुड में भले ही कम फिल्में की हों, मगर उनके चाहने वाले पूरे देश में हैं। एसएस राजामौली निर्देशित चर्चित फिल्म 'मगधीरा' हो या अजय देवगन के साथ 'सिंघम', अपने हर किरदार से साथ उन्होंने दर्शकों का दिल जीता है। हालांकि, इसके लिए उन्होंने काफी कुर्बानियां भी दी हैं। जल्द ही खाने में मिलावट जैसे गंभीर मुद्दे पर फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' लेकर आ रहीं काजल एक दौर में साल में 7-8 फिल्में करती थीं। वह कहती हैं कि तब मेरी अपनी कोई जिंदगी नहीं थी। मैं सिर्फ काम में जुटी रहती थी।

जिंदगी को इंजॉय करना नहीं जानती थी

अपने इस सफल करियर पर काजल कहती हैं, 'यह ऊपरवाले की मेहरबानी और मेरे बड़ों का आशीर्वाद कि इतना कमाल का काम करने को मिला। कमाल के लोगों के साथ काम करने को मिला। मुझे ऐक्टिंग से बेहद प्यार है और जिस तरह के रोल मुझे मिल रहे हैं, जितना प्यार मुझे मिला है, मैं बहुत खुशनसीब हूं। हालांकि, इस करियर में उतार-चढ़ाव भी थे। चुनौतियां भी थीं। पहले तो भाषा समझना ही मुश्किल था। लोगों की बातें समझ नहीं आती थीं। क्या सही है, क्या गलत है तो वो कल्चर समझा। वहां रहना, अडजस्ट करना, तब मैं मुंबई आती ही नहीं थी। साल में शायद 2 दिन, दिवाली और मेरा जन्मदिन या दिवाली और नया साल ही मुंबई में मनता था, वरना 363 दिन मैं सिर्फ ट्रैवल और शूट करती थी। मैं एक साल में 7 से 8 फिल्में करती थी। मेरी अपनी कोई जिंदगी ही नहीं थी। जब मेरे दोस्त जिंदगी एंजॉय कर रहे थे, मैं सिर्फ काम कर रही थी। मुझे जिंदगी का मजा लेने का मतलब ही नहीं पता था।'

खेल-खेल में बेटा रावण बन जाता है, मैं मंदोदरी

काजल नितेश तिवारी की महत्वाकांक्षी फिल्म 'रामायण' में मंदोदरी का किरदार निभा रही हैं। उस अनुभव के बारे में वह बताती हैं, 'बहुत ही अलग और अद्भुत अनुभव रहा है। जब हम लोग शूट करते हैं या शॉट्स देते हैं तो यह समझ आता है कि ये किस मुकाम तक जाएगी। उसका स्केल दिखाई देता है कि वह वर्ल्ड सिनेमा के लिए बनी है। मेरे लिए तो ये बड़े गर्व की बात है कि ये सारा कमाल हमारी भारतीय प्रतिभाएं इतनी खूबसूरती से कर रही हैं। वहीं, रामायण का बेटे से जुड़ाव के बारे में मजेदार किस्सा शेयर करते हुए कहती हैं, नील को रामायण पसंद है। उसे पता है कि मंदोदरी कौन है तो मैंने बताया है कि मम्मा इसमें मंदोदरी का रोल कर रही है, तो वह खेल-खेल में कहता है कि मैं रावण हूं, तुम मंदोदरी हो तो मैं कहती हूं कि ठीक है, वेरी गुड, चलो खेलते हैं।

मां होने के नाते खाने में मिलावट डराती है

अपनी फिल्म द इंडिया स्टोरी में खाने, दूध, फल आदि में मिलावट के मुद्दे को उठा रहीं काजल एक मां के तौर पर खुद इस विषय से काफी कनेक्टेड महसूस करती हैं। वह कहती हैं, 'एक मां होने के नाते इन चीजों के बारे में सोचकर डर लगता है। हमें पता ही नहीं है कि हमारे बच्चे के सेहत के लिए क्या ठीक है, क्या नहीं? खाना हो, फल हो, दूध हो, आप बड़े से बड़े स्टोर पर भी भरोसा नहीं कर सकते। आपको पता ही नहीं कि आप अपने बच्चे को क्या खिला रहे हैं? तो हमें ज्यादा सचेत रहने की जरूरत है। ऐसे में, यह फिल्म आंखें खोलने वाली रही। जो रिसर्च हमारे डायरेक्टर डीके चेतन ने दिखाए वह काफी डरावने थे। काजल का जोर अब मजबूत या मुद्दे वाली फिल्मों पर ज्यादा दिख रहा है। क्या फिल्मों के चुनाव को लेकर उनका नजरिया बदला है? इस पर वह कहती हैं, बिल्कुल, आपकी सोच, चॉइस वक्त के साथ बदलती है, क्योंकि जिंदगी आपको मौके भी देर से देती है। आप जब अपने काम में सेटल हो जाते हैं, तब प्रयोग करना शुरू करते हैं। शुरू में तो मैं खुद को स्थापित करने में ही इतनी व्यस्त थी कि बाकी कुछ सोचने का वक्त ही नहीं था। हर फिल्म को हां बोलती थी। साल में 8 फिल्में कर लेती थी।' मगर क्या मां बनने का असर भी इस चुनाव पर पड़ा है? इस पर उनका कहना है, 'ऐसी कोई लिस्ट नहीं है जो मैं फॉलो करती हूं। जब मैं स्क्रिप्ट पढ़ती हूं, तब मुझे पता चल जाता है कि ये मैं करूंगी, लेकिन ये नहीं सही लग रहा तो नहीं करूंगी, लेकिन बेटा जेहन में रहता है तो अंदर से एक फिल्टर रहता है।'

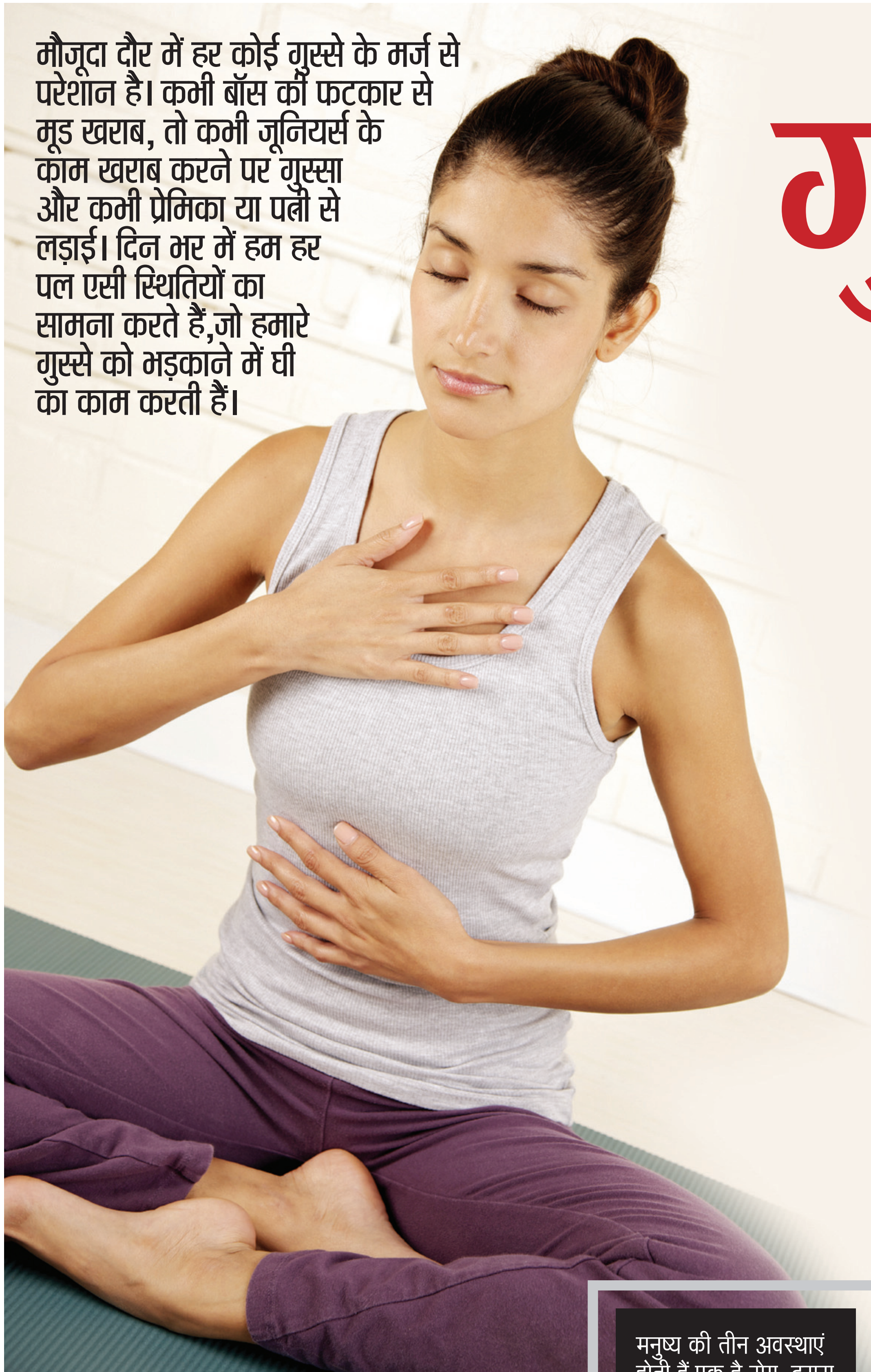

मौजूदा दौर में हर कोई गुस्से के मर्ज से परेशान है। कभी बॉस की फटकार से मूड खराब, तो कभी जूनियर्स के काम खराब करने पर गुस्सा और कभी प्रेमिका या पत्नी से लड़ाई। दिन भर में हम हर पल एसी स्थितियों का सामना करते हैं,जो हमारे गुस्से को भड़काने में घी का काम करती हैं।

गुस्से को करें योग से छूमंतर

पावर ऑफ योगा

श्रीकृष्ण ने श्रीमद्भागवत् में कहा है कि गुस्से से इंसान का विवेक खत्म हो जाता है। वह अच्छे-बुरे में फर्क नहीं कर पाता। दरअसल गुस्सा एक तरह का नकारात्मक सम्मोहन है,जिससे बुद्धि का नाश होता है और अंततः यह इंसान को दिशाहीन कर देता है।

नकारात्मक संवेग

इस धरती पर गुस्सा सबसे खतरनाक नकारात्मक संवेग है। वेदों के मुताबिक केवल यही वह संवेग है, जिस पर यदि समय रहते नियंत्रण नहीं किया जाए या इंसान की मनःस्थिति को जल्द न बदला जाए,तो यह उसके अस्तित्व के लिए खतरा बन सकता है,क्योंकि गुस्से से प्राण शक्ति और पुण्य नष्ट हो जाते हैं। गुस्स में व्यक्ति विवेकहीन होकर कई गलत काम कर बैठता है,उसके अच्छे कर्मो का क्षय होता है।

गुस्से से ह्रदय रोग

विस्तृत शोधों के बाद चिकित्सा विज्ञान भी इस नतीजे पर पहुंचा है कि गुस्से से ह्रदय रोग और अकाल मौतहोने तक की आशंका बढ़ जाती है। इसकी वजह यह है कि क्रोध से हमारे शरीर में तनाव पैदा करने वाले हॉर्मोस बढ़ते हैं,जिससे खून में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के साथ ही और खतरनाक परिवर्तन भी हो सकते हैं। नतीजतन ह्रदय का पोषण करने वाली धमनियां ब्लॉक हो सकती हैं। क्रोधी व्यक्ति का स्वास्थ्य और हेल्थ हैबिट्स दोनों ही गड़बड़ होते हैं।

फायदेमंद है योग

स्ट्रेस हॉर्मोन के बढ़ने से दूसरी असाध्य बीमारियां भी हो सकती हैं। खुशकिस्मती से हमारे यहां योग में क्रोध को शांत करने और उसका उपचार करने के कई तरीके हैं। यहां एक आसन का विवरण दिया जा रहा है,जो हमारे दिमाग के उस हिस्से पर सीधा सकारात्मक असर डालता है,जो क्रोध पैदा करने के लिए उत्तरदायी है। इस आसन के और भी बहुत से शारीरिक और मानसिक फायदे हैं।

तकनीक

घुटनों को सीधा रखते हुए बिल्कुल सीधे खड़े हों। सीधे झुकते हुए एड़ी के पीछे पांवों के पास धरती पर अपनी हथेलियां टिकाएं। यदि आपकी हथेलियां धरती को नहीं छू पाती हैं तो घुटनों तक झुकें या घुटनों को सीधा रखें। अब सिर को ऊंचा करने की कोशिश करें और पीठ को खींचे। इसी स्थिति में रहते हुए सामान्य ढंग से सांस लें। पांच सैकंड या इससे कम समय के लिए इसी मुद्रा में रहें और फिर सांस खींचते हुए तड़ासन की स्थिति में आएं। इस तरह दो-तीन बार इसे दोहराएं।

आसन के फायदे

यह आसन उनके लिए वरदान है,जिनका स्वभाव क्रोधी है या जो जल्द गुस्से में आ जाते हैं। यह ब्रेन सेल्स का तनाव दूर करते हैं,खासकर एमिगडाला का। इससे बहुत शान्ति मिलती है। यह लीवर, स्प्लीन और किडनी को भी स्वस्थ रखता है। इससे ब्लडप्रेशर और ह्रदय रोग से बचाव होता है।

सर्वांगासन

इस आसन के जरिए आप अत्यधिक गुस्से को तो नियंत्रण में कर ही सकते हैं। साथ ही सिरदर्द,एनिमिया और अपच जैसी बीमारियों को दूर कर शरीर में नई ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। अपने हाथ और पैर सीधे कर के जमीन पर लेट जाएं और गहरी सांस लेते हुए अपने दोनों पैरों को सीधे ऊपर की ओर उठाएं।

अपने हिप्स को ऊपर उठाते हुए पैरों को सीधा करे और बाद में सिर की ओर 45 डिग्री का कोण बनाने की कोशिश करें। सांस लेते हुए अपने दोनों हाथों से पीठ को सहारा दें। इस स्थिति में अंगूठे शरीर के अगले हिस्से और बाकी उंगलियां पीठ पर होनी चाहिए। पैरों को ऊपर की ओर उठाएं। अपनी पीठ को बिल्कुल सीधा कर लें और अपनी ठोढ़ी को बिल्कुल गले के पास लगाएं। धीरे-धीरे सांस लें। इस प्रक्रिया को कई बार दोहराते रहें। आसन के वक्त मन को पूरी तरह शांत रखें। जरूरत से ज्यादा आसन करने से बचें।

सही आदत नो बीमारी

आज चार वर्ष के बच्चे को भी चशमा पहने देख सकते हैं और अस्सी साल के वृद्ध को भी... दोनों को कोई अंतर नहीं है दस साल के बच्चे को भी शुगर की बीमारी है तो 30 साल के युवा को भी। एसे में यदि कहा जाए कि अत्याधुनिक लाइफ स्टाइल ही हमारी ज्यादा और नई बीमारियों का कारण है, तो गलत नहीं होगा। इसके लिए कुछ हद तक तो हमारा लाइफस्टाइल जिम्मेदार है तो कुछ हमारी अपनी आदतें भी जिम्मेदार हैं। जिन्हें अगर हम सुधार लें तो कई बीमारियों से बच सकते हैं।

बड़े-बुजुर्ग कह गए हैं, जैसा अन्न, वैसा मन। यह सौ फीसदी सही है। चूंकि नया लाइफस्टाइल अपनाने के चक्कर में सबसे पहले हम बदलते हैं डाइट। आजकल लोग दो मिनट में तैयार होने वाले फूड को प्रिफर करते हैं ताकि समय बचे जिसे वे और कहीं यूटिलाइज कर सकें। लेकिन अगर आपके पास स्वास्थ्य ही नहीं है तो फिर धन किस काम का। कहा भी गया है, पहला सुख निरोगी काया। इसलिए अगर आप चाहते हैं कि आप ताउम्र स्वस्थ रहें और किसी भी तरह की कोई बीमारी आपको न लगे तो सबसे पहले आप अपनी डाइट में सुधार करें और अपनी डाइट में हेल्दी और न्यूट्रीशियस खाद्य पदार्थों को शामिल करें।

तनाव न बाबा न...

यह तो हम सब मानेंगे ही कि आजकल की हमारी जैसी जीवनशैली है उसमें आराम के पल कम और तनाव के पल ज्यादा मिलते हैं। जिसका सीधा सा असर हमारे शरीर पर पड़ता। जिस कारण कम उम्र में ही लोग ब्लड शुगर, हाईब्लड प्रेशर और न जाने कौन-कौन सी बीमारियों के घेरे में आ जाते हैं। इसलिए बीमारियों को कहना है गुडबाय तो पहले टेंशन को कहना होगा गुडबाय और स्माइल और खुशी को करना होगा वैलकम।

व्यायाम है जरूरी

स्वस्थ रहने के लिए अन्य जो बातें महत्वपूर्ण हैं उसमें सबसे पहली बात है कि सिगरेट और शराब का सेवन बिल्कुल न करें। इसके अलावा नियमित रूप से चाहें आप किसी भी उम्र के क्यों न हों व्यायाम या योग करें। इससे एक तो आपकी अतिरिक्त चर्बी और कैलोरी कम होती है दूसरे आपका शरीर अंदर से स्वस्थ महसूस करता है। इसलिए हर रोज कम से कम आधा घंटा व्यायाम तो जरूर ही करें।

अवचेतन का संदेश सुनें देह से करें दोस्ती

मनुष्य की तीन अवस्थाएं होती हैं,एक है रोग, दूसरा है निरोग और तीसरा है नैरोग्य। नैरोग्य यानी वैलनेस। यह जो वैलनेस है उसकी अनुभूति हमसे बिछुड़ गई है, वह अनुभूति जो तब पैदा होती है जब देह और मन एक स्वर में गुनगुनाते हैं। डॉक्टरों और वैज्ञानिकों ने अब स्वीकार कर लिया है कि देह और मन के बीच एक गहरा संबंध होता है,वह एक इकाई है।

तनाव भरे समय में ऐसा इंसान मिलना मुश्किल है जिसे कोई न कोई शारीरिक तकलीफ या कोई मानसिक उलझन न हो। लोगों को अक्सर यह महसूस होता है कि वैसे तो उन्हें अपने स्वास्थ्य में कुछ गड़बड़ नहीं दिखाई देती,लेकिन कुछ ऐसा भी है जो दुरूस्त नहीं लगता। कुछ बेचैनी सी,कुछ असंतुलन सा। मनुष्य की तीन अवस्थाएं होती हैं- एक है रोग,दूसरा है निरोग और तीसरा है नैरोग्य। नैरोग्य यानी वैलनेस। यह जो वैलनेस है उसकी अनुभूति हमसे बिछुड़ गई है,वह अनुभूति जो तब पैदा होती है जब देह और मन एक स्वर में गुनगुनाते हैं। डॉक्टरों और वैज्ञानिकों ने अब स्वीकार कर लिया है कि देह और मन के बीच एक गहरा संबंध होता है,वह एक इकाई है। लगभग आधी से अधिक शारीरिक व्याधियां मानसिक तनाव के कारण होती हैं। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि हमें बौद्धिक समझ प्रदान करने वाले हमारे सचेत मन,यानी कॉशन्स माइंड की पतली सी परत हमारे समूचे अस्तित्व का सिर्फ दसवां हिस्सा होती है। जैसे किसी फल का छिलका होता है वैसे ही सचेत मन अवचेतन मन का एक छिलका भर होता है।

इसी छिलके को हम शिक्षित करते हैं, सभ्य, सुसंस्कृत बनाते हैं, नीति, धर्म इत्यादि सिखाते हैं लेकिन इस चेतन परत के मुकाबले मस्तिष्क की अवचेतन परतें अधिक महत्वपूर्ण हैं। अगर हमारा नाता अपने ही अवचेतन से टूट गया तो हमारा जीवन स्वस्थ और संतुलित नहीं रह पाता। जब भी आदमी किसी रोग से ग्रसित होता है तो उसकी जड़ें उसके गहन अवचेतन मन में होती हैं। कोई दबाया हुआ क्रोध या दुख या भय अंदर पड़ा-पड़ा नासूर बन जाता है और फिर वह कैंसर या अन्य किसी रोग के रूप में प्रगट होता है। वो रसायन शरीर के अंगों में प्रवेश कर उन अंगों को कमजोर बनाता है और धीरे-धीरे रोग उनमें घर बना लेता है।

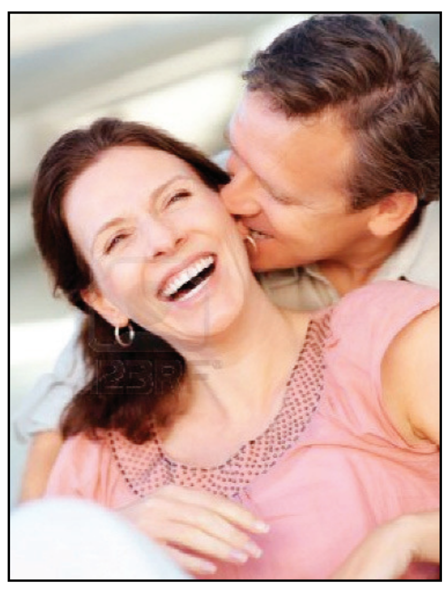

बॉडी-माइंड बैलेंसिंग

अवचेतन की इसी शक्ति को ध्यान में रख कर ओशो ने एक प्राचीन तिब्बती ध्यान पद्धति को पुनर्जीवित किया है। उसे नाम दिया है बॉडी-माइंड बैलेंसिंग,देह और मन का संतुलन। यह एक ऐसी निर्देशित ध्यान पद्धति है जिसके जरिए लोग अपने देह और मन का एक इकाई की तरह उपयोग करना सीखते हैं और स्वास्थ्य को अनुभव कर पाते हैं। ओशो ने कहा है कि एक बार आप शरीर से संवाद करना शुरू करते हैं तो चीजें बहुत आसान हो जाती हैं। क्योंकि शरीर पर जबर्दस्ती नहीं की जा सकती, उसे प्रेम से फुसलाया जा सकता है।

अवचेतन का संदेश सुनिए

टीवी और इलेक्ट्रानिक उपकरणों के कोहराम ने हमारी सुनने की नैसर्गिक क्षमताओं को कुंद कर दिया है और हम शरीर के मूक संदेशों को सुनना भूल ही गए हैं। यही कारण है कि अब देह आपका ध्यान खींचने के लिए और कठोर भाषा अपनाती है। आपको परेशान करने की कोशिश करती है। उसका संदेश बीमारियों के जरिए शरीर में नजर आने लगता है। जैसे सिरदर्द,बीच-बीच में टूटने वाली नींद,दुर्घटनाओं का आघात यानी ट्रॉमा,लाइलाज मर्ज,खासतौर से पीठ और पेट के रोग। सम्मोहन का नजरिया है कि कोई भी पीड़ा हो,वह एक संदेश है अवचेतन का। आपका अवचेतन आपसे कुछ कहना चाहता है,भागदौड़ छोड़कर जरा रूक जाएं और ध्यान दें। उसकी आवाज सुनें। उसे महसूस करें। यह ध्यान पद्धति सिखाती है कि देह की आवाज फिर कैसे सुननी शुरू की जाए और कैसे एक बार फिर पुरानी पीड़ाओं से छुटकारा पाया जाए।

शरीर से दोस्ती करें

बॉडी माइंड बैलेंसिंग को किसी भी असंतुलन को दूर करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। भले ही वह वजन बढ़ने की समस्या हो,हाजमे की दिक्कतें हों (खासतौर से कब्ज की समस्या),तरह-तरह के दर्द हों,तनाव या बेचैनी हो। यहां तक कि इसके जरिए बुरी आदतों से छुटकारा पाया जा सकता है।

बच्चों को बोतल न दें

नन्हा शिशु रोता है,तो काम में व्यस्त मां उसके मुंह में शहद की निप्पल,टीथर या दूध की बोतल मुंह में लगा देती है। बहुत कम पेरेन्ट्स को पता है कि ये पैसीफायर,टीथर और निप्पल शिशु की सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं,क्योंकि इनमें खतरनाक और विषैले तत्व पाए गए हैं जैसे- लैड, कैडमियम, क्रोमियम आदि।

हानिकारक हैं विषैले तत्त्व

सीईआरएस ने पैसीफायर्स,टीथर्स एवं निप्पल्स के नमूनों का परीक्षण किया। सभी में लैड,क्रोमियम और कैडमियम पाए गए। नवजात शिशुओं के खिलौनों में ?से विषैले तत्व की मौजूदगी स्वीकार्य नहीं,क्योंकि बच्चे इन्हें चूसते,चबाते रहते हैं और लार निगलते रहते हैं। ये पैसीफायर या टीथर शिशुओं के लिए बैक्टीरियल या फंगल इंफेक्शन का सबब बन सकते हैं। लैड की थोड़ी-सी मात्रा भी खतरनाक हो सकती है। कैडमियम एक नेफ्रोटॉक्सिन है,जो किडनी को क्षतिग्रस्त कर सकता है। इसके शरीर में जाने से पेट दर्द,जी मिचलाना और यहां तक कि मृत्यु भी हो सकती है। क्रोमियम इरीटेशन या दमा के दौर का सबब बन सकता है।

बदलें मापदंड

बीआईएस को भी अपने मापदंड बदलने चाहिए और विशेष रूप से नवजात शिशुओं के लिए बनाए गए खिलौनों जैसे टीथर,पैसीफायर एवं निप्पल्स के लिए अलग स्टैंडर्ड तय करने चाहिए।

क्या है समाधान

शिशु को एक बड़ा गाजर,खीरा या मूली उनकी ऊपरी सतह को साफ करके,साफ पानी से धोकर दे दिया जाए। शिशु को दूध पिलाने के लिए बोतल का इस्तेमाल न करना बेहतर होगा। ये आसानी से गंदे और बैक्टीरिया युक्त हो जाते हैं।